R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063

हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

वर्ष : 11
अंक : 245
पृष्ठ : 8
मूल्य - 2 रुपये

3 सपा की हालत पतली,छोटे नेताओं को करना पड़ रहा है शामिल : मायावती

लखनऊ, शुक्रवार , 18 जून 2021

सिसोदिया ने गैर-जरूरी सरकारी खर्च को कम करने का जारी किया आदेश 8

संक्षिप्त- समाचार

राज्यों के पास कोरोना के 2.18 करोड़ से अधिक टीके उपलब्धः स्वास्थ्य मंत्रालय

नयी दिल्ली वार्ता। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के पास अभी भी कोविड-19 टीके के 2,18,28,483 डोज उपलब्ध हैं।मंत्रालय ने कहा कि राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को अगले तीन दिनों में कम से कम 56,71,350 और डोज मिल जाएंगे। आज सुबह के आंकड़े के मुताबिक केन्द्र अभी तक सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को कोरोना के 27,28,31,900 डोज उपलब्ध करा चुका हैं।मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केन्द्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मुफ्त कोविड टीके उपलब्ध कराकर उनकी मदद कर रही है। सरकार इसके अलावा सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को टीकों की सीधी खरीद की सुविधा प्रदान कर रही है। टीकाकरण, परीक्षण, ट्रैक, उपचार और कोविड-उपयुक्त व्यवहार के साथ-साथ महामारी की रोकथाम और प्रबंधन के लिए सरकार की व्यापक रणनीति का एक अभिन्न हिस्सा है।

कांग्रेस ने अयोध्या मामले को लेकर किया प्रदर्शन

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों पर जमीन घोटाले का आरोप लगाते हुये राज्य व्यापी धरना प्रदर्शन किया।
पार्टी सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में जिला-शहर कांग्रेस अध्यक्षों एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने ट्रस्ट विरोधी नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया और जिलाधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति को आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जाँच सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशन में कराये जाने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया।
कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने बताया कि अयोध्या, मथुरा, प्रयागराज, गोरखपुर सहित प्रदेश के तमाम जिलों में पुलिस प्रशासन और कांग्रेसियों में टकराव की स्थिति पैदा हुई। दो दर्जन से अधिक जिलों में कांग्रेसियों और पुलिस के बीच झड़प हुयी ।

उप्र टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र की वैधता आजीवन मान्य

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर सरकार ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) प्रमाण पत्र की वैधता पांच वर्ष के स्थान पर आजीवन मान्य किये जाने का निर्णय लिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार विचारोपरान्त पूर्वव्यापी प्रभाव से 11 फरवरी, 2011 के उपरान्त शिक्षक पात्रता परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र की वैधता रिवैलीडेट करते हुए उसे पांच वर्ष के स्थान पर आजीवन मान्य कर दिया गया है।इस संबंध में अग्रेतर कार्यवाही करने के निर्देश शासन द्वारा निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, को दिये गये हैं।बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं।

यूपी की खुशहाली छीनी भाजपा सरकार ने : अखिलेश

सपा अध्यक्ष ने कहा, अपनी बात और अपने वादे से मुकर जाना भाजपा की आदत में शामिल है

लखनऊ ब्यूरो। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की खुशहाली का बुरी तरह सत्यानाश किया है।

श्री यादव ने गुरूवार को कहा कि सपा सरकार में 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने वाली उत्तर प्रदेश की जीडीपी 2017 से 2020 के बीच घटकर 5.6 प्रतिशत दर पर आ गई है। मुख्यमंत्री के सर्वतोमुखी विकास के थोथे ढोल की पोल इससे भी खुलती है कि जहां जीडीपी में गिरावट दर्ज हुई है वहीं बेरोजगारी में भारी वृद्धि हुई है। 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे चले गए हैं।

उन्होने कहा कि अब भाजपा सरकार ने बिना कोई काम किये उत्तर प्रदेश का साढ़े चार वर्ष का समय बर्बाद कर दिया। विकास कार्य ठप्प हैं। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल दिखाई दे रही है। भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा भी जनता की निगाह में उजागर हो चुका है। साढ़े चार वर्ष हो गए जनता अच्छे दिनों की उम्मीद लगाए बैठी रही। उसे निराशा और हताशा ही हाथ लगी है। दुनिया भर में भाजपा ने प्रदेश की बदनामी कराई है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि अपनी बात और अपने वादे से मुकर जाना भाजपा की आदत में शामिल है। चुनाव घोषणा पत्र, जिसे भाजपा ने संकल्प पत्र बताया में भाजपा ने युवाओं को लैपटाप देने, एक जीबी का इंटरनेट डाटा देने का वायदा किया था। कभी चार लाख तो कभी एक लाख नौकरियां देने का छलावा भी दिया जा रहा है। इन्वेस्टमेंट मीट समिट के बहाने प्रदेश में भारी निवेश के वादे भी किए जा रहे हैं लेकिन जमीन पर न तो एक उद्योग लगा और नहीं कहीं पूंजी निवेश होने का पता चल रहा है। आज सत्ताधारी सोच रहे हैं कि काश वो 'भ्रष्टाचार का नाम बदल सकते और झूठ के रंग' भी। हर आस्थावान अपने को ठगा महसूस कर रहा है।

उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा के झूठ-फरेब से तंग आ गई है। उसके सब्र का बांध टूट चला है। वह अब किसी प्रलोभन अथवा बहकावे में आने वाली नहीं है। उसने सन् 2022 में समाजवादी पार्टी को गद्दी पर बिठाने और भाजपा को गद्दी से उतारने का मन बना लिया है।

राहुल की मौजूदगी में पंजाब एकता पार्टी का कांग्रेस में विलय

नयी दिल्ली वार्ता। पंजाब एकता पार्टी के तीन विधायकों ने गुरुवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ उनके आवास पर मुलाकात कर अपनी पार्टी को कांग्रेस के साथ विलय की घोषणा की।कांग्रेस सूत्रों ने यहां बताया कि पंजाब विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता तथा भोलत से पंजाब एकता पार्टी के विधायक सरदार सुखपाल सिंह खैरा, पार्टी के मौर के विधायक सरदार जगदेव सिंह और भदौर से पार्टी विधायक निर्मल सिंह ने आज दोपहर श्री गांधी से उनके 12 तुगलक लेन आवास पर मुलाकात की और कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के विलय की घोषणा की।

सूत्रों ने बताया कि इस दौरान कांग्रेस के पंजाब प्रभारी महासचिव तथा उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी मौजूद थे।

पूर्वांचल को रेडीमेड गारमेंट सेक्टर का हब बनाएगी सरकार योगी

सीएम बोलः केंद्र होगा गोरखपुर

लखनऊ ब्यूरो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधियों से कहा कि गारमेंट सेक्टर के विकास और उद्यमियों की जरूरतों को पूरा करने में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। पूर्वांचल को रेडीमेड गारमेंट सेक्टर का हब बनाया जाएगा और गोरखपुर इसका केंद्र होगा।

चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष विष्णु अजीतसरिया और पूर्व अध्यक्ष एसके अग्रवाल ने बुधवार देर रात मुख्यमंत्री से गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम को बताया कि कई बाहरी उद्यमी गोरखपुर में यूनिट लगाने की इच्छा रखते हैं। सीएम ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार गोरखपुर को केंद्र बनाकर पूर्वांचल को रेडीमेड गारमेंट सेक्टर का हब बनाने के लिए संकल्पित है। इस बाबत सरकार की तरफ से प्रोत्साहन और धन की कमी नहीं आने देगी। इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहाहै। यह बड़ी संख्या में रोजगार सृजन का माध्यम साबित होगा।गीडा में फ्लैटेड फैक्ट्री की तरह गोरखनाथ क्षेत्र में स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में भी रेडीमेड गारमेंट फ्लैटेड फैक्ट्री की चेंबर की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्यमियों की संख्या बढ़ने पर इस पर भी विचार किया जाएगा। गीडा बोर्ड की बैठक में उद्यमियों को बुलाए जाने की मांग पर भी मुख्यमंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया। इस

दौरान चेंबर के पदाधिकारियों ने गीडा बोर्ड की बैठक में चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि को शामिल नहीं किए जाने की जानकारी दी। एसके अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस संबंध में प्रमुख सचिव उद्योग को नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा है।

एमएसएमई के जरिए 50 हजार लोगों को रोजगार देने की तैयारी एक अनुमान के मुताबिक गोरखपुर में 350 करोड़ रुपये की पूंजी से करीब 15000 लोगों को रेडीमेड सेक्टर में रोजगार मिला है। सरकार का मानना है कि इतने कम निवेश पर अन्य क्षेत्र में इतना रोजगार मिलना संभव नहीं है। इसे देखते हुए एमएसएमई के जरिए रेडीमेड गारमेंट के परंपरागत उद्यम से सरकार 50000 लोगों को रोजगार दिलाने की तैयारी में है।

कोरोना की दूसरी लहर के पहले तक गोरखपुर में 500 करोड़ रुपये के रेडीमेड गारमेंट्स की खपत, यहीं तैयार कपड़ों से हो रही थी। तब बाजार में 2000 करोड़ रुपये के रेडीमेड गारमेंट का उत्पादन बाहर के उद्यमी कर रहे थे। सरकारी प्रयासों से बढ़ावा मिलने पर बाहर से होने वाली आपूर्ति यहीं के उत्पादन से हो सकेगी।रेडिमेड गारमेंट यूनिट लगाने पर ओडीओपी में 20 लाख तक का अनुदानओडीओपी के तहत रेडीमेड गारमेंट यूनिट लगाने पर सरकार 20 लाख रुपये तक का अनुदान दे रही है। यूनिट लगाने के लिए आवेदन करने पर किसी भी राष्ट्रीयकृत या अन्य शेड्यूल्ड बैंक से लोन मिल सकता है। लोन के सापेक्ष सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन (एमएसएमई) विभाग की ओर से मार्जिन मनी की धनराशि अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जाती है।

25 लाख रुपये तक की लागत वाली इकाइयों के लिए कुल परियोजना लागत का 25 प्रतिशत या अधिकतम 6.25 लाख रुपये में से जो भी कम हो, मार्जिन मनी के रूप में देने की व्यवस्था है।

गोरखपुर दौरे पर योगी ने किया वैक्सीनेशन सेन्टर का निरीक्षण

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां कोरोना वैक्सीनेशन सेन्टर का निरीक्षण किया और रेहड़ी पटरी व्यवसायियों से बातचीत की।उन्होंने टीकाकरण केन्द्र की व्यवस्थाओं को मौके पर परखा तथा वैक्सीनेशन कराने के लिए आये रेहड़ी, पटरी व्यवसायियों से बातची भी की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि अब तक 500 लोगों का टीकाकरण कराया जा चुका है।उसके बाद मुख्यमंत्री ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए 20 कॉम्पेक्टर वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने नगर निगम के निर्माणाधीन सदन भवन की ड्रॉइंग का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के तहत कार्य पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। निर्माणाधीन सदन भवन की लागत 2345.07 लाख रुपये है।मुख्यमंत्री को इस अवसर पर अवगत कराया गया कि नगर निगम कार्यालय भवन/सदन भवन का निर्माण कार्य वर्ष 2019-20 में स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना को मार्च, 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। इसका निर्माण कार्यदायी संस्था सीएनडीएस, जल निगम द्वारा कराया जा रहा है।

यह भी अवगत कराया गया कि जिले के जो गांव नगर निगम क्षेत्र में शामिल हुए हैं, उनको भी नाली, सड़क, स्ट्रीट लाइट आदि से आच्छादित करने के लिए शासन को बजट प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। इस अवसर पर महापौर सीताराम जायसवाल सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

दिल्ली दंगा मामलाः नताशा, देवांगना, आसिफ को रिहा करने का आदेश

नयी दिल्ली वार्ता। दिल्ली की एक अदालत ने उत्तरी दिल्ली दंगों के आरोपी छात्र कार्यकर्ताओं देवांगना कलिता, नताशा नरवाल और आसिफ इकबाल को गुरुवार को जेल से रिहा करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अनूप जयराम की पीठ ने सुनवाई को 1530 बजे के लिए स्थगित करते हुए कहा कि वह पुलिस की याचिका पर निचली अदालत के आदेश का इंतजार करेगी, जिसमें सत्यापन के लिए और समय मांगा गया था।

कड़कड़डूमा अदालत के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रविंदर बेदी ने बुधवार को दिल्ली पुलिस द्वारा आरोपियों और जमानतदारों के पते सत्यापित करने के लिए समय मांगने के बाद उनकी रिहाई पर आदेश टाल दिया था।

पुलिस ने कहा था कि छात्र कार्यकर्ता नताशा, देवांगना और आसिफ की रिहाई से पहले उनके स्थायी पते को सत्यापित करने की आवश्यकता है।दिल्ली पुलिस ने अदालत के समक्ष दायर आवेदन में कहा, सभी आरोपी व्यक्तियों का 'बाहर के स्थायी पते' का सत्यापन लंबित है और समय की कमी के कारण पूरा नहीं किया जा सका है। पुलिस ने यूआईडीएआई को जमानतदारों के आधार कार्ड के विवरण को सत्यापित करने का निर्देश देने की भी मांग की।देवांगना और नताशा के वकील ने उच्च न्यायालय द्वारा अपने मुवक्किलों की जमानत मंजूर किये जाने के बाद उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हुए कल अदालत का रुख किया था जिसके बाद अदालत ने सत्यापन रिपोर्ट मांगी थी।छात्रों ने आज सुबह यह तर्क देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया कि उसकी ओर से दो दिन पहले जमानत मंजूर किये जाने बावजूद निचली अदालत द्वारा आदेश जारी करने में देरी करना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने तीनों आरोपियों की 15 जून को जमानत मंजूर की थी। न्यायालय ने सरकार पर विरोध करने के संवैधानिक अधिकार और आतंकवादी गतिविधि के बीच के अंतर को धुंधला करने का आरोप लगाया था।अदालत ने कहा, हम यह कहने के लिए विवश हैं, ऐसा लगता है कि असहमति को दबाने और मामले को हाथ से नहीं निकलने देने की सरकार की कोशिशों के बीच प्रदर्शन करने के संवैधानिक अधिकार और आतंकवादी गतिविधियों के बीच अंतर धुंधला होता जा रहा है। अगर इस सोच को बढ़ावा मिला तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जायेगा।इस बीच, दिल्ली पुलिस ने इन छात्र कार्यकताओं को जमानत देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया। इन तीनों पर पिछले साल उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों में कथित 'पूर्व नियोजित साजिश' के लिए कड़े गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा दर्ज है।

दिल्ली पुलिस ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपनी अपील में कहा कि वे जमानत देने से संबंधित मामले में उच्च न्यायालय द्वारा यूएपीए के प्रावधानों की व्याख्या से संतुष्ट नहीं हैं। उसने कहा, हम भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष एक विशेष अनुमति याचिका दायर करने के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

भारतीय मूल के सत्य नडेला बने माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष

वॉशिंगटन वार्ता। दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने भारतीय मूल के सत्य नडेला को नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

श्री नडेला इससे पहले कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे। माइक्रोसॉफ्ट ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की जानकारी दी।

उसने बताया माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन के निदेशक मंडल के स्वतंत्र सदस्यों ने सर्वसम्मति से सत्य नडेला को निदेशक मंडल का अध्यक्ष चुना है। इस भूमिका में श्री नडेला निदेशक मंडल का एजेंडा तय करने के काम का नेतृत्व करेंगे। वह इस कारोबारी की अपनी गहरी समझ का इस्तेमाल करते हुये सही राणनीतिक अवसरों और मुख्य जोखिमों की पहचान तथा उनके उपायों को निदेशक मंडल के सामने रखेंगे।श्री नडेला को जॉन डब्ल्यू थॉम्पसन की जगह अध्यक्ष बनाया गया है। वह वर्ष 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने थे। श्री थॉम्पसन अब मुख्य स्वतंत्र निदेशक होंगे।

तेलंगाना के हैदराबाद में जन्मे श्री नडेला इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं।

पाक को संदेश, कुलभूषण जाधव मामले में आईसीजे के फैसले का करे पालन : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली वार्ता। कुलभूषण जाधव की रिहारी को लेकर विदेश मंत्रालय पाकिस्तान को साफ संदेश देते हुए कहा कि उसे इस मामले में अंतराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के फैसले का अनुपालन करना चाहिए। जाधव को पाकिस्तान में अपील का अधिकार देने के विधेयक को लेकर मंत्रालय ने कहा कि हम पाकिस्तान से कहेंगे कि वह इस विधेयक में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए उचित कदम उठाए। इसके साथ ही भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को सभी लंबित वीजा असाइनमेंट निपटा लिए।वैक्सीन पासपोर्ट के मुद्दे पर मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम इस पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम वैक्सीन इक्विटी पर अधिक ध्यान देने के साथ-साथ वैक्सीन पासपोर्ट के विषय पर चर्चा का समर्थन करेंगे। वहीं, इस सवाल पर क्या भारत किसी तरह का कोई वैक्सीन पासपोर्ट जारी कर रहा है, अरिंदम बागची ने कहा कि मेरे पास इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

इसके साथ ही भगोड़े कारोबारी और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को भारत लाए जाने के सवाल पर बागची ने कहा कि इस मामले में कानूनी कार्यवाही चल रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार मेहुल चोकसी को जल्द से जल्द भारत लाने के लिए डोमिनिका की सरकार के साथ लगातार संपर्क में है ताकि उसे यहां कानून के सामने खड़ा किया जा सके।

अरिंदम बागची ने बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की कतर यात्रा के दौरान अफगानिस्तान के मुद्दे पर चर्चा की गई थी। अफगानिस्तान सुलह के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि जलमय खलीलजाद विदेश मंत्री की यात्रा के दौरान दोहा में ही थे। उन्होंने अफगानिस्तान के संबंध में हाल में हुई घटनाओं को लेकर जानकारी देने के लिए विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की।

अभी और इंतजार : उत्तर भारत में 27 जून तक होगी मॉनसून की बारिश, दक्षिण में जमकर बरसेंगे बदरा

नयी दिल्ली वार्ता। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तर भारत के राज्यों को बारिश के लिए अभी और इंतजार करना होगा। भारत के मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि मॉनसून के राजस्थान, पंजाब के कुछ हिस्सों, हरियाणा और दिल्ली की तरफ बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं हैं। यह जानकारी देते हुए बृहस्पतिवार को विभाग ने कहा कि बहरहाल गुजरात और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्से में आगामी दो-तीन दिनों में इसकी धीमी प्रगति होगी।

मॉनसून की उत्तरी सीमा दीव, सूरत, नंदरबार, भोपाल, नौगोंग, हमीरपुर, बाराबंकी, बरेली, सहारनपुर, अंबाला और अमृतसर से गुजर रही है। आईएमडी ने पूर्वानुमान में कहा कि मॉनसून के राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली पहुंचने के लिए वायुमंडलीय स्थिति अनुकूल नहीं है।

मौसम विभाग ने पहले पूर्वानुमान जताया था कि मॉनसून 12 दिन पहले ही 15 जून तक दिल्ली पहुंच जाएगा। मॉनसून सामान्य तौर पर 27 जून तक दिल्ली पहुंचता है और आठ जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है।

निजी पूर्वानुमान एजेंसी स्काइमेट वेदर के मुताबिक, पिछले वर्ष मॉनसून 25 जून को दिल्ली पहुंचा था और 29 जून तक इसने पूरे देश को कवर कर लिया था। स्काइमेट वेदर के महेश पालावत ने कहा कि पश्चिमी हवाएं पिछले तीन-चार दिनों से मॉनसून को उत्तर पश्चिम भारत की तरफ बढ़ने से रोक रही हैं।

उन्होंने कहा कि ये हवाएं अगले हफ्ते भी चलती रहेंगी। इसलिए लगता है कि दिल्ली को 27 जून के आसपास ही मॉनसून की बारिश मिलेगी। आईएमडी ने कहा कि उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को तेज हवाओं के साथ %मध्यम से भारी% स्तर की बारिश हो सकती है और कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिर सकती है।इसने कहा कि इससे लोग एवं जानवर जख्मी हो सकते हैं और उनकी जान भी जा सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में उत्तराखंड में अगले दो दिनों में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिम बंगाल के गंगा के इलाकों और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती सर्कुलेशन बना हुआ है। इस प्रभाव में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओडिशा में अगले दो-तीन दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

15 मिलीमीटर से कम वर्षा को हल्की, 15 मिमी से 64.5 मिमी वर्षा को मध्यम, 64.5 से 115.5 मिमी वर्षा को भारी, 115.6 और 204.4 मिमी के बीच बहुत भारी वर्षा माना जाता है। 204.4 मिमी से अधिक वर्षा को अत्यधिक भारी वर्षा की श्रेणी में माना जाता है।

गन्ना किसानों को अब तक एक लाख 37 हजार करोड़ का भुगतान: राणा

लखनऊ संवादाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गन्ना किसानों को भुगतान का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अब तक 45.44 लाख से अधिक गन्ना किसानों को सरकार ने 1,37,518 करोड़ रूपये का रिकार्ड भुगतान किया है। यह बसपा सरकार से दोगुना और सपा सरकार के मुकाबले डेढ़ गुना अधिक है।

गन्ना विकास मंत्री सुरेश राणा ने गुरूवार को बताया कि बसपा सरकार में गन्ना किसानों को 52,131 करोड़ रूपये का कुल भुगतान किया गया था, जबकि सपा सरकार के पांच साल में गन?ना किसानों को 95,215 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया था। अखिलेश सरकार के कार्यकाल में गन?ना किसानों के 10,661.09 करोड़ रूपये के बकाये का भुगतान भी योगी सरकार ने किसानों को किया है।

उन्होने कहा कि पिछली सरकारों में एक के बाद एक बंद होती चीनी मिलों को योगी सरकार ने न सिर्फ दोबारा शुरू कराया गया बल्कि यूपी को देश में गन्ना एवं चीनी उत?पादन में नंबर वन बना दिया। राज?य सरकार ने तीन पेराई सत्रों एवं वर्तमान पेराई सत्र 2020-21 समेत यूपी में कुल 4,289 लाख टन से अधिक गन्ने की पेराई कर 475.69 लाख टन चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। वर्ष 2017-18 से 31 मार्च, 2021 तक 54 डिस्टिलरीज के माध्यम से प्रदेश में कुल 280.54 करोड़ लीटर एथनॉल का उत्पादन हुआ है। जो कि एक रिकार्ड है।

25 सालों में पहली बार 267 नई खांडसारी इकाइयों की स्थापना के लिए लाइसेंस जारी किये गए। जिनमें से 176 इकाइयां संचालित हो चुकी हैं। इन इकाइयों में 388 करोड़ का पूंजी निवेश होने के साथ करीब 20,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। सपा और बसपा की सरकार में बकाया भुगतान के लिए गन?ना किसानों को दर दर भटकना पड़ता था। हालात से परेशान कई किसान गन?ना उत?पादन से तौबा कर बैठे थे। लेकिन योगी सरकार ने गन्ना मूल्य का ऐतिहासिक भुगतान कर किसानों को गन?ने की मिठास लौटा दी है।

प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान एक भी चीनी मिल बंद नहीं हुई। सभी 119 चीनी मिलें चलीं। प्रदेश में 45.44 लाख से अधिक गन्ना आपूर्तिकर्ता किसान हैं और लगभग 67 लाख किसान गन्ने की खेती से जुड़े हैं। आज देश में 47 प्रतिशत चीनी का उत्पादन यूपी में हो रहा है और गन्ना सेक्टर का प्रदेश की जीडीपी में 8.45 प्रतिशत एवं कृषि क्षेत्र की जीडीपी में 20.18 प्रतिशत का योगदान है।श्री राणा ने बताया कि पिछली सरकारों में 2007-2017 तक 21 चीनी मिलें बंद की गईं जबकि योगी सरकार नें बीस बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर शुरू कराया। जिसके तहत पिपराइच-मुंडेरवा में नई चीनी मिलें लगाकर शुरू कराईं। संभल और सहारनपुर की बंद चीनी मिल भी अब चलने लगी है। रमाला चीनी मिल की क्षमता बढ़ाकर कोजन प्लांट लगाया गया है। इसके अलावा 11 निजी मिलों की क्षमता में 20,600 टी.सी.डी. की वृद्धि की गयी। करीब 8 साल से बंद वीनस, दया और वेव शुगर मिलें चलवाई गईं। सठियांव और नजीबाबाद सहकारी मिलों में एथनॉल प्लांट लगा।

प्रदेश के 36 जिलों में 2,111 महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन हो चुका है जिनमें 45,491 ग्रामीण क्षेत्र की महिला उद्यमी पंजीकृत हैं। महिला समूहों द्वारा अब तक 10.86 करोड़ सीडलिंग की स्थापना की गयी है, जिनमें से 8.88 करोड़ सीडलिंग का वितरण महिला समूहों द्वारा किया जा चुका है। वितरित सीडलिंग से महिला स्वयं सहायता समूहों को अब तक रु.2,560.36 लाख की आय हो चुकी है।

पेपर पर्ची के स्थानपर केवल एस.एम.एस. पर्ची का निर्गमन एवं वितरण प्रदेश की सभी सहकारी समितियों में हो रही पर्ची प्रिन्टिग एवं उसके वितरण के कार्य को रोककर केवल एस.एम.एस. पर्ची का प्रेषण कृषक के पंजीकृत मोबाइल पर भेजा जाने लगा है। केवल एस.एम.एस. पर्ची के माध्यम से ही गन्ना आपूर्ति की व्यवस्था किये जाने से जहाँ कोविड-19 महामारी के ग्रामीण अंचलों में संक्रमण को रोकने में मदद मिली है वहीं कृषकों को कुछ मिनट में एस.एम.एस. पर्ची पहुंचने से उन्हें पेपर पर्ची की अपेक्षा ज्यादा लाभ मिला। एस.एम.एस. पर्ची से पेपर पर्ची की अपेक्षा काफी सहूलियत हुई है ।गन्ना विभाग द्वारा गत 2017 से चलाये जा रहे विभिन्न विकास कार्यक्रमों के फलस्वरूप प्रदेश में गन्ने की औसत उत्पादकता 72.38 से बढकर 81.10 टन प्रति हेक्टेअर हो गई है। उत्पादकता में प्रति हेक्टेयर 8.72 टन प्रति हेक्टेयर वृद्धि होने के फलस्वरूप गन्ना किसानों की औसत आमदनी में लगभग रू.27,904 प्रति हेक्टेअर की वृद्धि हुई है।

राज्य परिवहन निगम में कथित घोटाले की मांग

लखनऊ संवादाता। पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर तथा उनकी समाज सेविका पत्नी नूतन ठाकुर ने ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम में लगभग 118 करोड़ के संभावित घोटाले की जाँच की मांग की है।

ठाकुर दंपत्ति ने इस संबंध में प्रधान महालेखाकार द्वारा सरकार को प्रेषित हाई स्पीड डीजल से संबंधित 06 पृष्ठों की रिपोर्ट का हवाला दिया है जिसके अनुसार निगम ने 2008 से लगातार टेंडर प्रक्रिया अपनाए बिना ही मात्र एक ही फर्म इंडियन आयल कारपोरेशन को हाई स्पीड डीजल सप्लाई का कार्य दिया। उन्होने कहा कि यह नियम विरुद्ध है जिसके चलते सरकार को 90.81 करोड़ रूपये की छूट की संभावित क्षति तथा 26.77 करोड़ रूपये के सूद की क्षति अर्थात कुल 117.58 करोड़ रूपये का नुकसान हुआ।

अमिताभ तथा नूतन ने इसे गंभीर भ्रष्टाचार बताते हुए उच्चस्तरीय जाँच व कार्यवाही की मांग की है।

इटावा में ई-रिक्शा चालक की हत्या का खुलासा,तीन गिरफ्तार

इटावा, संवादाता। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के जसवंतनगर इलाके में ई-रिक्शा चालक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन आरेपियों को आज गिरफ्तार कर लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. ब्रजेश कुमार सिंह ने गुरुवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जसवंतनगर इलाके निलोई गांव के पास के पास ई-रिक्शा चालक 16 वर्षीय कुश कश्यप की हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया गया था । उन्होंने बताया कि 13 जून को हुई इस हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्या करने वाले कुश के चचेरे भाई शनि कश्यप को उसके दो दोस्तो अमित संखवार और अमित गुप्ता को गिरफतार कर लिया । इनके कब्जे से ई-रिक्शा भी बरामद कर लिया। इस हत्याकांड के खुलासे के बाद पुलिस टीम को 25000 का इनाम देने का ऐलान किया है ।

उन्होंने बताया कि ई रिक्शा चलाक कुश 12 जून को अपने ई-रिक्शा में बैठाकर अपनी मां और भाई को डाक्टर के पास दवा दिलाने गया था। वह अन्य सवारी को छोड़ने के लिए चला गया। रात तक घर नहीं आने पर उसकी खोजबीन की गई। कुश की ई-रिक्शा ग्राम निलोई के पास एक तालाब में मिली और उसका शव नगला राठौर गांव के पास पवन कुमार के कुएं में मिला था ।

इस घटना को गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी जसवंतनगर के नेतृत्व में हत्यारो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया था । गठित टीमों ने इलैक्ट्रॉनिक/सर्विलांस एवं मैनुअल साक्ष्यों को एकत्रित कर मुखबिर की सूचना के आधार हत्या में संलिप्त तीन आरोपियों को थाना जसवंतनगर इलाके में सैफई रोड तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार मुख्य आरोपी सनी ने बताया कि कुश कुमार उसके चाचा का बेटा था और ई-रिक्शा चलाता था । सनी एवं कुश कुमार के पिता के बीच पैतृक सम्पत्ति के बटवारे को लेकर मारपीट हुई थी, जिसका बदला लेने के लिए इस घटना को अंजाम दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया ।

रेलवे ट्रैक पर मिला शव

सोनभद्र संवादाता। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के दुद्धी कोतवाली क्षेत्र में महुआरिया रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का कटा हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गुरुवार सुबह महुअरिया रेलवे स्टेशन के पास बन रहे नवनिर्मित प्लेटफार्म के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का कटा हुआ शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से शव की शिनाख्त करायी। मृत युवक की पहचान महुली निवासी 22 वर्षीय अयुब के रूप मे हुयी ।परिजनों ने बताया कि अयुब अपने पैर के बीमारी को लेकर काफी परेशान रहता था। काफी जगह दवा कराने के बाद भी उसके पैर का बीमारी ठीक नहीं हुई जिसको लेकर वह अवसाद में था और आज यह घटना घटित हुयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कलयुगी ने किया पुत्री के साथ दुष्कर्म का प्रयास

बस्ती संवादाता। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले मे हर्रैया थाना क्षेत्र के नदाये ग्राम मे एक वहशी ने अपनी पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। पीड़ित की मां ने तहरीर देकर आरोपी पति के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया है ।पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने गुरूवार को बताया कि हर्रैया थाना क्षेत्र के नदाये ग्राम निवासी एक महिला ने तहरीर देकर कहा है कि उसका पति अपनी बेटी से जबरन दुष्कर्म करना चाह रहा था लेकिन किसी तरह से मां पुत्री को लेकर भाग निकली ।महिला का आरोप है कि आरोपी पति पिछले डेढ़ वर्ष से ये दुष्कर्म करते हुए चला आ रहा था। कुछ दिन पहले दिल्ली भाग गया था जब दुबारा घर आया तो दुष्कर्म करने का प्रयास कर रहा था। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है ।पीड़िता को मेडिकल कराने के लिए भेजा गया है मेडिकल के आधार पर आगे की कार्यवाही किया जायेगा।

बस्ती में साढ़े तीन लाख लूटे

बस्ती संवादाता। उत्तर प्रदेश मे बस्ती जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के पतेलवा मोहल्ले मे अज्ञात लुटेरो ने एक निजी कंपनी के कर्मचारी से तीन लाख 50 हजार रूपया लूट लिया है ।पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने गुरूवार को बताया कि हेल्हीवेरी प्राइवेट लिमिटेड टीम लीडर नीरज पाण्डेय ने तहरीर देकर कहा है कि जब वह दुकान बन्द कर रहा था कि तीन अज्ञात बदमाशो ने असलहे के बल काउन्टर मे रखा नकदी रूपया लूट लिया है।

पुलिस ने अज्ञात लूटेरो के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है ।इस घटना के खुलासे के लिए चार टीमे गठित की गयी है। शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी किया जायेगा। नीरज ने बताया है कि काउन्टर पर 3 लाख 50 हजार रूपया मौजूद था।

वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई व उनकी सैकड़ो सहेलियों का बलिदान दिवस मना

जौनपुर संवादाता। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के सरावा गांव में स्थित शहीद लाल बहादुर गुप्ता स्मारक पर आज हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपुब्लिकंन आर्मी व् लक्ष्मीबाई ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने देश के स्वतन्त्रता संग्राम की प्रथम वीरांगना झांसी की रानीलक्ष्मीबाई ,झलकारीबाई ,व् बाला मुंद्रा सहित सैकड़ों सहेलियो का 164 वां बलिदान दिवस मनाया।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर मोमबत्ती व् अगरबत्ती जलाया और 2 मिनट का मौन रख कर उन्हें अपनी श्रंद्धाजलि दी ।क्रांति स्तम्भ पर उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए लक्ष्मीबाई ब्रिगेड की अध्यक्ष मंजीत कौर ने कहा कि देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की महानायक प्रथम वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ,उनकी हमशक्ल एवं प्रिय सहेली झलकारीबाई , बालामुन्द्रा सहित सैकड़ों सहेलियां अंग्रेजों से लड़ते - लड़ते 17 जून 1857 को अपने प्राण न्येछावर कर वीरगति प्राप्त कर शहीद हो गई ।खुशी इस बात की है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर वीरता पुरस्कार देने की घोषणाकी है ।

शादी के दस दिन बाद युवक ने कर ली आत्महत्या

सोनभद्र, संवादाता। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र के बभनी क्षेत्र में शादी के दस दिन बाद एक युवक ने घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली ।पुलिस सूत्रों ने बताया कि खैराडीह निवासी 22 वर्षीय श्याम लाल ने कमरे में फंदाबना कर फांसी लगा ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है।

उसके पिता राम प्रसाद ने बताया कि सात जून को उसके बेटे की शादी हुई थी। वह दिमागी रुप से कमजोर था और कभी-कभी उसका दिमाग खराब हो जाता था ।उन्होंने बताया कि फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

देवरिया जेल में बंद पूर्व एमएलसी रामू द्विवेदी की तबियत बिगड़ी

देवरिया, संवादाता। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला जेल में बंद पूर्व एमएलसी रामू द्विवेदी की तबियत खराब है लेकिन सुरक्षा कारणों से अभी तक उनको जिला अस्पताल में ले जाकर चेकअप नहीं कराया जा सका है।

सूत्रों के अनुसार पूर्व एमएलसी रामू द्विवेदी की सेहत जिला जेल में खराब चल रही है। बताया जाता है कि वे गिरफ्तारी से पूर्व कोरोना संक्रमण से ग्रसित थे और उनका इलाज एक बड़े प्राइवेट अस्पताल में किया गया था। जिला जेल में उनकी सेहत की जांच करने वाली सरकारी अस्पताल की मेडिकल टीम ने अपनी जांच के बाद जिला अस्पताल में जांच कराने तथा उपचार करने की अपनी संस्तुति की है लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें जिला अस्पताल ले जाकर उनकी जांच नहीं कराई जा सकी है।

सूत्रों के अनुसार जिला अस्पताल में जांच कराने की मेडिकल टीम की संस्तुति के बाद सीएमओ डा.आलोक पाण्डेय ने ने इसकी जानकारी जिला मजिस्ट्रेट आशुतोष निरंजन और जेल अधीक्षक केपी त्रिपाठी को भेज दी है। जेल अधीक्षक ने जिला अस्पताल में पूर्व एमएलसी के लिए भर्ती कराने की अनुमति आलाधिकारियों से मांगी है।

श्री त्रिपाठी ने गुरूवार को बताया कि बंदी रामू द्विवेदी की सेहत खराब चल रही है। जिला अस्पताल की मेडिकल टीम ने उनके स्वास्थ्य की जांच किया था ।टीम ने उनको जिला अस्पताल में ले जाकर जांच व उपचार कराने का सुझाव दिया था। जेल में आने से पूर्व रामू द्विवेदी कोरोना संक्रमण से ग्रसित थे और उनका उपचार एक बड़े अस्पताल में हुआ था। जेल में उनको पोस्ट कोविड की समस्या बताई जा रही है तथा उनके आंख और यूरिन में संक्रमण की बात बताई जा रही है। उनको जिला अस्पताल में ले जाने के लिये पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के लिए पत्राचार किया गया है। पर्याप्त सुरक्षा मिलने पर ही उन्हें जिला अस्पताल में ले जाया जायेगा।

वाराणसी से गुजरने वाली 'पूजा विशेष' रेल गाड़ियों की संचालन अवधि 30 जून तक

वाराणसी, संवादाता। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र से विभिन्न देश के महानगरों एवं शहरों में आने-जाने वाली कई 'पूजा विशेष' रेल गाड़ियों की संचालन अवधि 30 जून तक बढ़ा दी गई है।

पूर्वोत्तर के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने गुरुवार को यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए 30 जून तक अनेक 'पूजा विशेष' गाड़ियों के संचलन अवधि का विस्तार बुधवार को अगली सूचना तक किया है। इन गाड़ियों के चलने के दिन, ठहराव एवं रेक संरचना पूर्ववत रहेगा। इनमें सभी कोच आरक्षित श्रेणी के होंगे तथा यात्रियों को कोविड-19 के मानकों का पालन करना होगा।

उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 02511 गोरखपुर-कोच्चुवेली, 02512 कोच्चुवेली-गोरखपुर, 05028 गोरखपुर-हटिया, 05027 हटिया-गोरखपुर, 05115 छपरा-दिल्ली, 05116 दिल्ली-छपरा, 05018 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, 05017 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर, 05048 गोरखपुर-कोलकाता, 05047 कोलकाता-गोरखपुर, 05050 गोरखपुर-कोलकाता, 05049 कोलकाता-गोरखपुर, 05052 गोरखपुर-कोलकाता, 05051 कोलकाता-गोरखपुर, 05101 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, 05102 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा और 02597 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (मुम्बई) पूजा स्पेशल की अवधि 30 जून तक अगले आदेश तक बढ़ाई गई है।

श्री कुमार ने बताया कि इसी प्रकार से गाड़ी संख्या 02598 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस(मुम्बई)-गोरखपुर, 02529 लखनऊ जं0-पाटलिपुत्र, 02530 पाटलिपुत्र-लखनऊ जं0, 02595 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनस, 02596 आनन्द विहार टर्मिनस-गोरखपुर, 02581 मंडुवाडीह-नई दिल्ली,02582 नई दिल्ली-मंडुवाडीह, 05029 गोरखपुर-पुणे, 05030 पुणे-गोरखपुर, 05022 गोरखपुर-शालीमार, 05021 शालीमार-गोरखपुर, 05120 मंडुवाडीह-रामेश्वरम्, 05119 रामेश्वरम्-मंडुवाडीह, 02587 गोरखपुर-जम्मूतवी, 02588 जम्मूतवी-गोरखपुर, 05097 भागलपुर-जम्मूतवी, 05098 जम्मूतवी-भागलपुर, 05045 गोरखपुर-ओखा और 05046 ओखा-गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ियों की संचालन अवधि 30 जून 2021 तक बढ़ाई गई है।

चोर गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

देवरिया, संवादाता। उत्तर प्रदेश की देवरिया सदर कोतवाली पुलिस ने आज चोर गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रूपये के चोरी के जेवरात बरामद कर लिए ।पुलिस अधीक्षक डा.श्रीपति मिश्र ने यहां बताया कि सूचना पर कोतवाली पुलिस ने पूरवा चौराहे से हाटा रोड के पास से तीन बालअपचारियों समेत सात आरोपियों अक्षय उर्फ रक्षा डोम,सुनील यादव,किशन साहनी और गोल्डन कुमार सिंह व तीन बाल अपचारियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ पर बताया कि उनके द्वारा बाल अपचारियों से दिन में शहर में जिन मकानों में ताले लगे रहते थे उनकी रैकी कराई जाती थी। रेकी के बाद सभी मिलकर रात में ताले तोड़ कर उसमें चोरी करते थे । चोरी के बाद रूपया बराबर बांट लेते थे और जेवरात को थोड़ा-थोड़ा कर के गोल्डन कुमार सिंह को बेच देते थे।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आज चोरी के जेवरात बेचने के लिए लाये थे ओर उसी दौरान उन्हें दबोच लिया गया। इस गिरोह ने देवरिया शहर के अलावा अम्बेडकर नगर, राघव नगर, शिवपुरम कॉलोनी, मुंसफ कॉलोनी, उमानगर और सोन्दा में गांव में चोरी की घटनाओं में अंजात दिया था। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 50 हजार रूपये नगद के अलावा करीब 31 लाख रूपये के जेवरात बरामद किये। इस सिलसिले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में दो मरे

जौनपुर संवादाता। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के बदलापुर क्षेत्र में डंपर की टक्कर से बाइक सवार महिला समेत दो की मौत हो गयी जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि घनश्यामपुर बाजार में प्रयागराज-शाहगंज मार्ग पर गुरुवार को एक डंपर ने एक बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर तीन लोग सवार थे, जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। इसमें एक महिला भी शामिल थी। वहीं, एक दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया है ।पुलिस के अनुसार बदलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम दुगौलीखुर्द निवासी महेंद्र नाई समारोहों में खाना बनाने का काम करता है। ग्राम दुगौली तियरा गांव में बुधवार की रात आयोजित एक त्रयोदशाह कार्यक्रम में खाना बनाने के लिए नीता केवट(45) और शांति केवट(55) बतौर मजदूर आई थी। कार्यक्रम खत्म होने के बाद गुरुवार सुबह करीब सात बजे महेंद्र शर्मा का पुत्र राजू (20) महिला मजदूरों को पिलकिछा छोड़ने के लिए पल्सर बाइक पर बैठा कर जा रहा था। वह घनश्यामपुर बाजार में तिराहे के पास पहुंचा था कि पीछे से आ रहे तेज रफ्तार से डंपर की चपेट में आ गया। इससे बाइक पर सवार तीनों लोग घायल हो गए। जिससे राजू व शांति की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई ।

झांसी स्मार्ट सिटी से जुड़े कार्यों की धीमी प्रगति पर सांसद ने जतायी नाराजगी

झांसी संवादाता। उत्तर प्रदेश के झांसी-ललितपुरक्षेत्र से सांसद अनुराग शर्मा ने स्मार्ट सिटी में शामिल वीरांगना नगरी में इस परियोजना से जुड़े विभिन्न कार्यों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताते हुए गुरूवार को कहा कि जनहित से जुड़े काम निर्धारित समय में पूरे होने चाहिए तभी इनका लाभ लोगों को मिल पाता है।

यहां विकास भवन सभागार में झांसी स्मार्ट सिटी सहित विभिन्न विभागों की विविध निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए सांसद ने ने स्मार्ट सिटी के कार्यो की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी जनहित के कार्यो को पूर्ण संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें, जो कार्य प्रगति पर है उन्हें जल्द पूर्ण किया जाये ताकि अन्य कार्यो को टेकअप किया जा सके। बैठक में जनपद में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स के कार्यो में आवश्यक गति लाये जाने के परिप्रेक्ष्य में उपस्थित अधिकारियों से कहा कि जनहित के कार्यो को निर्धारित समय सीमा में ही पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाये ताकि जनमानस को लाभ प्राप्त हो सके।

उन्होने झांसी स्मार्ट सिटी के कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा करते हुये कहा कि अभी तक मात्र 28 प्रोजेक्टस पर कार्य प्रारम्भ किया गया है और 201 प्रोजेक्ट पर कार्य प्रारम्भ ही नही किया गया। उन्होने कहा कि स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत 130 करोड़ के प्रोजेक्टस हटाये गये है, उनके स्थान पर अन्य जनहित के प्रोजेक्ट शामिल कर लिए जाएं। श्री शर्मा ने 57 डीपीआर 808 करोड़ की स्वीकृत होने पर संतोष व्यक्त किया और जल्द कार्य पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये।

झांसी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्टस की जानकारी देते हुए नगर आयुक्त अवनीश कुमार राय ने बताया कि नगर निगम द्वारा झांसी में प्लैनेटेरियम बनाया जायेगा ताकि बच्चे सौर मण्डल को समझ सके। पानी वाली धर्मशाला सितम्बर 2021 तथा आंतिया तालाब दिसम्बर 2021 तक पूर्ण किया जाना है, कार्य प्रगति पर है। उन्होने बताया कि जीआईसी, लक्ष्मी तालाब, चित्रा चैराहा आदि के कार्यो के टैण्डर जारी किया जा चुके हैं जल्द ही कार्य प्रारम्भ हो जायेंगे। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि ग्वालियर रेललाइन पर पुल निर्माण का कार्य रेलवे द्वारा एनओसी नही दिये जाने के कारण प्रारम्भ नही हो पा रहा है, जबकि प्रोजेक्ट मैनेजर सेतु निगम ने बताया कि रेलवे द्वारा एनओसी मिलते ही कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा। सांसद ने आशवस्त करते हुउ कहा कि जल्द ही रेलवे द्वारा एनओसी प्राप्त हो जायेगी।

जिले में पाड़री बांध के विषय में श्री शर्मा ने कि यह बेहद महत्वपूर्ण बांध है जो क्षेत्र में जल संकट को समाप्त कर सकता है, परन्तु सिंचाई विभाग द्वारा 15 वर्षो से कुछ नही कराये जाने से बांध पूर्ण क्षमता से क्रियाशील नही है। क्षेत्र के बांधों में डीसिल्टिंग का कार्य मनरेगा के माध्यम से कराया जाये ताकि बांध की जल भण्डारण क्षमता बढ़ सके। बैठक में पहुंज नदी के संरक्षण व पुर्नजीवन तथा डोंगरी बांध, रेलवे बांध की भी चर्चा हुई सभी को संरक्षित करते हुये वृक्षारोपण कराये जाने के निर्देश दिये गये।

झांसी जिले में कोविड-19 की थर्ड वेब से निपटने की तैयारियों के लिये 10 आक्सीजन गैस प्लांट स्वीकृत है, परन्तु कोई भी क्रियाशील नही है। सांसद ने कहा कि वैण्डर से लगातार सम्पर्क करें और जल्द से जल्द प्लांट स्थापित कराने के प्रयास करें। सीएमओ द्वारा बताया कि जिला अस्पताल में माह जून तक पीएसए क्रियाशील हो जायेगा। इसी क्रम में बरुआसागर 15 जुलाई तक तथा समस्त पीएसए माह जुलाई तक क्रियाशील हो जायेंगे। बैठक में महारानी लक्ष्मीबाई मेडीकल कालेज के 500 बेड के अस्पताल के सम्बन्ध में मेडीकल कालेज के प्रधानाचार्य ने बताया कि प्रकरण प्रमुख सचिव के समक्ष है। जिलाधिकारी ने बताया कि वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जानी है। सांसद ने तत्काल वित्तीय स्वीकृति हेतु प्रमुख सचिव से बात करने का आश्वसन दिया तथा प्रधानाचार्य को स्वयं प्रमुख सचिव से मिलने के निर्देश दिये।

बैठक में जिलाधिकारी आंद्रा वामसी, मुख्य विकास अधिकारी शैलेष कुमार, नगर आयुक्त अवनीश कुमार राय, सीएमओ डॉ जीके निगम, प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. एसएन सेंगर, डॉक्टर अंशुल जैन, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री सुनील कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

Email: sindhutimes99@gmail.com

web: www.sindhutimes.in

लखनऊ, शुक्रवार, 18 जून 2021

राजधानी

सिन्धु टाइम्स 3

मैन्युफैक्क्रिंग सेक्टर में मिले 13 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि निवेशकों के लिये यह राज्य सबसे पसंदीदा सेक्टर बनकर उभरा है और पिछले साढ़े तीन वर्षों के दौरान 13,408.19 करोड़ रुपए के 98 निवेश प्रस्ताव आना इसके सबूत हैं।

अधिकृत सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि चार साल पहले तक उत्तर प्रदेश उद्योगपतियों के लिए भय, दहशत और आशंकाओं का पर्याय था मगर अब हालात जुदा है। पहले जो उद्योगपति गुंडों तथा लालफीताशाही के नाते यूपी में निवेश करने से घबराते थे, अब वही उद्योगपति राज्य में करोड़ों रुपए की फैक्ट्रियां लगा रहे हैं। बदले माहौल में देश तथा विदेश के बड़े उद्योगपति उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए सबसे सुरक्षित जगह मान रहे हैं।

यही वजह है कि देश और विदेश के बड़े बड़े नामी उद्योगपति इंफ्रास्ट्रक्चर, फूड प्रासेसिंग, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्क्रिंग, रीयल एस्टेट, पावर तथा मैन्यूफैक्क्रिंग सेक्टर में बढ़चढ़ कर निवेश कर रहें हैं। मैन्यूफैक्क्रिंग क्षेत्र इनके लिए सबसे पसंदीदा सेक्टर बनकर उभरा है। इस सेक्टर में साढ़े तीन वर्षों के दौरान 13,408.19 करोड़ रुपए के 98 निवेश प्रस्ताव आना इसके सबूत हैं।

सूत्रों ने बताया कि मैन्यूफैक्क्रिंग वह सेक्टर हैं जिसमें निवेश करने को लेकर उद्योगपति बेहद सर्तकता बरतते हैं। जिस राज्य में बेहतर औद्योगिक माहौल होता है, उसी राज्य में बड़े उद्योगपति अपनी मैन्यूफैक्क्रिंग यूनिट लगाने पर ध्यान देते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा औद्योगिक नीतियों में किए गए बदलाव और राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए अनुकूल माहौल के चलते ही मैन्यूफैक्क्रिंग सेक्टर तेजी से पांव फैला रहा है।

औद्योगिक विकास विभाग के आंकड़े इसका खुलासा करते हैं। इन आकंड़ों के अनुसार, मैन्यूफैक्क्रिंग सेक्टर में 13,408.19 करोड़ रुपए के 98 निवेश प्रस्ताव साढ़े तीन वर्षों के दौरान सरकार को प्राप्त हुए। इन निवेश प्रस्ताव में दस प्रस्ताव विदेशी निवेशकों के हैं जो राज्य में 4250 करोड़ रुपए का निवेश करना चाहते हैं। सूबे में बड़ी मैन्यूफैक्क्रिंग यूनिट लगाने के लिए देशी कंपनियों के जो 88 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं उनमें 22, 028 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

उन्होने बताया कि मैन्यूफैक्क्रिंग सेक्टर में फैक्ट्री लगा रहे 88 में से 66 बड़े उद्योगपतियों को सरकार ने जमीन मुहैया करा दी है और इनमें से अधिकांश में निर्माण कार्य पूरा हो कर उत्पादन होने लगा है। इसके अलावा 26 बड़े उद्योगपति अपनी फैक्ट्री के निर्माण संबंधी कार्रवाई कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, कोवस्ट्रो आईपी ने गौतमबुद्ध नगर (नोयडा) में 800 करोड़ रुपए का निवेश प्लास्टिक उत्पादन की यूनिट लगाने में कर रही हैं।

इसी प्रकार अल्ट्राटेक कंपनी 600 करोड़ रुपए का निवेश कर प्रयागराज में सीमेंट की फैक्ट्री लगा रही है। स्पर्श इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने 600 करोड़ रुपए और रिमझिम इस्पात ने 550 करोड़ का निवेश कानपुर देहात में किया है। डीसीएम श्रीराम 361 करोड़ रुपए का निवेश कर हरदोई में चीनी मिल लगा रही है। केंट आरओ सिस्टम्स लिमिटेड ने 300 करोड़ का निवेश गौतमबुद्धनगर, पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने लखनऊ में 205 करोड़ का निवेश किया है। एमएम फॉरगिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने 150 करोड़ का निवेश बाराबंकी में किया है। पासवर पेपर्स ने मेरठ में 351 करोड़ रुपए का सिल्वरस्टोन ने मुजफ्फरनगर में 180 करोड़ रुपए निवेश पेपर मिल लगाने में किया है। इन सभी कंपनियों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा कनोडिया ग्रुप अमेठी में 1200 करोड़ रुपए तथा जेके सीमेंट लिमिटेड अलीगढ़ में 650 करोड़ रुपए का निवेश सीमेंट की फैक्ट्री लगाने में कर रहें हैं।सूत्रों ने दावा किया कि मैन्यूफैक्क्रिंग सेक्टर में हो रहा यह निवेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा तैयारी कराई गई औद्योगिक नीतियों और उद्योपतियों के राज्य में निवेश करने के लिए बनाए गए माहौल के चलते ही हो रहा है। फिक्की जैसे बड़े उद्योग संगठन का कहना है कि राज्य में निवेश को बढ़ावा देने संबंधी सरकार पारदर्शी नीतियों से प्रभावित होकर ही बड़े बड़े निवेशकों ने यूपी में निवेश करने की पहल की है। अब किसी भी उद्योगपति को एक काम के लिए कई विभागों में दौड़ना नहीं पड़ता। जबकि चार साल पहले हर उद्योगपति को पहले कई विभागों से अनुमति व प्रमाण पत्र के लिए जूझना पड़ता था। अब एकल विंडो व ऑनलाइन व्यवस्था एवं नई-नई टेक्नोलॉजी के प्रयोग से काम में पारदर्शिता के साथ तेजी आई है।

इससे उद्यमियों की मुश्किलें आसान हुई हैं। निवेश मित्र पोर्टल से सवा तीन साल में 3,52,098 उद्योगों को दी गई एनओसी, इसका प्रमाण है। राज्य में निवेश करने को लेकर बदले माहौल को लेकर फिक्की के राज्य प्रमुख अमित गुप्ता कहते हैं कि यूपी में पहले की सरकारें सिर्फ कहती थीं, करती कुछ नहीं थीं। इसलिए, उद्यमियों को उन पर भरोसा नहीं होता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर उद्योपतियों का पूरा भरोसा है कि वह जो कहेंगे, उसे पूरा भी करेंगे। इसलिए, बड़े उद्योगपति यहां निवेश कर रहे हैं।

प्रदेश सरकार के अधिकारी भी राज्य में निवेश करने आ रहे हर उद्योगपति की मदद कर रहें हैं। जिसके चलते ही उद्योगपति की नजर में अब उत्तर प्रदेश निवेश के लिए सबसे बेहतर राज्य बन गया है। देश के प्रमुख उद्योगपतियों का हर सेक्टर में किया जा रहा निवेश तथा कोरोना संकट के समय भी यूपी में निवेश संबंधी प्रस्तावों का आना यही जाहिर कर रहा है।

लखनऊ के गाजीपुर इलाके में जुआ खेल रहे 12 लोग गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के गाजीपुर इलाके में पुलिस ने एक मकान पर जुआ खेल रहे 12 लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लाख से अधिक की नकदी बरामद की।पुलिस प्रवक्ता ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना पर गाजीपुर थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक मकान पर दविश देकर वहां जुआ खेल रहे 12 लोगों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से एक लाख 26 हजार दस रुपये की नकदी, तीन नोट विदेशी मुद्रा के अलावा ,मोबइल फोन, ताश की तीन गड्डियां और कई वाहन बरामद किए।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में 28 से 58 वर्ष के बीच के लोग शामिल थे।

योगी वाराणसी में आज करेंगे विकास कार्यों की समीक्षा

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था एवं विकास कार्यों का जायजा लेने एक दिवसीय दौरे पर आएंगे।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री शुक्रवार को अपने दौरे की शुरुआत अपराह्न करीब दो बजे सेवापुरी विकास खंड में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत अन्य विकास कार्यों के स्थलीय निरीक्षण के साथ कर सकते हैं।श्री योगी के सर्किट हाउस में आलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के अलावा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर निर्माण समेत सड़क एवं अन्य महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण निर्माण की उम्मीद है।मुख्यमंत्री कोविड-19 टीकाकरण की व्यवस्था के साथ ही कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजर तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे सकते हैं।

लखनऊ में यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले 411 लोगों का चालान

लखनऊ, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यातायात पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वाले 411 लोगों का गुरुवार को ई-चालान किया।पुलिस प्रवक्ता ने आज शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस ने विभिन्न चौराहो एवं तिराहो पर दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट,तीन सवारी, बिना नम्बर वाहन और ओवर स्पीड आदि के सम्बन्ध में चेकिंग की गई।इस दौरान प्रवर्तन टीमों ने दो पहिया वाहन पर हेलमेट न/न लगाने वाले 124,तीन सवारी बैठाने पर 14 लोगों का,नो-पार्किंग में किए गए चालान 172 जबकि गलत दिशा में चलने वाले 05 लोगों का चालान किया। चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले 33 लोगों का चालान किया गया। इसके अलावा अन्य मामलो में 45 से अधिक लोगों के चालान किए गये ।प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस ने जुर्माने के तौर पर दो लाख 85 हजार रुपये शमन शुल्क के रुप में वसूले गये।

जिला बदर अपराधी गिरफ्तार

औरैया, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के फफूंद क्षेत्र में पुलिस ने आज एक जिलाबदर अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज सूचना पर पुलिस ने कस्बा फफूंद बाइपास स्थित ईदगाह मार्ग जिला बदर अपराधी मोहल्ला मेवातियान निवासी राजू शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद किए।उन्होंने बताया कि इस अपराधी को जिला मजिस्ट्रेट सुनील कुमार वर्मा ने जिलाबदर घोषित कर उसके विरुद्ध नोटिस जारी कर रखा था, इसके बावजूद वह जिले में ही निवास कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

युवा फर्नीचर कारोबारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सहारनपुर, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के शहर कोतवाली क्षेत्र में एक युवा फर्नीचर कारोबारी सनमीत सिंह ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस सूत्रों ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोतवाली इलाके में 33 वर्षीय फर्नीचर कारोबारी सनमीत सिंह ने अपनी दुकान के ऊपर कमरे में फंदा बनाकर फांसी लगा ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि सनमीत सिंह तीन बहनों का इकलौता भाई था और उसके बीमार पिता गुरचरण सिंह का पिछले माह निधन हो गया था जबकि उसकी मां का पिछले वर्ष निधन हो गया था।उन्होंने बताया प्रथम दृष्टया तनाव के चलते सनमीत ने यह कदम उठाया। वह अहविवाहित था। पुलिसमामले की जांच कर रही है।

बागपत में वृद्ध की हत्या

बागपत ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में बागपत के सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के तितरौदा गांव में एक वृद्ध की चाकुओं से प्रहार कर हत्या कर दी गई।पुलिस उपाधीक्षक अनुज कुमार मिश्रा ने गुरूवार को बताया कि तितरौदा निवासी इलम सिंह (65) बुधवार रात में अपने मकान में बने एक कमरे में सोया हुआ था। मृतक की पुत्र वधु आशा ने बताया कि सास कौशल्या और उसका पुत्र प्रांजल बाहर आंगन में सो रहे थे। जब सुबह जागे तो दूसरे कमरे में रखी सेफ का सामान बिखरा मिला। दूसरे कमरे में उसके ससुर का लहूलुहान हालत में शव पड़ा हुआ था। उनके पैर बंधे हुए थे और मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। सिर पर चाकुओं के कई निशान थे। परिजनों के शोर मचाने पर आसपास के लोग भी घटनास्थल पर पंहुचे।पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पंहुची पुलिस ने परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। मृतक के बेटे की पत्नी आशा ने बताया कि उनकी सेफ से 60 हजार रुपये और हिसाब की डायरी गायब थी। परिजनों के अनुसार, मृतक इलम सिंह ब्याज पर रुपये देने का काम करते थे। पुलिस ने मौके पर डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को बुलाकर सबूत जुटाए।

बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी शामली से गिरफ्तार

सहारनपुर, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के रामपुर मनिहारान रेलवे स्टेशन पर छह वर्षीय मूकबधिरबालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी)ने शामली से गिरफ्तार कर आज उसे जेल भेज दिया। जीआरापी अधिकारी रणजीत सिंह ने आज यहां बताया कि आरोपी साबिर रामपुर मनिहारान कस्बे का ही रहने वाला है और नशे का आदी है । वह रेलवे स्टेशन पर घूमता रहता है। दो दिन पहले रात के समय बालिका अपनी मूकबधिर मां के साथ प्लेटफार्म पर सो रही थी ।

छोटे दलों और बागी नेताओं पर सपा की नजर

लखनऊ ब्यूरो। वर्ष 2014 से पिछले तीन बड़े चुनावों में करारी हार झेल चुकी समाजवादी पार्टी (सपा) उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले छोटे दलों से तालमेल के अलावा बड़े दलों के बागी नेताओं पर नजर बनाये हुये है।

वर्ष 2014 और 2019 में लोकसभा चुनाव के अलावा 2017 में विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद सपा नेतृत्व का बड़े दलों से तालमेल को लेकर मोहभंग हो चुका है। 2017 में कांग्रेस के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लडने का खामियाजा उसे करारी शिकस्त के साथ उठाना पडा था जबकि 2019 में लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के साथ गठबंधन को भी जनता ने नकार दिया था।

'दूध का जला छाछ भी फूंक फूंक कर पीता है' की कहावत को आत्मसात करते हुये सपा अध्यक्ष इस बार किसी बड़े दल को साथ लेने के बजाय छोटे दलों को गले लगाने के मूड में है वहीं उनकी नजर बसपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों के असंतुष्ट नेताओं पर है जिनकी मदद से वह चुनावी वैतरिणी पार लगाना चाहते है हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट वोटों पर खास पकड़ बनाने वाली रालोद इस बार भी उनकी दोस्त बनी रहेगी।

रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी पहले ही साफ कर चुके हैं कि उनकी पार्टी सपा का साथ नहीं छोड़ेगी और जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में रालोद सपा उम्मीदवारों के पक्ष में खड़ा रहेगा। सपा ने महान दल के साथ भी गठबंधन किया है जिसका प्रभाव खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौर्य,कुशवाहा और सैनी जाति के मतदाताओं पर है। महान दल ने भी विधानसभा चुनाव में सपा के समर्थन की घोषणा की है।

सपा के सूत्रों ने बताया कि पार्टी नेतृत्व की चिंता गैर यादव अति पिछडा वर्ग और गैर जाटव अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाताओं को लेकर है जिसका रूझान सपा के प्रति फीका पडा है और पार्टी को इसका खामियाजा पिछले तीन चुनावों में उठाना पडा है। पार्टी परंपरागत यादव-मुस्लिम वोट बैंक पर खासी पकड़ बनाये रखने की पक्षधर है। सपा उन छोटे दलों के साथ गठबंधन को तवज्जो देगी जो अति पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व करते है।

उन्होने बताया कि 11 फीसदी यादव और 19 प्रतिशत मुस्लिम वोट के साथ अति पिछडों और अनुसूचित जाति का साथ सपा को मिलता है तो पार्टी भाजपा को करारी टक्कर देने की स्थिति में होगी। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 119 अति पिछडों को दिये जिनमे राजभर,कुशवाहा और मौर्य शामिल थे वहीं 69 टिकट जाटव दलित समुदाय के लोगों को दिये गये और यही कारण रहा कि उसे चुनाव में बडी सफलता हासिल हुयी।

सूत्रों ने कहा कि अब यही रणनीति सपा अपनायेगी और छोटी जाति आधारित पार्टियों को अपने में मिलाकर भाजपा को कडी टक्कर देगी।

सपा की हालत पतली,छोटे नेताओं को करना पड़ रहा है शामिल : मायावती

लखनऊ 17 जून (वार्ता) अपनी पार्टी से बाहर किये गये विधायकों के समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल होने की अटकलो से आहत बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने लगातार दूसरे दिन सपा पर हमले करना जारी रखा।

सुश्री मायावती ने गुरूवार को एक के बाद एक दो ट्वीट कर कहा कि सपा की हालत इस कदर खराब है कि उसे छोटे छोटे कार्यकर्ताओं और जनाधार खो चुके जनप्रतिनिधियों को अपने घर में जगह देनी पड़ रही है।

उन्होने कहा सपा की हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई है कि अब आएदिन मीडिया में बने रहने के लिए दूसरी पार्टी से निष्कासित व अपने क्षेत्र में प्रभावहीन हो चुके पूर्व विधायकों व छोटे-छोटे कार्यकर्ताओं आदि तक को भी सपा मुखिया को उन्हें कई-कई बार खुद पार्टी में शामिल कराना पड़ रहा है।

बसपा प्रमुख ने कहा ऐसा लगता है कि सपा मुखिया को अब अपने स्थानीय नेताओं पर भरोसा नहीं रहा है, जबकि अन्य पार्टियों के साथ-साथ खासकर सपा के ऐसे लोगों की छानबीन करके उनमें से केवल सही लोगों को बीएसपी के स्थानीय नेता आएदिन बीएसपी में शामिल कराते रहते है, जो यह सर्वविदित है।

गौरतलब है कि मंगलवार को बसपा से निलंबित नौ विधायकों ने अलग अलग सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की थी हालांकि इसे सार्वजनिक नहीं किया गया था। सुश्री मायावती को यह नागवार गुजरा और उन्होने बुधवार को भी ट्वीट कर अपनी नाराजगी का इजहार किया और धमकी दी कि यदि सपा बागी विधायकों को जगह देती है तो इसका खामियाजा उठाने के लिये उसे तैयार रहना होगा।

उप्र एससी-एसटी आयोग में अध्यक्ष उपाध्यक्ष व सदस्य नामित

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग में अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवं सदस्य के लिए 18 लोगों को नामित किया गया है।

समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव के0 रविन्द्र नायक ने इस सम्बन्ध में अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार आयोग के अध्यक्ष के लिए आगरा निवासी डॉ0 राम बाबू हरित को नामित किया गया है।

उपाध्यक्ष पद के लिए शाहजहाँपुर निवासी मिथिलेश कुमार व सोनभद्र निवासी रामनरेश यादव को नामित किया है।आयोग के नामित सदस्यों में साध्वी गीता प्रधान सम्भल, ओमप्रकाश नायक अलीगढ़, कमलेश पासी वाराणसी, रमेश तूफानी लखनऊ, शेषनाथ आचार्य बलिया, तीजा राम आजमगढ़, अनीता सिद्धार्थ जौनपुर, रामआसरे दिवाकर फर्रूखाबाद, श्याम अहेरिया मथुरा, मनोज सोनकर वाराणसी, श्रवण गोण्ड सोनभद्र, अमरेश चन्द्र चेरो सोनभद्र, किशनलाल सुदर्शन कानपुर, के के राज इटावा को शामिल किया गया है।

ट्रक की टक्कर से युवक की मृत्यु

बागपत ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में बागपत के बड़ौत इलाके में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से आज भैसा बुग्गी सवार एक युवक की मृत्यु हो गई।

पुलिस ने यहां कहा कि आज सुबह करीब सात बजे इलाके के बावली गांव में तेज रफ्तार ट्रक के चालक की लापरवाही से ट्रक की सामने से आ रही भैंसा बुग्गी में टक्कर हो गई, जिसमें भैंसा बुग्गी सवार निखिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।

विश्वविद्यालय ऑडिट आपत्तियों का नियमानुसार समयबद्ध हो निस्तारणः आनंदीबेन

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय ऑडिट आपत्तियों का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

श्रीमती पटेल ने आज वर्चुअली जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया तथा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के साथ समीक्षा बैठक के दौरान ये निर्देश दिये । उन्होंने कहा कि अनउपयोगी खातों को बंद करते हुए विश्वविद्यालय में वित्तीय जरूरतों के लिये न्यूनतम खाते रखे जायें साथ ही कैश बुक तथा बैलन्स सीट अनिवार्य रूप से तैयार की जाये।कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में जो निर्माण कार्य चल रहे है उनका नियमित अनुश्रवण कमेटी बनाकर किया जाये । उचित होगा कि इस काम के लिए अनुश्रवण कमेटी गठित कर दी जाये। राज्यपाल ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोई कमी न हो तो निर्माण कार्य अपने समय पर हो जाये।शैक्षिक सत्र पर चर्चा करते हुये उन्होंने निर्देश दिये कि नयी शिक्षा नीति लागू करने के लिए समीक्षा बैठके यथा शीघ्र करके तैयार प्रस्ताव को विद्या परिषद की बैठक में विचार विमर्श के लिए प्रस्तुत करें । उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय के शिक्षक भी ई कंटेंट तैयार करे तथा लिविंग लीजेण्ड के विशिष्टीकरण पर व्याख्यान माला भी आयोजित की जानी चाहिये।

कुलाधिपति ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में जो भी विवादित प्रकरण है उन पर गम्भीरता पूर्वक विचार विमर्श करे तथा उन्हें शीघ्र निस्तारित कराये। उन्होंने कहा कि नियुक्ति में पूर्ण पादर्शिता बरती जाये, पूर्व में नियुक्तियों से सम्बन्धित जो भी विवादित प्रकरण है उनके निस्तारण की दिशा में गंभीरता पूर्वक कार्यवाही करते हये नवीन नियुक्तियों के विज्ञापन जारी किये जाये जिसमे नियुक्ति के लिये निर्धारित सभी मापदण्डों का उल्लेख हो।श्रीमती पटेल ने दोनों विश्वविद्यालयों के महिला अध्ययन केन्द्रो पर चर्चा करते हुये निर्देश दिये कि महिला सशक्तीकरण के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य स्वाभिमान, सुरक्षित मातृत्व, कुपोषण तथा आर्थिक स्वावलबंन के कार्यक्रम चलाये जायें, इसमें नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं तथा विशिष्ट महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों आदि को शामिल करते हुये विश्वविद्यालय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाये, जिसमें केंद्र तथा राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं, सामाजिक कुरीतियों तथा रोजगार कार्यक्रमों की जानकारी दी जाये एक करने से नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान सरकारी योजनाओं का लाभ अपनी ग्राम सभा में दे सकेंगे।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की छात्राओं को बाल-सदन, नारी निकेतन, वृद्धाश्रम, जच्चा-बच्चा अस्पताल आदि का भ्रमण करायें ताकि वे अपने जीवन में सही और गलत के उत्तर को जान सकें तथा बच्चों की ऐसी टीम तैयार करे जो ग्रामीण महिलाओं का अपने अनुभव बांटने के साथ व्याख्यान भी दे सकें।

यूपी में कोरोना के 336 नये मामले, रिकवरी रेट 98.4 प्रतिशत

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 336 नये मामले सामने आये है जबकि685 स्वस्थ्य होने के बाद डिस्चार्ज किये गये। राज्य में अब सक्रिय मामलों की संख्या 6019 रह गयी है जिनमें 3049 लोग होम आइसोलेशन में है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को कहा कि कोरोना के मामले में हालात हर दिन के साथ बेहतर हो रहे है। ज्यादातर जिलों में संक्रमण के नए केस इकाई में आ रहे हैं, तो 10-12 जिलों में नए केस नहीं मिल रहे। यह स्थिति संतोषप्रद है। लेकिन लोगों को समझना होगा कि वायरस कमजोर पड़ा है, समाप्त नहीं हुआ। थोड़ी सी लापरवाही बहुत भारी पड़ सकती है। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। अब तक कुल 16 लाख 75 हजार 685 लोग कोविड संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं।

उन्होने कहा कि पिछले 24 घंटे में एक ओर जहां 02 लाख 90 हजार 234 सैम्पल टेस्ट हुए और पॉजिटिविटी दर 0.1 फीसदी रही, जबकि रिकवरी दर 98.4 प्रतिशत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में अब तक 05 करोड़ 44 लाख 36 हज़ार 119 कोविड टेस्ट हो चुके हैं।श्री योगी ने टीम-09 की बैठक में कहा कि प्रदेश में कोविड टीकाकरण की पहली डोज प्राप्त कर चुके लोगों की संख्या दो करोड़ से अधिक हो चुकी है, जबकि 39 लाख 11 हजार लोगों को दोनों डोज मिल चुकी है। 18 से 44 आयु वर्ग के 50 लाख 81 हजार युवाओं को वैक्सीन कवर मिल चुका है। पिछले 24 घंटों में 03 लाख 64 हजार 723 लोगों ने टीका-कवर प्राप्त किया। इस तरह अब तक 02 करोड़ 42 लाख 57 हजार से अधिक वैक्सीन लगाई जा चुकी है।उन्होने कहा कि प्रदेश ऑक्सीजन जेनेरेशन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। कल 05 और प्लांट की स्वीकृति दी गई है। प्रदेश में 441 ऑक्सीजन प्लांट स्थापित की स्थापना की जा रही है। इनमें से लगातार प्रयासों से अब 100 ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील हो चुके हैं। प्लांट स्थापना से जुड़े कार्यों की सतत समीक्षा की जाए। 50 बेड से अधिक सभी अस्पताल ऑक्सीजन की आवश्यकता के लिहाज से आत्मनिर्भर होंगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि प्रदेश में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेजों के भवन निर्माण की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाए। गुणवत्ता और समयबद्धता पर फोकस रहे। 09 मेडिकल कॉलेजों में प्राचार्यों की नियुक्ति हो चुकी है, जबकि शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। इन कार्यों को यथासंभव शीघ्रता से पूरा किया जाए। 14 अन्य प्रस्तावित नए मेडिकल कॉलेजों में अगले सत्र से पठन-पाठन शुरू करने के लक्ष्य को देखते हुए आवश्यक तैयारियां समय से पूरी की जाएं।उन्होने कहा कि कोरोना प्रबंधन में निगरानी समितियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। गांवों में भ्रमण करते समय निगरानी समितियां यह भी सुनिश्चित करें कि कोई जरूरतममंद राशन से वंचित न रहे। हर गरीब, निराश्रित और अन्य पात्र लोगों को राशन जरूर मिले।

उप्र में अब तक 55.60 लाख मीट्रिक टन हुई गेहूँ खरीद

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में रबी खरीद वर्ष 2020-21 के तहत स्थापित 5678 गेहूँ क्रय केन्द्रों के माध्यम से, अब तक 5560316.66 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीद की गयी है।

इसके एवज में 1273586 किसानों को लाभान्वित करते हुए, उनके खातों में 9240.779 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया है। गेहूँ खरीद 22 जून, 2021 तक जारी रहेगी।खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार आज 26181.33 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीद हुई है।

सब्जी विक्रेता की हत्या का खुलासा,पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार

औरैया ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के अयाना क्षेत्र में हुई सब्जी विक्रेता की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने उसकी पत्नी और प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक अपर्णा गौतम ने गुरूवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अयाना इलाके में सोमवार को हाइवे किनारे खेत में झाड़ियों में एक शव मिला,जिसकी शिनाख्त अंतौल निवासी सब्जी विक्रेता सुखपाल के रुप में की गई थी। इस मामले में जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल खंगाले जाने पर पता चला कि सुखपाल अपनी पत्नी संतोषी देवी के साथ दो साल पहले नोएडा में नौकरी करता था । वह संतोषी ऊंची दनकौर निवासी रवि कुमार से प्रेम संबंध हो गये थे और वह पति को छोड़कर उसके साथ चली गयी थी।उन्होंने बताया कि करीब एक साल पहले सुखपाल नोएडा छोड़कर बेटियों के साथ अपने गांव अंतौल आकर रहने लगा था। बताया कि करीब डेढ़ माह पूर्व संतोषी अपने पति सुखपाल के साथ रहने लगी थी। जहां से वह लगातार अपने अपने प्रेमी रवि कुमार से फोन पर बात करती रहती थी और 13 जून को उसने अपने प्रेमी रवि के साथ पति की हत्या की योजना बनायी थी। योजना के तहत रवि व उसके साथी नितिन निवासी आजमपुर दनकौर ने नोएडा से अंतौल आकर 14 जून की सुबह करीब चार बजे अंतौल मोड़ पर सुखपाल की हत्या कर दी थी।

श्री गौतम ने बताया कि इस मामले में प्रकाश में आये आरोपी रवि, नितिन भाटी व संतोषी देवी में से रवि कुमार और संतोषी देवी को आज सुबह दीपाली होटल के पास से गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से मोटरसाइकिल व दो मोबाइल फोन और हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल दराती बरामद कर ली। दोनों को जेल भेज दिया।

संम्पादकीय

अयोध्या में जमीन खरीद में घोटाला दिखाने के लिए जनता को कागजों में उलझाने की कोशिश

कोई भी समझ सकता है कि ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर निर्माण के लिए अयोध्या में 12080 वर्गमीटर (1.20 हेक्टेयर) जमीन की खरीद मात्र 18.5 करोड़ रुपए में कर लेना फायदे का ही सौदा कहा जाएगा, जबकि इस जमीन का सर्किल रेट ही 24 करोड़ रुपए है।अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बने यह इच्छा हर राम भक्त की है। पांच सौ वर्षों के इंतजार के बाद वह शुभ घड़ी आई है जब रामभक्तों की मुराद पूरी होने जा रही है। प्रभु श्रीराम का मंदिर 'हवा' में नहीं जमीन पर ही बनेगा, इसलिए जमीन की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपी गई है। मंदिर निर्माण के लिए पर्याप्त जमीन की व्यवस्था करने के लिए ट्रस्ट को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। जमीन जुटाते समय उसे चिंता इस बात की भी कि उसके किसी व्यवहार से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की छवि प्रभावित नहीं हो। इसलिए ट्रस्ट फूंक-फूंक कर कदम रख रही थी। उसे पता था कि भगवान श्रीराम का मंदिर बनना कुछ 'असुरी' शक्तियों को रास नहीं आ रहा है। इसीलिए तो मंदिर निर्माण पर न्याय मिलने में पांच सौ वर्ष का समय लग गया था। कांग्रेस के कई दिग्गज नेता हों या फिर वामपंथी, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता और कथित बुद्धिजीवी सब के सब मंदिर निर्माण में रोड़े अटकाने का काम कर रहे थे तो श्रीराम जन्मभूमि स्थल को कथित बाबरी मस्जिद बताने वालीं शक्तियां एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए थीं कि अयोध्या विवाद सुलझ नहीं पाए। कौन भूल सकता है कि कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने तो प्रभु श्रीराम और राम सेतु के अस्तित्व को ही नकार दिया था।

हिन्दू और हिन्दुत्व विरोधी उक्त दलों ने अब श्रीराम मंदिर निर्माण के काम में बाधा डालने के लिए प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण के लिए खरीदी गई जमीन में धांधली का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। वर्ना कोई भी समझ सकता है कि ट्रस्ट द्वारा मंदिर निर्माण के लिए अयोध्या में 12080 वर्गमीटर (1.20 हेक्टेयर) जमीन की खरीद मात्र 18.5 करोड़ रुपए में कर लेना फायदे का ही सौदा कहा जाएगा, जबकि इस जमीन का सर्किल रेट ही 24 करोड़ रुपए है। ट्रस्ट ने जमीन के लिए जो कीमत चुकाई है वह बाजार रेट से भी काफी कम है, लेकिन यह बात बीजेपी और प्रभु श्रीराम विरोधी दल और नेता कैसे मान सकते हैं। इसीलिए जमीन खरीद को घोटाला दिखाने के लिए जनता को कागजों में उलझाने की कोशिश हो रही है।बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि विपक्षी दलों और कांग्रेस के टूलकिट गैंग ने हिन्दुत्व को बदनाम करने के लिए चलाए गये एक नये एजेंडे के तहत ट्रस्ट पर जनता का पैसा लूटने का और हिंदुओं की भावनाओं से विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा जिनके पति रॉबर्ट वाड्रा पर जमीन घोटाले का मुकदमा चल रहा है, उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के दान का दुरुपयोग पाप है और उनकी आस्था का अपमान है। उन्होंने ट्वीट किया कि करोड़ों लोगों ने आस्था और भक्ति के चलते भगवान के चरणों में चढ़ावा चढ़ाया। उस चंदे का दुरुपयोग अधर्म है, पाप है, उनकी आस्था का अपमान है। सपा के पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय और उसके पश्चात आम आदमी पार्टी के सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह के बाद दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने तो दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस तक कर डाली और कहा कि ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के लिए खरीदी गई 12080 वर्ग मीटर जमीन में भाजपा नेताओं ने करोड़ों का घोटाला किया है। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला जो विधायक तक का चुनाव नहीं जीत पाते हैं वह सीधे प्रधानमंत्री से इस मामले में जवाब मांग रहे हैं। वहीं, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि आरोप लगाने वाले सियासी लोग हैं। सियासत से प्रेरित होकर आरोप लगा रहे हैं। यह जमीन बाजार दर से कम कीमत में खरीदी गई है। चंपत राय ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि 1.20 हेक्टेयर की इस भूमि को खरीदने में पूरी पारदर्शिता रखी गई। खैर, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर पहली बार जमीन खरीदने को आरोप लगे जरूर हैं लेकिन आरोप लगाने वालों ने आरोप लगाते समय एक बड़ी सच्चाई जान बूझकर छिपा ली। ऑनलाइन रजिस्ट्री दस्तावेज अपलोड किए जाने वाले 18 मार्च 2021 के एक ही पेज पर तीन एंट्री दर्ज हैं। सबसे पहले कुसुम पाठक व हरीश कुमार पाठक आदि के विक्रय विलेख अनुबंध के निरस्तीकरण की जानकारी व दस्तावेज अपलोड हैं। वर्ष 2017 में इसी जमीन का अनुबंध बसपा नेता जितेंद्र कुमार सिंह बबलू और उनके पिता इच्छाराम के पक्ष में 2.16 करोड़ रुपये में किया गया था। लेकिन ये तय वक्त में जमीन नहीं ले पाए तो पैसा वापस कर दिया गया। इसी जमीन का एग्रीमेंट वर्ष 2019 में सुल्तान अंसारी और रविमोहन तिवारी ने अपने पक्ष में कराया। बाद में इन्हीं लोगों ने ट्रस्ट को जमीन देने के लिए एग्रीमेंट किया। जमीन की कीमत का 17 करोड़ रुपये इनके खाते में ट्रांसफर किया गया है। शेष डेढ़ करोड़ रुपये दिया जाना अभी बाकी है।एक तरफ जमीन खरीद में घोटाले का आरोप लगाने वाले खड़े हैं तो दूसरी ओर मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास, श्रीराम जन्मभूमि ने उक्त विवाद को शर्मनाक बताते हुए कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व सपा नेताओं के आरोप को सियासी लाभ लेने वाला बताया है। उन्होंने कहा है कि इसका सच्चाई से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं है। ट्रस्ट ने जो जमीन ली है, विरोधी उसका बाजार मूल्य दिखवा सकते हैं, इसके बाद उनके मुंह पर खुद ताला लग जाएगा। ट्रस्ट ईमानदारी से अयोध्या के सांस्कृतिक विकास में लगा है। इसी तरह से अयोध्या के जिलाधिकारी अनुज कुमार झा का भी कहना है कि ट्रस्ट के प्लान का स्वागत होना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बाग बिजैसी मोहल्ले में जो जमीन खरीदी है, वह काफी महत्वपूर्ण स्थान पर है। ठीक इसी के सामने अयोध्या रेलवे स्टेशन का मुख्य द्वार बनना है। नए प्लान में यह इलाका सबसे बड़ा व्यावसायिक हब बनेगा। भक्तों की सुविधाओं के लिए ट्रस्ट के प्लान का स्वागत होना चाहिए।श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा खरीदी गई जमीन में घोटाले के आरोप पर महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने भी सफाई दी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि राममंदिर ट्रस्ट ने बयान जारी कर साफ कर दिया है कि वह भूमि वर्षों से अनुबंध पर थी, उसी के अनुसार उसे खरीदा गया है। मैं महापौर के नाते सभी विषयों में गवाह हूं, जो पैसा ट्रांसफर हुआ है उसका गवाह रहा हूं। उन्होंने कहा कि जो लोग मुद्दा उठा रहे हैं, वे राजनीति से जुड़े हैं। जिन्हें भगवान राम से दिक्कत है, वही लोग ये मुद्दा उठा रहे हैं। अयोध्या में जमीन का मार्केट रेट क्या है, आसानी से पता किया जा सकता है।

इस मामले में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को जमीन का एग्रीमेंट करने वाले सुल्तान अंसारी का पक्ष जानना काफी जरूरी है। अंसारी साफ कह रहे हैं कि सपा के पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय व आप नेता संजय सिंह का आरोप सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि जिस जमीन को लेकर सवाल उठाया गया है, उसका वर्ष 2011 से एग्रीमेंट चलता आ रहा है। तब से अब तक चार बार एग्रीमेंट का नवीनीकरण हुआ है। उनका कहना है कि श्री रामजन्मभूमि में हमारी आस्था है, राम के काम के लिए जमीन दी है। जमीन का सर्किल रेट देखें तो यह जमीन वर्तमान में 24 करोड़ रुपये की है। सारे आरोप गलत हैं, मेरे पास साक्ष्य हैं। अब देखना होगा कि इस मामले पर शुरू हुई राजनीतिक कहाँ जाकर थमती है। - संजय सक्सेना

लंबे समय से हाशिये पर चल रहे ब्राह्मण मतदाता यूपी की राजनीति के केंद्र में आ गये हैं

हमारे देश में कोई लाख कहे या प्रयास करे कि देश को जातिगत चुनावी राजनीति से जल्द से जल्द मुक्ति मिल जाये, तो आज के राजनीतिक हालातों में राजनेताओं की कृपा की वजह से यह बिल्कुल भी संभव नहीं लगता है। हाल के वर्षों में गौर करें तो देश में बहुत तेजी से दिन-प्रतिदिन धर्म व जातिगत राजनीति का दायरा बहुत तेजी से बढ़ता ही जा रहा है, हालांकि किसी भी नजरिए से यह स्थिति हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था व सभ्य समाज के लिए ठीक नहीं है। लेकिन फिर भी देश की चुनावी राजनीति में सोशल इंजीनियरिंग के नाम पर जातीय समीकरण की गुणाभाग बहुत लंबे समय से अहम भूमिका निभाती रही है। जातीय व्यवस्था को समाप्त करने की लाख कोशिशों के बाद भी यह हमारे देश की राजनीति का एक बेहद कड़वा सच है, जिसको आज के आधुनिक समय में भी आसानी से झुठलाया नहीं जा सकता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का या हमारा दुर्भाग्य है कि सभी राजनीतिक पार्टियां समाज व देशहित के मसलों की जगह अपनी चुनावी रणनीति जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए ही तैयार करती हैं। सबसे बड़ा कमाल तो तब होता है जब सत्तारुढ़ दलों के टिकटों के वितरण के समय भी हमारे देश के सियासी दलों के कर्ताधर्ताओं के लिए प्रत्याशी की क्षेत्र में मेहनत, योग्यता, व्यवहार, सेवाभाव और उनकी सरकार के द्वारा किये गये विभिन्न विकास के कार्यों पर जीत का भरोसा कायम ना रह करके, जाति के गणित पर भरोसा कायम रहता है। हालात देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि राजनीतिक दलों के द्वारा जाति के आधार पर भेदभाव ना करने के तमाम दावे चुनावी जीत हासिल करने के लिए धरातल पर खोखले साबित होते नजर आते हैं, राजनीतिक दल एक-एक सीट

जीतने के उद्देश्य से क्षेत्र की जातीय स्थिति के अनुसार प्रत्याशियों का चयन करते हैं, जो अखंड विकसित विश्व गुरु भारत के सपने को साकार करने के उद्देश्य से बिल्कुल भी उचित नहीं है।

राजनीतिक दलों के कर्ताधर्ताओं के इन जातिगत हथकंडों की वजह से ही हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुत लंबे समय से हाशिये पर चले गये ब्राह्मण मतदाता एक बार फिर से चर्चा में आकर राजनीति के मुख्य केन्द्र बिंदु में आ गये हैं। जिसकी मुख्य वजह प्रदेश के सत्तारुढ़ दल भाजपा से ब्राह्मण मतदाताओं के एक बहुत बड़े वर्ग का विभिन्न कारणों से नाराज होना है, जिसको अपने पक्ष में साधने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों में होड़ लगी हुई है। वैसे भी उत्तर प्रदेश में सभी राजनीतिक दलों ने वर्ष 2022 के फरवरी या मार्च माह में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अपनी बिसात बिछाने का कार्य तेजी से शुरू कर दिया है। सतारुढ़ भाजपा के साथ मुख्य विपक्षी दल सपा, बसपा और कांग्रेस ने राज्य की सभी 403 सीटों के हिसाब से अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। उसी चुनावी रणनीति के चलते भाजपा ने अग्रणी रह कर पहल करते हुए 9 जून को अपने केन्द्रीय कार्यालय में कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री व ब्राह्मण चेतना परिषद के सर्वेसर्वा जितिन प्रसाद को भाजपा में शामिल करवा कर ब्राह्मण मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। साथ ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने इस घटनाक्रम के द्वारा कांग्रेस की चुनावी रणनीति को बड़ा झटका देने के साथ-साथ विधान परिषद सदस्य अरविंद कुमार शर्मा के मसले पर केन्द्रीय नेतृत्व के खिलाफ बगावती रुख अपना रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी एक बड़ा संदेश देने का कार्य किया है। लेकिन यह तो आने वाला समय ही बतायेगा कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व ब्राह्मण नेता के रूप में जितिन प्रसाद को कितना प्रभावी ढंग से स्थापित कर पाता है और उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण मतदाता भी जितिन प्रसाद को कितनी तवज्जो देते हैं, लेकिन यह कटु सत्य है कि इस राजनीतिक घटनाक्रम से कांग्रेस पार्टी के मिशन 卐यूपी 2022 को बहुत तगड़ा झटका लगा है।

जाति के अनुसार बात करें तो उत्तर प्रदेश में सवर्ण समाज मुख्य रूप से भाजपा का मतदाता माना जाता है, वहीं सपा के साथ मुख्य रूप से पिछड़े वर्ग के मतदाता जुड़े हुए माने जाते हैं, बसपा के साथ एससी मतदाता हैं। वहीं कांग्रेस के साथ कोई एक बड़ी जाति खड़ी हुई नजर नहीं आती है, जिसकी वजह से वो राज्य की राजनीति में विलुप्त होने के कगार पर है। हालांकि जब से प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश की बागडोर अपने हाथ में ली है तब से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व आम लोगों को एक आशा जगी थी कि कांग्रेस प्रदेश में कुछ बेहतर करेगी, लेकिन यहां पर कांग्रेस के दिग्गज रणनीतिकार राज्य में सपा व बसपा के कांग्रेस से मजबूत रहते हुए दलित-मुस्लिम गठजोड़ बनाने का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह भी सत्य है कि उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में जिस भी पार्टी को 30 प्रतिशत के आसपास मत मिलते हैं वह पार्टी प्रदेश में सरकार बनाने में सफल हो जाती है। इसलिए राज्य की राजनीति में चुनावी रणनीतिकारों के लिए छोटे-छोटे जातीय समीकरण भी काफी अहम होते हैं, क्योंकि इन समीकरणों को नजरअंदाज करने का मतलब स्पष्ट है कि आप सत्ता से दूर होते जा रहे हैं।

जितिन प्रसाद को भाजपा में शामिल कराके पार्टी ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारियां जोरदार ढंग से अभी से ही शुरू कर दी हैं। भाजपा के रणनीतिकार अच्छी तरह से जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में चुनाव को मूल मुद्दों से हटाकर किस तरह से अन्य मुद्दों पर लड़ना है इसलिए उन्होंने ब्राह्मण मतदाताओं को आकर्षित करने का राग अलापना शुरू किया है। वैसे भी भाजपा जानती है राज्य में एनडी तिवारी के बाद से लंबे समय से कोई ब्राह्मण मुख्यमंत्री नहीं बना है, इसलिए वह ब्राह्मण मतदाताओं की कमजोर नब्ज तलाश रही है। वैसे जन्म से लेकर मरण तक सनातन धर्म को मानने वाले व्यक्ति के जीवन में ब्राह्मण का महत्वपूर्ण स्थान होता है और ब्राह्मण अपनी व्यवहारिकता की बदौलत अपने साथ-साथ अन्य जातियों के मतदाताओं को भी प्रभावित करने में सक्षम होता है, इसलिए राज्य की राजनीति में ब्राह्मण केन्द्र में है।

वैसे भी पिछले चुनावों की बात करें तो वर्ष 2007 में दलित मतदाताओं के साथ ब्राह्मण मतदाताओं को जोड़कर उनके सहयोग से ही बहुजन समाज पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार उत्तर प्रदेश में आई थी। तब बहुजन समाज पार्टी ने ब्राह्मण मतदाताओं को रिझाने के लिए सतीश चंद्र मिश्रा का चुनावों में जमकर उपयोग किया था। हालांकि बसपा की सरकार बनने के बाद संतोषजनक सम्मान ना मिलने के चलते ब्राह्मण मतदाता बाद में बसपा से नाराज हो गया था, जिसके बाद से राज्य की राजनीति में ब्राह्मण मतदाता कभी इतनी चर्चाओं में नहीं रहा। हालांकि वर्ष 2012 के विधानसभा चुनावों में ब्राह्मण मतदाताओं ने सपा को समर्थन दिया और समाजवादी पार्टी के युवा चेहरे अखिलेश यादव पर विश्वास करके उनको मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन उसके बाद वर्ष 2014 के लोकसभा व वर्ष 2017 के विधानसभा चुनावों में ब्राह्मण भाजपा के साथ बिना किसी शोरशराबे के मजबूती के साथ खड़े रहे, लेकिन प्रदेश में वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से राज्य में घटित कुछ घटनाक्रमों की वजह से ब्राह्मण समाज भाजपा से धीरे-धीरे दूर होने लगा। जिसको अपने-अपने दल की तरफ आकर्षित करने के लिए सभी दल रात-दिन एक करके लगे हुए हैं, कोई भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापित करने की बात कर रहा है कोई अन्य राजनीतिक हथकंडे अपना रहा है। जिसके चलते लंबे समय के बाद राज्य की राजनीति ब्राह्मण मतदाताओं के इर्दगिर्द घूम रही है। लेकिन अब यह देखना होगा कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के रणनीतिकारों की बदौलत यूपी में योगी-मोदी लहर एक बार फिर से चलेगी या सपा के युवा चेहरा अखिलेश यादव का जादू 2012 की तरह मतदाताओं पर एक बार फिर से चलेगा या मतदाता हाथी पर सवार होकर तमाम दलों के मंसूबों पर पानी फेर कर मायावती को उत्तर प्रदेश की कमान सौंप देंगे।

लेकिन इन सब के बीच जिस तरह से कांग्रेस प्रियंका गांधी के नेतृत्व में यूपी में अपनी पूरी ताकत झोंक रही है वह भी तमाम सियासी दलों के भविष्य को तय करने के लिए अहम होगा। खैर यह तो आने वाला समय ही तय करेगा कि उत्तर प्रदेश में राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा, राजनीति का केंद्र बन चुके ब्राह्मण मतदाताओं का आशीर्वाद किस दल को मिलेगा। लेकिन देश व समाज के हित में बेहतर यह है कि मतदाता इतने जागरूक बनें कि वह जाति व धर्म की राजनीति से देश को छुटकारा दिलाकर, लोकतांत्रिक व्यवस्था में वास्तव में अच्छे लोगों का चयन करें।

-दीपक कुमार त्यागी

महामारी के बुरे दौर में भी अर्थव्यवस्था को संभालने में सफल रही मोदी सरकार

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार लगातार प्रयास करती रही है कि कृषि क्षेत्र को अपने पैरों पर खड़ा किया जाये एवं कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाया जाये ताकि देश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित बने और इसके लिए कई उपाय भी किए गए हैं।

वित्तीय वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही, जनवरी-मार्च 2021 में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही, अप्रैल-जून 2020 में देश में सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 25 प्रतिशत की कमी आंकी गई थी। यह देश में कोरोना महामारी के प्रारम्भ का समय था एवं देश में लॉकडाउन लगाया गया था जिससे देश में आर्थिक गतिविधियां, कृषि क्षेत्र को छोड़कर, लगभग थम-सी गई थीं। देश की 60 प्रतिशत से अधिक अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर स्पष्टत: दिखाई दिया था। जुलाई-सितम्बर 2020 तिमाही में भी अर्थव्यवस्था में संकुचन दिखाई दिया था। परंतु तीसरी तिमाही अक्तूबर-दिसम्बर 2020 में अर्थव्यवस्था वापस पटरी पर आती दिखाई दी थी और अब तो चौथी तिमाही में 1.6 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर ली गई है। विश्व में भारत उन बहुत कम महत्वपूर्ण एवं बड़े देशों में शामिल है जिनकी अर्थव्यवस्थाओं ने वित्तीय वर्ष 2020-21 की द्वितीय अर्धवार्षिकी में सकारात्मक विकास दर को हासिल कर लिया है। इसके बावजूद वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में 7.3 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है, जबकि न केवल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों बल्कि कई घरेलू वित्तीय संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 8 से 12 प्रतिशत तक से सिकुड़ने का अनुमान लगाया था। इन सभी अनुमानों को झुठलाते हुए देश की अर्थव्यवस्था ने V आकार की रिकवरी दर्ज करते हुए सकल घरेलू उत्पाद में अपेक्षाकृत कम कमी दिखाई दी है।

केंद्र सरकार लगातार प्रयास करती रही है कि कृषि क्षेत्र को अपने पैरों पर खड़ा किया जाये एवं कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाया जाये ताकि देश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित बने और इसके लिए कई उपाय भी किए गए हैं। कोरोना महामारी के काल में ऐसा होता दिखाई दे रहा है कि देश की अर्थव्यवस्था को कृषि क्षेत्र ने ही संभाल रखा है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में तो गिरावट दर्ज की है परंतु कृषि क्षेत्र में 3.6त्न की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2020-21 की चारों तिमाहियों में कृषि क्षेत्र ने वृद्धि दर्ज की है। यह प्रथम तिमाही में 3.3 प्रतिशत, द्वितीय तिमाही में 3.0 प्रतिशत, तृतीय तिमाही में 3.9 प्रतिशत एवं चतुर्थ तिमाही में 1.9 प्रतिशत की रही थी।

महामारी के इस दौर में कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का एकमात्र चमकता क्षेत्र रहा है। कोरोना महामारी के दौरान भी, केवल कृषि क्षेत्र में, उत्पादन एवं निर्यात, दोनों ही मोर्चों पर लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। कृषि क्षेत्र में लगातार चारों तिमाहियों में हुई वृद्धि के कारणों में केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे अनेक प्रयासों के अतिरिक्त कुछ अन्य कारक भी जिम्मेदार हैं। कोरोना महामारी के दौरान वर्ष 2020-21 में कृषि क्षेत्र में लॉकडाउन नहीं लगाया गया था क्योंकि कोरोना महामारी का असर

ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं हुआ था। वर्ष 2020-21 में ही मानसून भी काफी अच्छा रहा था। केंद्र सरकार ने इस वर्ष किसानों से खाद्य पदार्थों की खरीद भी काफी अच्छे स्तर पर की थी, इससे कृषकों के हाथों में अधिक पैसा पहुंचा था। कोरोना महामारी के चलते शहरों से श्रमिकों का पलायन ग्रामीण इलाक़ों में हुआ था अत: गांवों में अतिरिक्त श्रमिकों के आने से अतिरिक्त कार्य ग्रामीण इलाकों में कराए गए थे, इससे भी कृषि उत्पादन बढ़ा।साथ ही साथ विश्व में भी कृषि उत्पादों की मांग बढ़ी तो भारत से निर्यात भी बढ़ा क्योंकि यहां इस वर्ष अतिरिक्त उत्पादन हुआ था। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 3.6 प्रतिशत की विकास दर कृषि क्षेत्र में देखने में आई। केंद्र सरकार ने किसान सम्मान निधि को भी जारी किया एवं किसानों के खातों में सीधे ही रुपए 2000, वर्ष में तीन बार, (कुल रुपए 6000) जमा किए। इस योजना के अंतर्गत अब तक 11 करोड़ किसानों के खातों में 1.35 लाख करोड़ रुपए की राशि अंतरित की जा चुकी है। कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था के अन्य लगभग सभी क्षेत्र विपरीत रूप से प्रभावित हुए परंतु कृषि क्षेत्र ने देश को सहारा दिया। इस वर्ष भी यदि देश के कुछ भागों में सूखा नहीं रहे और मानसून पिछले वर्ष की तरह अच्छा रहे, जिसकी कि प्रबल सम्भावना है, तो इस वर्ष भी देश में खरीफ एवं रबी की फसलें ठीक रहने की सम्भावना है। वैसे भी इस वर्ष लॉकडाउन सभी क्षेत्रों में नहीं लगाया गया है और केवल कुछ राज्यों ने जरूर अधिक प्रभावित क्षेत्रों में लॉकडाउन लगाया था। अब तो कोरोना महामारी की दूसरी लहर तेजी से खत्म हो रही है। अत: प्रबल सम्भावना है कि इस वर्ष भी कृषि क्षेत्र बहुत अच्छी विकास दर हासिल कर अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बनाए रखेगा।

परंतु आज यदि सही आकलन किया जाये तो यह बात उभरकर सामने आती है कि कृषि का क्षेत्र अब और अधिक श्रमिकों को रोजगार देने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि भारत में अब प्रति व्यक्ति जोत का आकार बहुत कम हो गया है। छोटे-छोटे किसान भी अब मशीनों का उपयोग कर खेती करने लगे हैं, इससे हालांकि उत्पादकता तो बढ़ी है परंतु रोजगार के अवसर कम हो गए हैं। अत: शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर अन्य क्षेत्रों में निर्मित करना अब आवश्यक हो गया है।अब चूंकि कोरोना महामारी के दूसरे दौर का प्रभाव लगातार तेजी से कम होता जा रहा है तो ऐसे में सेवा क्षेत्र विशेष रूप से होटल, टूरिज्म, यातायात, ढाबा आदि क्षेत्रों को धीमे-धीमे खोलते जाना चाहिए। साथ ही, यदि शादी ब्याह एवं अन्य सामाजिक समारोह भी प्रारम्भ हो जाते हैं तो खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ेगी। चूंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृषि पदार्थों की कीमतें बढ़ी हुई हैं और भारत में भी यदि कृषि पदार्थों की मांग बढ़ती है एवं इनकी कीमतें बढ़ना प्रारम्भ होती हैं तो सम्भव है कि कृषि पदार्थों के निर्यात पर अंकुश लगने का प्रयास हो। जबकि अभी हाल ही में कृषि पदार्थों के निर्यात में 43 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। दूसरे, पश्चिमी देशों में कीटनाशकों एवं केमिकल के अधिक उपयोग के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ाना सही निर्णय नहीं माना जाता है जबकि हमारे देश में विशेष रूप से पंजाब में कीटनाशकों एवं केमिकल का उपयोग कृषि क्षेत्र में बहुत अधिक मात्रा में हो रहा है। इसका भी भारत से कृषि क्षेत्र से निर्यात पर विपरीत असर हो सकता है।वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी के दौरान केंद्र सरकार द्वारा लगातार 6 माह तक मुफ्त राशन (5 किलोग्राम प्रति व्यक्ति) गरीब परिवारों को (लगभग 80 करोड़ लोगों को) उपलब्ध कराया गया था। चूंकि केंद्र सरकार द्वारा गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों की खरीद काफी अच्छी मात्रा में की गई थी, अत: सरकार के इस निर्णय से गरीब परिवारों को भुखमरी से बचाया जा सका। इस वर्ष भी लगभग 6 माह तक 5 किलोग्राम मुफ्त राशन 80 करोड़ गरीब लोगों को उपलब्ध कराया जायेगा, इस प्रकार की घोषणा माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने दिनांक 6 जून 2021 को की है।अब तो पूरे देश में, ग्रामीण इलाकों सहित, कोरोना बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण की ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि आर्थिक गतिविधियों को पूर्ण रूप से प्रारम्भ किया जा सके। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा बनाए नए कृषि कानूनों का असर भी शीघ्र ही कृषि क्षेत्र में देखने को मिलेगा।

देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने जनवरी-मार्च 2021 की तिमाही में राजस्व ख़र्चों को बढ़ाया है जबकि इसके कारण पूंजीगत ख़र्चों में कुछ सुस्ती दिखाई दी है। हालांकि यह समय की मांग भी थी क्योंकि अधिक से अधिक लोगों के हाथों में पैसा पहुंचाना आवश्यक था। रोजगार के अवसर कम से कम प्रभावित हों ऐसा प्रयास भी लगातार केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। खाद्य पदार्थों पर सब्सिडी की राशि में बहुत वृद्धि हुई है। यह संतोष का विषय हो सकता है कि मई 2021 माह में भी वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण एक लाख करोड़ रुपए से अधिक, रुपए 1.04 लाख करोड़, का रहा है। इस प्रकार कुछ राज्यों में लॉकडाउन के बावजूद यह संग्रहण अच्छा ही कहा जाएगा। अब भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ने लगेगी, ऐसी आशा की जा रही है।

-प्रह्लाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप-महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक

Email: sindhutimes99@gmail.com

web: www.sindhutimes.in

लखनऊ, शुक्रवार, 18 जून 2021

खेल

सिन्धु टाइम्स 5

पहला विश्व टेस्ट चैंपियन बनने उतरेंगे भारत और न्यूज़ीलैंड

न्यूज़ीलैंड बड़े फ़ाइनल में लड़खड़ाने का ठप्पा उतारने के मूड में है

साउथम्पटन वार्ता। भारत और न्यूज़ीलैंड शुक्रवार से यहां रोज बॉल में होने वाले पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल में टेस्ट क्रिकेट का बादशाह बनने के इरादे से उतरेंगे।

इस फ़ाइनल के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दो साल के क्रम का अंत हो जाएगा जिसे टेस्ट क्रिकेट को नया जीवन देने के उद्देश्य के साथ 2019 में शुरू किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद चाहती है कि चैंपियनशिप से टेस्ट क्रिकेट को सन्दर्भ और मायने मिले और न्यूज़ीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का मानना है कि यह सफल रहा है।

30 वर्षीय विलियम्सन ने कहा,प्रतियोगिता के अंतिम दौर में हमने देखा था कि टीमें क्वालीफाई करने के लिए अपना पूरा जोर लगा रही थीं जिससे कई रोमांचक परिणाम देखने को मिले। हमने ऑस्ट्रेलिया में और न्यूज़ीलैंड में देखा था कि कई टीमों के पास फ़ाइनल में जाने का मौका था।

न्यूज़ीलैंड बड़े फ़ाइनल में लड़खड़ाने का ठप्पा उतारने के मूड में है। कीवी टीम पिछले दो वनडे विश्व कप में उपविजेता रही है। खास तौर पर 2019 में इंग्लैंड में खेला गया विश्व कप जब फ़ाइनल का सुपर ओवर भी टाई रहने के बाद इंग्लैंड ने बॉउंड्री काउंट नियम के आधार पर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था ।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल उन्हें विश्व चैंपियन बनने का एक और मौका देता है और कीवी टीम हाल में इंग्लैंड से दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीतने के बाद इस मौके को लपकने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यूज़ीलैंड ने एजबस्टन में हुए दूसरे टेस्ट मैच में अपनी एकादश में छह परिवर्तन किये थे लेकिन वह साढ़े तीन दिन के अंदर मैच को आठ विकेट से जीतने में सफल रहा था।इसके मुकाबले भारत ने मार्च के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला है और उसने विराट कोहली की कप्तानी में कोई आईसीसी ट्रॉफी भी नहीं जीती है। लेकिन 32 वर्षीय विराट के दिमाग में डब्लूटीसी फ़ाइनल का महत्त्व बसा हुआ है। विराट ने कहा,डब्लूटीसी फ़ाइनल का ख़ासा महत्त्व है क्योंकि यह सबसे मुश्किल इस फॉर्मेट में पहली बार आयोजित हो रहा है।

विराट ने कहा,यह फ़ाइनल के दौरान कड़ी मेहनत का फल नहीं होगा बल्कि यह पिछले पांच-छह वर्षों की मेहनत का फल होगा।

डब्लूटीसी फ़ाइनल भारत की स्टार खिलाड़ियों से सुसज्जित बल्लेबाजी लाइन उप और न्यूज़ीलैंड के विविधतापूर्ण तेज आक्रमण का मुकाबला होगा खास तौर पर फ़ाइनल में इस्तेमाल होने वाली तेज और स्विंग लेने वाली ड्यूक्स बॉल के साथ।

फ़ाइनल में विराट कोहली और विलियम्सन कि कप्तानी का भी अलग अलग अंदाज देखने को मिलेगा। आईसीसी इस बात से खुश है कि डब्लूटीसी फ़ाइनल ने टेस्ट क्रिकेट में ज्यादा दिलचस्पी पैदा की है। आईसीसी के कार्यवाहक सीईओ ज्यॉफ अलरडाइस ने सोमवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,यह स्पष्ट है कि कुछ सीरीज में दिलचस्पी फ़ाइनल में शामिल दो टीमों को लेकर सीमित नहीं थी ।भारतीय टीम प्रबंधन ने मंगलवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी थी। भारतीय टीम से रिलीज किये गए खिलाड़ी लोकेश राहुल, मयंक अग्रवाल, अक्षर पटेल , वाशिंगटन सुन्दर, शार्दुल ठाकुर, अभिमन्यु ईश्वरन , प्रसिद्ध कृष्णा आवेश खान और अर्जन नागवसवाला है जिन्हें सलाह दी गयी है कि वे मैच को स्टैंड्स से देख सकते हैं और फ़ाइनल के दौरान खिलाड़ियों से नहीं जुड़ सकते।

इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न टेस्ट सीरीज में पदार्पण टेस्ट में दोहरा शतक बना कर प्रभावशाली बल्लेबाजी करने वाले डेवोन कॉनवे और दूसरे टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करने वाले लेफ्ट आर्म स्पिनर एजाज पटेल को भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए विशेषज्ञ स्पिनर के रूप में न्यूजीलैंड की टीम में शामिल किया गया है।डग ब्रेसवेल, जैकब डफी, डेरिल मिचेल, रचिन रवींद्र और मिचेल सेंटनर आईसीसी के इस मेगा इवेंट के लिए टीम में जगह बनाने में विफल रहे हैं। कॉनवे को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में दोहरे शतक और दूसरे मैच में 80 रन, जबकि एजाज को दूसरे एवं निर्णायक टेस्ट मैच में चार विकेट के प्रदर्शन की बदौलत टीम में शामिल किया गया है।

भारत की टीमरोहित शर्मा, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्या रहाणे , ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन , मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, मोहम्मद सिराज, हनुमा विहारी, रिद्धिमान साहा और उमेश यादव।

न्यूजीलैंड की टीम = केन विलियम्सन (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, ट्रेंट बोल्ट, डेवोन कॉनवे, कॉलिन डी ग्रैंडहोम, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लाथम, हेनरी निकोल्स, एजाज पटेल, टिम साउदी, रॉस टेलर, नील वैगनर, बीजे वाटलिंग, विल यंग।

बीसीसीआई ने जेकेसीए के कामकाज को देखने के लिए बनाई उप-समिति

नयी दिल्ली, वार्ता।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अदालत के फैसले के अनुसार जम्मू- कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) के कामकाज को देखने के लिए एक उप-समिति का गठन किया है।दरअसल जम्मू-कश्मीर के उच्च न्यायालय की एक डिवीजन बेंच ने मार्च में बीसीसीआई को एक समिति बनाने का निर्देश दिया था, जिस पर अमल करते हुए बीसीसीआई ने एक समिति का गठन किया था। बीसीसीआई के मुताबिक इस समिति में बोर्ड के अध्यक्ष सौरभ गांगुली, सचिव जय शाह, कोषाध्यक्ष अरुण धूमल और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला शामिल हैं। बोर्ड ने बुधवार को इस समिति की देखरेख में जेकेसीए के दिन-प्रतिदिन के कामकाज को देखने के लिए एक उप-समिति के गठन की घोषणा की है।बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, उप-समिति में ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता, मिथुन मन्हास और सुनील सेठी शामिल हैं। इसके अलावा माजिद डार श्रीनगर में क्रिकेट के विकास को देखेंगे और उप-समिति के सदस्यों को रिपोर्ट करेंगे।

भारत ओलम्पिक मुक्केबाजी में जीतेगा चार पदक : सरिता देवी

नयी दिल्ली वार्ता। पूर्व विश्व चैंपियन एल सरिता देवी का मानना है कि भारत के पास इस बार 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले टोक्यो ओलम्पिक में मुक्केबाजी में कम से कम चार पदक जीतने का अच्छा मौका है।

सरिता ने दिल्ली लेट्स प्ले के साथ विशेष बातचीत में यह बात कही। भारत के नौ मुक्केबाजों ने इस बार टोक्यो के लिए क्वालीफाई किया है।सरिता ने कहा, भारत के पास इस वर्ष होने वाले टोक्यो ओलम्पिक में काफी अच्छा मौका है। सभी क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ी क्वालीफाई कोचों और सपोर्ट स्टाफ की निगरानी में अपनी तैयारी अच्छी तरह कर रहे हैं। खेल मंत्रालय खिलाड़ियों को वह सब उपलब्ध करा रहा है जिसकी उन्हें जरूरत है। इसे देखते हुए मुझे लगता है कि भारत के पास पिछले संस्करणों के मुकाबले इस बार काफी अच्छा मौका है।

ओलम्पिक में पदकों की संख्या के बारे में पूछने पर सरिता ने कहा,%%मैं पहले मुक्केबाजी के बारे में कहूंगी। मुझे लगता है कि भारत इस बार मुक्केबाजी में कम से कम चार पदक जीत सकता है क्योंकि हमारे खिलाड़ियों को परफेक्ट ट्रेनिंग वातावरण मिला है। हम तीरंदाजी, कुश्ती , निशानेबाजी और बैडमिंटन में भी पदक की उम्मीद कर सकते हैं और भारत हॉकी में भी पदक जीत सकता है।

खिलाड़ियों की तैयारियों में कोविड के किसी तरह का प्रभाव पड़ने के बारे में पूछने पर पूर्व विश्व चैंपियन ने कहा ,%%जहां तक कोविड के मुद्दे और लॉकडाउन की बात है तो मैं कहूंगी कि हमारे पास ओलम्पिक की तैयारी के लिए ढेर सारा समय था और खिलाड़ियों को पूरा एक्सपोजर, टूर और टूर्नामेंट मिले इसलिए मुझे नहीं लगता कि कोविड का भारत की ओलम्पिक में संभावनाओं पर कोई बहुत ज्यादा असर पड़ा होगा।

अपनी दिनचर्या और रिंग में वापसी के बारे में पूछने पर सरिता ने कहा,मैं कोविड से पहले अपनी अकादमी में मुक्केबाजों को ट्रेनिंग दे रही थी लेकिन अब ट्रैनिंग की गंभीरता को कम कर दिया है। मैं अभी भी फिट हूं और किसी भी दिन वापसी कर सकती हूं।भविष्य की अपनी योजनाओं के बारे में पूछने पर सरिता ने कहा,मेरा लक्ष्य अपनी अकादमी से जितना हो सके उतने चैंपियन मुक्केबाज तैयार करना है और देश में अन्य प्रतिभाशाली मुक्केबाजों की मदद करनी है जो बड़े आयोजनों राष्ट्रमंडल और एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप तथा ओलम्पिक में पदक जीत सकें। सरिता ने आखिर में कहा कि वह इस साल की समाप्ति से पहले मुक्केबाजी से अपने संन्यास की घोषणा कर देंगी।

नाईट शतक से चूकीं , स्नेह राणा ने कराई भारत की वापसी

ब्रिस्टल,वार्ता।कप्तान हीथर नाईट (95) मात्र पांच रन से अपने शतक से चूक गयीं लेकिन ऑफ स्पिनर स्नेह राणा ने अंतिम सत्र में विकेट निकालकर भारत की इंग्लैंड के खिलाफ सात साल के अंतराल के बाद हो रहे एकमात्र टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को वापसी करा दी। इंग्लैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपने छह विकेट 269 रन पर खो दिए हैं।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की शीर्ष क्रम की चार बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने वापसी करते हुए 21 रन के अंतराल में चार विकेट निकालकर मैच में वापसी कर ली। सलामी बल्लेबाज लॉरेन इनफील्ड हिल ने 63 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 35 रन और टैमी ब्यूमोंट ने 144 गेंदों में छह चौकों के सहारे 44 रन बनाये।कप्तान हीथर ने नाइट ने एक छोर संभालकर मजबूती से खेलते हुए 175 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 95 रन बनाये। उन्हें ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने पांचवें बल्लेबाज के रूप में पगबाधा किया। हीथर का विकेट 244 के स्कोर पर गिरा। हीथर ने इससे पहले नताली शिवर के साथ तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की थी। नताली शिवर को भी दीप्ति शर्मा ने पगबाधा किया। शिवर ने 75 गेंदों पर छह चौकों के सहारे 42 रन बनाये।स्नेह राणा ने विकेटकीपर एमी एलेन जोंस को मात्र एक रन पर पवेलियन की राह दिखा दी। इंग्लैंड ने अपना चौथा विकेट 236 के स्कोर पर गंवाया। राणा ने जोंस को पगबाधा किया। इंग्लैंड का स्कोर 244 रन पहुंचा ही था कि दीप्ति की शानदार गेंद पर हीथर पगबाधा हो गयीं। इंग्लैंड का स्कोर 251 पहुंचा ही था कि स्नेह राणा ने जॉर्जिया एल्विस को दीप्ति शर्मा के हाथों कैच करा दिया। जॉर्जिया ने पांच रन बनाये।

इंग्लैंड की अगली दो बल्लेबाजों सोफ़िया डंकली और कैथरीन ब्रंट ने इसके बाद संभलकर खेलते हुए दिन के शेष 10.4 ओवर सुरक्षित निकाल लिए। स्टंप्स के समय सोफिया 47 गेंदों में 12 रन और ब्रंट 30 गेंदों में सात रन बनाकर क्रीज पर डटी थीं।

भारत की तरफ से स्नेह राणा ने 29 ओवर में 77 रन देकर तीन विकेट और दीप्ति शर्मा ने 18 ओवर में 50 रन पर दो विकेट और पूजा वस्त्रकर ने 12 ओवर में 43 रन देकर ओपनर विनफील्ड हिल का विकेट लिया जबकि स्नेह राणा ने ब्यूमोंट को अपना शिकार बनाया।

विलियम्सन को पछाड़ कर दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज बने ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ

दुबई, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीवन स्मिथ आईसीसी की बुधवार को जारी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पहले नंबर पर आ गए हैं। स्मिथ न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन को पीछे छोड़ते हुए 891 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर आ गए हैं, जबकि विलियम्सन हाल ही इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर होने के कारण दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। उनके 886 रेटिंग अंक हैं। स्मिथ पिछले साल बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंचे हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे मैट हेनरी करियर के सर्वश्रेष्ठ 307 रेटिंग अंकों के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि लेफ्ट आर्म स्पिनर एजाज पटेल को भी करियर के सर्वश्रेष्ठ 323 रेटिंग अंक मिले हैं। दोनों टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड के स्टार खिलाड़ी रहे डेवोन कॉनवे बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया जो बर्न्स के साथ संयुक्त रूप से 61वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के डैन लॉरेंस को दूसरे टेस्ट की पहली पारी में नाबाद 81 रनों की बदौलत 16 स्थानों की फायदा हुआ है और वह करियर के सर्वश्रेष्ठ 396 अंकों पर पहुंच गए हैं।रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के प्रदर्शन को भी जोड़ा गया है। इसके आधार पर दक्षिण अफ्रीका क्विंटन डी कॉक बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के चेतेश्वर पुजारा के साथ 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि उनके हमवतन एड्रियन मार्करम को दो स्थानों का फायदा हुआ है और वह 14वें नंबर पर आ गए हैं।पूर्व नंबर एक टेस्ट गेंदबाज दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबादा दो स्थानों के फायदे के साथ गेंदबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं उनके हमवतन एनरिक नोर्त्जे ने करियर में पहली बार टॉप 30 में प्रवेश किया है, जबकि लुंगी एनगिदी 14 स्थानों की छलांग लगा कर 44वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज काइल जार्विस ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की

हरारे, वार्ता। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज काइल जार्विस ने 32 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। पिछले डेढ़ साल में लगी चोटें और बीमारियों का बढ़ना उनके संन्यास लेने के प्राथमिक कारणों में से एक है।

जार्विस ने अपने अब तक के क्रिकेट करियर में 84 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें 132 विकेट लिए हैं। इसमें 46 टेस्ट विकेट, 58 वनडे, टी-20 में 28 और 320 विकेट प्रथम श्रेणी क्रिकेट के हैं। उन्होंने आखिरी बार 32 साल की उम्र में जिम्बाब्वे के लिए जनवरी 2020 में हरारे में श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट खेला था और तभी उन्हें पीठ के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। जैसे ही वह धीरे-धीरे प्रशिक्षण में लौटे तो उन्हें एक ही समय पर कोरोना संक्रमित होने और मलेरिया और टिक काटने के बुखार होने का पता चला।

जिम्बाब्वे के पूर्व तेज गेंदबाज ने गुरुवार को अपने संन्यास लेने पर कहा, यह एक बहुत ही मुश्किल फैसला था कि मैं संन्यास ले लूं और यह एक ऐसा फैसना है जिसे समझने में मुझे काफी समय लगा। कोई भी व्यक्ति उस काम को करना बंद नहीं करना चाहता जिससे वह प्यार करता है। पिछले साल मेरी पीठ की चोट के बाद काफी अनिश्चितता थी कि क्या मैं दोबारा गेंदबाजी कर पाऊंगा। मैं भाग्यशाली था कि छह से आठ महीने के बाद मैं पूरी तरह से ठीक हो गया, लेकिन मुझे पता था कि मुझे भविष्य के लिए योजना बनानी शुरू करना होगी। उल्लेखनीय है कि जार्विस ने 2009 में अपना वनडे पदार्पण किया था और 2011 में अपने पहले टेस्ट और टी-20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया था। 2013 में उन्होंने इंग्लैंड में लंकाशायर के साथ काउंटी अनुबंध को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया, हालांकि वह फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए सितंबर 2017 में जिम्बाब्वे लौटे।

बंगलादेश अगस्त में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी को लेकर आशावादी

ढाका, वार्ता। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि वह पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी को लेकर आशावादी हैं, हालांकि अगस्त में होने वाली इस सीरीज से जुड़े कई मुद्दों पर अभी फैसला नहीं हुआ है।

दरअसल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को आगामी वेस्ट इंडीज और बंगलादेश दौरे के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, हालांकि आस्ट्रेलियाई बोर्ड ने कहा है कि पांच टी-20 मैचों के लिए बंगलादेश दौरे की पुष्टि होना बाकी है, क्योंकि यह दौरा बायो-बबल (जैव सुरक्षित) प्रबंध और संबंधित सरकारी अनुमोदन पर समझौते के अधीन है।समझा जाता है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मांग की है कि टीम के बंगलादेश में रहने के दौरान उसके होटल में कोरोनो के खिलाफ एहतियात के तौर पर कोई बाहरी सीमा नहीं होनी चाहिए।

बीसीबी ने चटोग्राम और ढाका में सीरीज की मेजबानी करने की योजना बनाई थी, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसे स्वीकार करने के इच्छुक नहीं है, क्योंकि उसने मांग की थी कि पांचों टी-20 मुकाबले ढाका के शेर-ए-बंगला नेशनल स्टेडियम में खेले जाने चाहिए।

बीसीबी ने इससे पहले घोषणा की थी कि ऑस्ट्रेलिया वेस्ट इंडीज में अपना दौरा पूरा करने के बाद यहां पहुंचेगा और बोर्ड के मुख्य कार्यकारी निजामुद्दीन चौधरी ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि सभी अनिश्चितताओं के बावजूद ऐसा ही होगा, क्योंकि वह सभी मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं।निजामुद्दीन ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था, जब द्विपक्षीय दौरा तय होता है तो दोनों बोर्डों के बीच एक अंतिम पुष्टि होती है और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया यह सही कह रहा है कि दौरा पुष्टि के अधीन है, क्योंकि न तो हमने और न ही उन्होंने आधिकारिक तौर पर दौरे की पुष्टि की है। फिर भी हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा रखी गई मांग पर काम कर रहे हैं और मुझे लगता है कि वह जो कह रहा है उस पर अमल करना असंभव नहीं है।

टोक्यो ओलंपिक के लिए महिला हॉकी टीम घोषित ,8 अनुभवी और 8 नयी खिलाड़ी शामिल

बेंगलुरु,वार्ता। हॉकी इंडिया ने टोक्यो ओंलपिक खेलों 2020 की तैयारियों के अंतिम चरण पर पहुंचने के साथ ही भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है।हॉकी इंडिया ने गुरुवार को रियो ओलंपिक 2016 से निरंतरता और टोक्यो ओलंपिक के लिए एक नया दृष्टिकोण अपनाने के बीच 16 सदस्यों वाली संतुलित टीम की घोषणा की। टीम में आठ अनुभवी एवं दिग्गजों, जबकि आठ नए खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिन्हें ओलंपिक में पदार्पण करने का मौका मिलेगा।

खिलाड़ियों की अंतिम सूची में रानी, सविता, दीप ग्रेस एक्का, सुशीला चानू पुखरामबम, मोनिका, निक्की प्रधान, नवजोत कौर और वंदना कटारिया जैसी आठ दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्हें 36 साल के अंतराल के बाद 2016 के रियो ओलंपिक खेलों में भारतीय महिला टीम का प्रतिनिधित्व करने का अनुभव है। इन आठों खिलाड़ियों ने भारत के लिए कुल 1492 मैच खेले हैं। ऐसे में इन्हें ओलंपिक मेडल की तलाश में टीम का नेतृत्व करने का काम सौंपा जाएगा।यह भारतीय महिला हॉकी टीम की ओलंपिक खेलों में तीसरी उपस्थिति होगी और उनका लगातार दूसरा दौरा होगा। रियो 2016 के बाद से टीम ने 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप, 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने और इतिहास में पहली बार 2018 महिला विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने का शानदार अनुभव किया है।

टोक्यो ओलंपिक में पदार्पण करने वाली खिलाड़ियों में ड्रैग-फ्लिकर गुरजीत कौर, उदिता, निशा, नेहा, नवनीत कौर, शर्मिला देवी, लालरेम्सियामी और सलीमा टेटे शामिल हैं। लालरेम्सियामी टीम में मिजोरम की पहली खिलाड़ी हैं, जबकि सलीमा टेटे ब्यूनस आयर्स में 2018 युवा ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला टीम का हिस्सा बनी थी।भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शुअर्ड मरिने जने ने टीम चयन पर कहा, इस टीम ने पिछले कुछ वर्षों में बहुत मेहनत की है और लगातार प्रगति की है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और नई प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण है, जो बेहतरीन है। हम टोक्यो में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तत्पर हैं। यह एक ऐसी टीम है, जिसमें बहुत अधिक क्षमता और जोश है जिसे हम अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करने की उम्मीद करते हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के विशेष कॉन्टेंट प्रस्तुत करने के लिए फेसबुक और आईसीसी साझेदारी करेंगे

नयी दिल्ली, वार्ता। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के उद्घाटन संस्करण के फाइनल में पहुंचने के साथ ही, जब भारत और न्यूजीलैंड 18 जून से 22 जून तक आमने-सामने होंगे, क्रिकेट प्रशंसक आकर्षक मैच के रिकैप, इन-प्ले प्रमुख क्षणों और मैच के अन्य विशेष वीडियो-ऑन-डिमांड कॉन्टेंट फेसबुक वॉच पर देख सकेंगे।

इस क्षेत्र में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के डिजिटल कॉन्टेंट पार्टनर के रूप में, फेसबुक लाखों प्रशंसकों को उनके पसंदीदा मैच के खास पलों और स्पोर्ट्स आइकन से जोड़ते हुए, क्रिकेट के प्रति भारतीय उपमहाद्वीप के प्यार को जारी रखता है। इस टेस्ट मैच का आकर्षक कॉन्टेंट फॉर्मेट बातचीत और चर्चा के लिए अवसर प्रदान करते हुए, प्रशंसक समुदाय के भीतर खेल के प्रति उत्साह को बढ़ावा देगा, और इसके साथ ही, प्रशंसकों को अपने पसंदीदा मैच के क्षणों को दोस्तों और परिवार के साथ साझा करने में सक्षम बनाएगा। विशेष वीडियो-ऑन-डिमांड कॉन्टेंट आईसीसी के फेसबुक पेज पर प्रदर्शित किए जाएंगे।फेसबुक वॉच को इस भरोसे के साथ तैयार किया गया है कि वीडियो देखकर लोग एक-दूसरे से अधिक गहराई से जुड़ सकें। फेसबुक लगातार लोगों को आपस में जोड़ने वाले वीडियो अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है और यह बताने के लिए मौजूद है कि क्रिकेट, प्लेटफॉर्म पर सोशल व्यूइंग के अनुभव बनाने और समुदाय को एक साथ लाने की प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है।

इस अवसर पर, मनीष चोपड़ा, डायरेक्टर एवं हेड ऑफ पार्टनरशिप्स, फेसबुक इंडिया ने कहा लोगों को अपने प्लेटफॉर्म पर एक साथ लाने, बातचीत जारी रखने और कनेक्शन बनाने का हमारा निरंतर प्रयास जारी है। आईसीसी के साथ अपनी साझेदारी के जरिये, हमारा ध्यान फेसबुक वॉच पर उपमहाद्वीप में क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बेस्ट-इन-क्लास और प्रीमियम एक्शन लाने पर केंद्रित है।

साझेदारी के बारे में बताते हुए, अनुराग दहिया, चीफ कमर्शियल ऑफिसर, आईसीसी ने कहा , हाल के दिनों में आईसीसी के विशाल आयोजनों के दौरान हुई डिजिटल खपत में हमारी रिकॉर्ड-तोड़ वृद्धि दुनिया भर के विभिन्न तरह के दर्शकों के साथ अधिक गहराई से जुड़ने की क्रिकेट की लगातार उपलब्ध शक्ति को प्रदर्शित करती है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के उद्घाटन के लिए फेसबुक के साथ यह साझेदारी उस जुड़ाव को मजबूती प्रदान करने में मदद करेगी।

एवरेस्ट फतह करने वाले पहले कश्मीरी नागरिक बने महफूज इलाही

श्रीनगर, वार्ता।जम्मू कश्मीर के दक्षिणी कुलगाम जिले के निवासी 26 वर्षीय महफूज इलाही हजाम इस महीने की शुरुआत में दुनिया के सबसे ऊंचे शिखर माउंट एवरेस्ट को सफलतापूर्वक फतह करने वाले पहले कश्मीरी नागरिक बन गए हैं और उनकी इस उपलब्धि पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने उन्हें बधाई दी है।महबूबा, जो पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि तमाम बाधाओं के बावजूद प्रदेश के युवा ने महान कारनामा कर दिखाया है। महबूबा ने ट्विटर पर लिखा, माउंट एवरेस्ट फतह करने के लिए कुलगाम के महफूज इलाही को बधाई। तमाम बाधाओं के बावजूद जम्मू-कश्मीर के युवा ने यह कारनामा कर दिखाया है।''नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष अब्दुल्ला ने ट्वीट किया,बधाई हो महफूज, आप नयी ऊंचाइयों को छूते रहें।पहलगाम के अरु में जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स में एक नागरिक प्रशिक्षक महफूज ने एक जून, 2021 को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई की थी। इस अभियान का नेतृत्व कर्नल एलएस थापा ने किया, जो एक प्रसिद्ध पर्वतारोही हैं, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट को दो बार फतह किया है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारत की एकादश घोषित

साउथम्पटन,वार्ता। न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां एजेस बाउल स्टेडियम में कल से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय क्रिकेट टीम ने गुरुवार को अपनी एकादश घोषित कर दी।

बीते दिनों घोषित हुई 15 सदस्यीय टीम के चार सदस्य हनुमा विहारी, रिद्धिमान साहा, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव एकादश से बाहर हो गए हैं। भारतीय टीम प्रबंधन पांच गेंदबाजों के साथ गया है। रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा दो स्पिनर होंगे, जबकि अन्य तीन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा और जसप्रीत बुमराह होंगे।

2014 के बाद यह दूसरा मौका है, जब जडेजा और अश्विन इंग्लैंड में एक साथ टेस्ट मैच खेलेंगे। समझा जाता है कि रोहित शर्मा और शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। इसके बाद मध्य क्रम में चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे और ऋषभ पंत रहेंगे।

भारत की एकादश = विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा, जसप्रीत बुमराह।

कश्मीर बॉर्डर पर जवानों के बीच अक्षय, किसी से पंजा लड़ाया तो किसी के साथ किया डांस

नई दिल्ली वार्ता। अक्षय कुमार अपनी फ़िल्मों के ज़रिए देश और समाज की बात करते रहे हैं। वहीं, रियल लाइफ़ में वो भारतीय सेना और जांबाज़ जवानों के प्रशंसक माने जाते हैं और आर्मी से जुड़े कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं। गुरुवार को अक्षय कश्मीर में एलओसी पर बीएसएफ जवानों के बीच नज़र आए, जहां कि तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट की हैं।

अक्षय ज॰मू एंड कश्मीर के बंदीपुरा ज़िले के गुरेज़ से॰टर में पहुंचे थे। इन तस्वीरों में अक्षय जवानों के साथ मस्ती करते नज़र आ रहे हैं। किसी के साथ पंजा लड़ा रहे हैं तो कहीं अफ़सरों के साथ डांस कर रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ अक्षय ने लिखा- हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे बीएसएफ के जांबाज़ जवानों के साथ यादगार दिन बिताया। यहां आना हमेशा एक छू लेने वाला अनुभव रहता है। असली हीरोज़ से मिलना। मेरे दिल में स॰मान के सिवा कुछ नहीं है।

वहीं, बीएसएफ के ट्विटर एकाउंट से भी कुछ तस्वीरें पोस्ट की गयी हैं। इन तस्वीरों में जवानों से पंजा लड़ाते हुए और उनके साथ वॉलीबॉल खेलते हुए नज़र आ रहे हैं। अक्षय ने विजिटर्स बुक में भी साइन किया। बीएसएफ की ओर से अक्षय को प्रतीक चिह्न देकर स॰मानित किया गया।

बता दें, अक्षय आर्मी से जुड़े सरोकारों के लिए काफ़ी सक्रिय रहते हैं। उन्होंने भारत के वीर नाम से एक वेबसाइट और ऐप शुरू करने में भी भारत सरकार के साथ सहयोग किया था, जिसके तहत शहीद जवानों के परिवारों की आर्थिक मदद के लिए डोनेशन जमा किया जाता है। अक्षय के करियर की बात करें तो हाल ही में उन्होंने अपनी फ़िल्म बेलबॉटम के रिलीज़ का एलान किया था।यह स्पाई-थ्रिलर फ़िल्म 27 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। इसके अलावा इस साल अक्षय की सूर्यवंशी भी रिलीज़ पर है, जिसमें वो एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड के मुखिया के किरदार में दिखेंगे। इन फ़िल्मों के अलावा पृथ्वीराज, बच्चन पांडेय, राम सेतु, रक्षा बंधन और अतरंगी रे भी पाइपलाइन में हैं। ये सभी फ़िल्में अभी निर्माण की किसी ना किसी स्टेज में हैं।

जेनिफर विंगेट ने कोरोना महामारी को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली वार्ता। जेनिफर विंगेट ने कोरोना महामारी को लेकर अपनी बात रखी हैद्य उन्होंने कहा है कि कोरोना महामारी के दौरान वह बहुत भावुक हुई है और लोगों के प्रति संवेदना अधिक व्यक्त कर पाई हैंद्य एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मुझे थोड़ा समय लगा इन सभी चीजों को संभालने में और यह समझने में कि मेरे इर्द-गिर्द ॰या हो रहा है। उन्होंने अपने हालिया वीडियो में कई कलाकारों और इन॰लुएंसर्स की सराहना की है, जो कोरोना महामारी में लोगों की सहायता करते नजर आए थे।

जेनिफर ने कहा, मुझे लगता है किसी भी प्रकार के बदलाव के लिए सबसे पहली आवश्यकता उसके बारे में जागरूकता फैलाना हैद्य मुझे कुछ समय लगा कि मैं चीजों को समझूंद्य तब तक कई इन॰लुएंसर्स ए॰शन मोड में आ चुके थे और वह लोगों की सहायता कर रहे थेद्य जब लोगों के पास यह आशीर्वाद होता है कि वह लोगों की सहायता करें, तब लोगों को ऐसा करना चाहिए ताकि लोगों की आत्मचेतना जागृत रह सके और वह भी लोगों की सहायता कर सकें।

जेनिफर विंगेट यह बात देखकर दंग रह गई कि किस प्रकार कोरोना वायरस महामारी के दौरान लोगों ने लोगों की सहायता की हैद्य जेनिफर विंगेट कहती है, छोटी सी बात भी बड़ा प्रभाव डालती हैद्य मुझे गर्व है कि लोग सहायता कर रहे थेद्य कोरोना महामारी ने सभी को समान कर दिया हैद्य सभी संघर्ष कर रहे हैं और दुखी हैं और छोटी-छोटी सफलता भी बड़ी खुशियां दे जाती हैं। जेनिफर विंगेट टीवी कलाकार है। उन्होंने कई शो में अहम भूमिका निभाई हैद्य वह सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैंद्य वह अ॰सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती है।जेनिफर काफी लोकप्रिय टीवी कलाकार हैद्य वह अ॰सर अपने फैंस से बातचीत भी करती है। इसके चलते उनके फैंस भी उत्साहित रहते है। जेनिफर अ॰सर तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है।

अभिनेता मनीष पॉल ने की स्मृति ईरानी से मुलाकात, फोटो शेयर कर लिखा- 'चाय की जगह सब काढ़ा पीने लगे हैं'

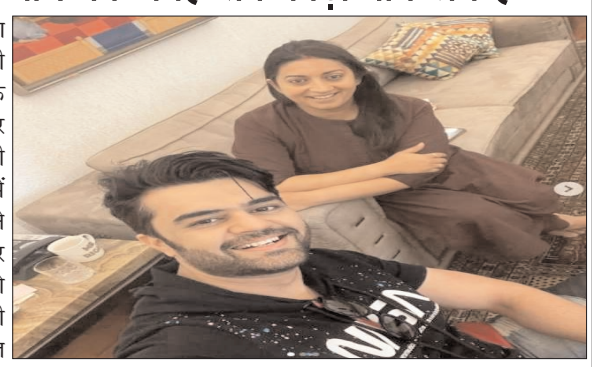

नई दिल्ली वार्ता। कोरोना वायरस की वजह से लोगों की जीवन शैली में काफी हद तक बदलाव हो चुके हैं। साथ ही घर आए मेहमान के स्वागत का भी तरीका बदल चुका है। इस बारे में बॉलीवुड कलाकार मनीष पॉल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर जानकारी दी है।बुधवार को अभिनेता मनीष पॉल ने मोदी सरकरा में कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी से मुलाकात की, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो स्मृति ईरानी के साथ मुस्कुराते हुआ सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर कर कैप्शन लिखा, 'इस प्यारे काढे के धन्यवाद स्मृति मैम। ॰या टाइम आ गया है... चाय की जगह सब काढ़ा पीने लगे हैं! लेकिन मुझे हमेशा की तरह गर्म रखने के लिए धन्यवाद।'

उन्होंने आगे लिखा, 'तस्वीरें लेने के लिए मास्क हटा दिया था। मैं आप सभी लोगों से बहुत प्यार करता हूं।' हाल ही में उन्होंने अपने बेटे के बर्थडे के मौके पर सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो अपने बेटे के साथ टाइम बीता देख रहे हैं। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने एक लंबा चौड़ा पोस्ट भी शेयर किया है।उन्होंने लिखा, 'मेरा छोटा सा बेटा 5 साल का हो गया। आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं युवान... आप कितने अद्भुत लड़के में बदल रहे हों... प्यार करने वाले, देखभाल, दयालु... जिस तरह से आप मेरे जैसे अपने बालों के दीवाने हो।' अभिनेता ने आगे लिखा, 'बंदूकें, फिल्में, संगीत, फुटबॉल, क्रिकेट और परेशान करने वाली मां, और भी बहुत सारी रूचियां हैं जो आपके और मेरे बीच मिलती हैं। हमेशा खुश रहो मेरे बेटे।'आपको बात दें कि मनीष ने अपने करियर की शुरूआत रेडियो सिटी के आरजे के रूप में की थी। उन्होंने अपने टीवी करियर की शुरूआत टीवी शो घोस्ट बना दोस्त से की थी। इसके बाद उन्होंने तमाम सीरिल्यस में छोटे-बडे किरदार निभाएं। लेकिन मनीष को पहचान जी टीवी के शो सारे गामापा छोटे उस्ताद से मिली।इस शो में उन्होंने बतैर होस्ट काम किया था, जिसके बाद अभिनेता ने डीआईडी लिटिल चैंप्स, झलक दिखला जा जैसे शोज को होस्ट किया था। अभिनेता मनीष पॉल ने फिल्म मिकी वायरस में बतौर लीड ए॰टर काम किया है। इस फिल्म उनके साथ अभिनेत्री एली अवराम ने भी अहम किरदार निभाया है।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर प्ले हुआ करीना कपूर ख़ान का वीडियो, प्रियंका चोपड़ा ने किया यह कमेंट

नई दिल्ली वार्ता। करीना कपूर ख़ान ने अपने करियर में कई बेहतरीन फ़िल्में और किरदार निभाये हैं। बॉलीवुड की सबसे कामयाब ए॰ट्रेसेज़ में करीना शामिल हैं। करीना हाल ही में बेहद उत्साहित नज़र आयीं, जब उन्होंने सोशल मीडिया में अपना एक वीडियो पोस्ट किया। यह वीडियो अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के आइकॉनिक टाइ॰स स्क्वायर का है, जहां एक बड़े बिलबोर्ड पर करीना कपूर ख़ान झिलमिला रही हैं। हालांकि, यह वीडियो एक ज्वैलरी ब्रांड का है, जिसे बेबो एंडोर्स करती हैं।

इस वीडियो के साथ करीना ने लिखा- एक बिलबोर्ड पर हीरों और सोने की तरह झिलमिलाते हुए। इसके साथ उन्होंने टाइ॰स स्क्वायर एनवाईसी हैशटैग लिखा है। करीना के इस वीडियो पर खूब कमेंट आ रहे हैं। उनकी ननद और सैफ़ अली ख़ान की छोटी बहन सबा अली ख़ान ने लिखा- हमेशा की तरह छाई हुई हो। वहीं, प्रियंका चोपड़ा जोनस ने इमोजी के ज़रिए करीना की पोस्ट को पसंद किया है। करीना और प्रियंका ने एतराज़ में एक साथ काम किया था, जिसमें अक्षय कुमार लीड रोल में थे। इस फ़िल्म में प्रियंका का किरदार नेगेटिव था। बाद में शाह रुख़ ख़ान की फ़िल्म डॉन में प्रियंका चोपड़ा ने फीमेल लीड रोल निभाया था। वहीं, करीना ने एक स्पेशल गाना किया था। करीना के करियर की बात करें तो वो अब आमिर ख़ान के साथ लाल सिंह चड्ढा में नज़र आएंगी, जो अभी निर्माणाधीन है। हॉलीवुड फ़िल्म फॉरेस्ट ग॰प के इस रीमेक की शूटिंग करीना पूरी कर चुकी हैं। पिछले दिनों करीना एक ऐसी ख़बर की वजह से सोशल मीडिया में ट्रोलिंग का शिकार बनी थीं, जिसकी कोई पुष्टि भी नहीं है। बॉयकॉट करीना कपूर ख़ान ट्विटर पर ट्रेंड हुआ था। ख़बर के अनुसार, करीना को रामायण पर बन रही एक फ़िल्म में सीता का रोल ऑफ़र किया गया है। बस इसी को लेकर सोशल मीडिया में उनके बायकॉट की मांग उठने लगी। करीना इसी साल दूसरी बार मां बनी हैं। लाल सिंह चड्ढा के बाद करीना की किसी फ़िल्म का आधिकारिक एलान नहीं किया है।

शादी से पहले जब अभिषेक बच्चन के सामने जया बच्चन ने ऐश्वर्या राय से कह दी थी ऐसी बात,रोने लगी थीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली वार्ता। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर ए॰ट्रेस ऐश्वर्या राय ने अपने फिल्मी करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। ऐश्वर्या उन ए॰ट्रेसेस में से हैं जिन्होंने अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को काफी अच्छे से बैलेंस किया। शादी के बाद ऐश्वर्या राय ने अपने परिवार को जिस तरह से संभाला वह वाकई काबिले तारीफ रहा है। ऐश्वर्या राय सोशल मीडिया पर कम ए॰टव रहती हैं। लेकिन हां जब बात किसी खास मौके की या परिवार में किसी के जन्मदिन आदि की होती है तो वह सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर करना नहीं भूलती हैं। इसी बीच ऐश्वर्या राय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उनके और उनकी सास जया बच्चन के बीच की बॉन्डिंग को साफ देखा जा सकता है। यहां देखें वायरल वीडियो...

ऐश्वर्या राय और जया बच्चन का जो वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रहा है वह एक अवॉर्ड शो के दौरान का है। इस अवॉर्ड शो में पूरा बच्चन परिवार मौजूद था। बता दें कि उस वक्त अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की शादी नहीं हुई थी। वीडियो में आप देख सकते हैं कि जया बच्चन स्टेज पर माइक लेकर ऐश्वर्या राय को संबोलिध करती नजर आ रही हैं। वह सबके सामने बताई हैं कि ऐश्वर्या जल्द ही उनकी फैमिली का हिस्सा बनने जा रही हैं। वीडियो में जया कह रही हैं कि, आज मैं एक शानदार और खूबसूरत लड़की की सास बनने जा रही हूं। वो लड़की जिसका विश्वभर में एक गौरव है, मान-स॰मान है, और जिसकी बड़ी खूबसूरत मुस्कान है। आपका परिवार में स्वागत है। मैं आपसे प्यार करती हूं।अपनी होने वाली सास यानी जया बच्चन की बात सुनकर ऐश्वर्या राय इमोशनल हो जाती हैं और वहीं सबके सामने रोने लगती हैं। उनकी आखों से खुशी के आंसू निकल जाते हैं।

शहनाज गिल ने शेयर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें, जमकर हो रही हैं वायरल

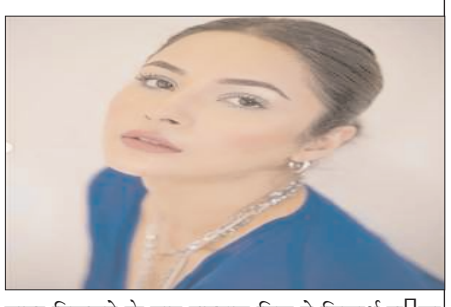

नई दिल्ली वार्ता। बिग बॉस 13 से लोकप्रिय हुई शहनाज गिल ने सोशल मीडिया पर अपनी हालिया फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैद्य इन तस्वीरों में शहनाज गिल काफी खूबसूरत नजर आ रही हैंद्य उन्होंने ॰लू कलर का टॉप पहन रखा हैद्य इसके अलावा उन्होंने शानदार मेकअप कर रखा हैद्य शहनाज गिल ने गले में नेकलेस पहन रखा है।

शहनाज गिल और सिद्धार्थ शु॰ला की जोड़ी बिग बॉस 14 में काफी फेमस हुई थीद्य शो में उनकी सिद्धार्थ शु॰ला के साथ बॉन्डिंग काफी पसंद की गई थीद्य शो से बाहर निकलने के बाद शहनाज गिल ने सिद्धार्थ शु॰ला के साथ कई गानों में भी काम कियाद्य शहनाज गिल की तस्वीरों पर फैंस कमेंट कर रहे हैं और उन्हें ॰यूट बता रहे हैंद्य वहीं कई लोगों ने दिल की इमोजी शेयर की है।शहनाज गिल की फोटो को अब तक छह लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैंद्य शहनाज गिल सोशल मीडिया पर अ॰सर अपनी तस्वीरें शेयर करती हैद्य शहनाज गिल ने दिलजीत दोसांज और बादशाह के साथ भी काम किया हैद्य इन दिनों वह बॉलीवुड में काम करने के लिए आतुर है।

अपने हालिया इंटरव्यू में शहनाज गिल ने कहा था, मैं हमेशा मानती हूं कि मेहनत करने से फल मिलता हैद्य मैं अपने काम को निखार रही हूंद्य मैं अपनी तुलना किसी और के साथ नहीं करना चाहती ॰योंकि इससे जलन और नफरत पैदा होती है। मुझे लगता है कि मेरे एटीट्यूड के कारण में बुरे वक्त से उबर पाई हूंद्य मैं अपनी मेहनत करती रहूंगी ॰योंकि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती शहनाज गिल सोशल मीडिया पर काफी ए॰टव हैद्य वह अ॰सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती है। शहनाज गिल अपने फैंस से भी बातचीत भी करती हैं। इसके चलती वह भी काफी उत्साहित रहते हैं। शहनाज गिल का भोलापन सभी को भाता है।

शाहरुख खान के साथ काम कर चुकी हैं द फैमिली मैन 2 एक्ट्रेस प्रियामणि

किंग खान के दिए इस तोहफे को आज भी रखा है संभालकर

नई दिल्ली वार्ता। द फैमिली मैन 2 को लेकर इन दिनों दर्शकों को में काफी क्रेज बना हुआ है। राज और डीके द्वारा निर्देशित द फैमिली मैन 2 को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस सीरीज के रिलीज के बाद से लगातार चर्चा में बनी हुई है। सीरीज में सभी कलाकारों के काम को काफी पसंद किया गया है। फिर चाहे वो मनोज बाजपेयी हो, समांथा अक्किनेनी या फिर प्रियामणि हर किसी ने इस सीरज में अपनी अदाकारी का एक अलग ही लेवेल सेट कर रखा था। वहीं अगर प्रियामणि की बात करें तो वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने इस सीरीज में मनोज बाजपेयी की पत्नी सुची का अहम किरदार प्ले किया और जो दो बच्चों की मां हैं।फिल्म में भले ही सुचि एक जासूस की पत्नी होती हैं लेकिन उन्होंने अपने अंदर एक ऐसा राज छुपा रखा है जिसके बारे में उन्होंने पति को भी नहीं बताया है। खैर ये तो बात रही %द फैमिली मैन 2 की। लेकिन ॰या आपको जानते हैं कि प्रियामणि बॉलीवुड किंग शाहरुख खान के साथ उनकी एक सुपरहिट फिल्म में नजर आ चुकी हैं। ये फिल्मी थी शाहरुख और दीपिका पादुकोण की सुपरहिट फिल्म चेन्नई ए॰सप्रेस%। इस फिल्म में प्रिया ने 1234 गाने पर शाहरुख के साथ डांस किया था। वहीं इस फिल्म के दौरान ए॰टर ने उन्हें एक ऐसा तोहफा दिया थाा जिसे प्रियामणि ने आजतक संभालकर रखा है।

प्रियामणि और शाहरुख खान ने फिल्म चेन्नई ए॰सप्रेस के गाने 1234 में साथ डांस किया था। ये गाना इस? फिल्म का सुपरहिट सॉन्ग है जिसे आज भी दर्शक काफी पसंद करते हैं। हिंदुस्तान टाइ॰स में छपी खबर के अनुसार ?प्रिया ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में किंग खान को लेकर कई सारी बातें शेयर की हैं। उन्होंने फिल्म चेन्नई ए॰सप्रेस के इस गाने की शूटिंग के दौरान शाहरुख के साथ काम करने का अपना अनुभव बताया। इसी के साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि शाहरुख ने इस गाने की शूटिंग के दौरान उन्हें 300 रुपये दिए थे जो आज भी उनके पास हैं।

प्रियामणि ने बताया कि, 1234 गाने की शूटिंग करने में करीब पांच दिन लग गए थे। शाहरुख खान बेहद ही सरल स्वभाव के हैं। उनके साथ मेरा काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा था।

नोरा फतेही को एक ऑफिस के बाहर किया स्पॉट, व्हाइट ड्रेस में दिखा ग्लैमरस लुक

नई दिल्ली वार्ता। अपने डांस मूव्स से लोगों के दिल में जगह बनाने वाली अभिनेत्री नोरा फतेही सोशल मीडिया पर जबरदस्त ए॰टव रहती हैं। वो अ॰सर सोशल मीडिया पर अपने फोटोज वीडियो शेयर करती रहती हैं। अब उनकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें वो बेहद ग्लैमरस दिख रही हैं।नोरा फतेही को एक ॰यूजिक कंपनी के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया है। उनकी इस वीडियो को मशहूर फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में नोरा व्हाइट कलर के क्रॉप टॉप और स्कर्ट में पोज देती दिख रही हैं। साथ ही उन्होंने एक हैंडल बैग भी कैरी किया हुआ है, जो उनके लुक के साथ मैच कर रहा है।

नोरा की इस वीडियो को सोशल मीडिया पर उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वो हसन हज्जाजू की तारीफ कर रही हैं। पहली तस्वीर में वो प्रिंटेड ड्रेस में सनग्लास लगाए पोज देती दिख रही हैं। वही दूसरी तस्वीर में बाइक पर बैठी नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने रेड कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। इन फोटोज को सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफर और कलाकार हसन हज्जाज लाराचे के साथ शूटिंग का वक्त शानदार था। उनके सभी कामों में पॉप कल्चर मि॰स के साथ उनके मोरक्कन स्ट्रीट हेरिटेज टज से प्यार है!'वहीं अगर उनके वर्कफ्रंट की बात करें तो नोरा जल्द ही अभिषेक दुधैया द्वारा निर्देशित फिल्म 'भुज-द प्राइड ऑफ इंडिया' में अजय देवगन, संजय द॰ा और सोनाक्षी सिन्हा के साथ नजर आने वाली हैं। बता दें कि नोरा फतेही कई लोकप्रिय डांस सॉन्ग में अपने जलवे बिखरे चुकी हैं। जैसे दिलबर (सत्यमेव जयते), कमरिया (स्त्री) और ओ साकी साकी (बाटला हाउस) में नजर आ चुकी हैं।

क्या जानबूझकर महिला प्रधान फिल्में चुन रही हैं शेरनी विद्या बालन? एक्ट्रेस ने दिया जवाब

नई दिल्ली वार्ता। बॉलीवुड ए॰ट्रेस विद्या बालन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शेरनी' को लेकर काफी खबरों में हैं और उसे जमकर प्रमोट भी कर रही हैं। विद्या बॉलीवुड की एक ऐसी ए॰ट्रेस हैं जिन्होंने कई महिला प्रधान फिल्मों में काम किया और अपने दम पर उन्हें हिट भी करवाया है। ए॰ट्रेस का ये सिलसिल अब भी जारी है। 'शेरनी' में विद्या एक फॉरेस्ट ऑफिसर का किरदार निभा रही हैं, जो एक असामान्य काम के साथ अपनी शादी को संतुलित करती है।अपने सफ़र और अपने द्वारा चुने गए विकल्पों के बारे में बात करते हुए विद्या बालन कहती हैं, 'ईमानदारी से कहूं, ऐसा नहीं है कि मैं इसे करने की योजना बना रही हूं, लेकिन मैं हमेशा ऐसा काम करना चाहती थी जो मेरे लिए कुछ मायने रखता हो, मैं वह काम करना चाहती हूं जो मेरे विश्वास का एक विस्तार हो, काम जो मुझे ए॰साइडेट करे और मुझे संतुष्टि दे।

संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त की ग्लैमरस तस्वीर हुई वायरल

नई दिल्ली वार्ता। बॉलीवुड ए॰टर संजय द॰ा फिल्म इंडस्ट्री के हिट एंड फिट स्टार्स की लिस्ट में गिने जाते हैं। संजय कुछ वक्त पहले अपने कैंसर की बीमारी को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। वहीं लंबे इलाज के बाद फिलाहल उनकी तबियत में काफी सुधार है। संजय की फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। वहीं उनके वह हीरो से लेकर विलेन तक के हर किरदार में फिट बैठते हैं। वह हमेशा से ही अपनी प्रोफेशनल लाइफ से कहीं ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। वहीं अगर संजय की पत्नी मान्यता द॰ा की बात करें तो वो भी काफी लाइम लाइट में रहती हैं। मान्यता सोशल मीडिया पर काफी ए॰टव रहती हैं। वह आए दिन अपनी हॉट एंड ॰यूटीफुल तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। इसी बीच मान्यता की एक और तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो रही है।मान्यता द॰ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक बेहद ही खूबसूरत और सिजलिंज तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में महात्मा बुद्ध की विशाल मूर्ति के सामने बैठी नजर आ रही हैं। वहीं इस दौरान मान्यता पूरी तरह से फॉर्मल लुक में दिख रही हैं। वहीं उनका पोज देने का स्टाइल वाकई आपको दीवाना बना देगा। इस ड्रेस के साथ उन्होंने ॰लैक कलर का चश्मा लगाया हुआ है। अपनी इस फोटो के साथ ही मान्यता ने बेहद ही खास कैप्शन लिखा है। वह लिखती हैं, %जब एक नकारात्मक विचार आपके दिमाग में आए, तो तीन सकारात्मक सोचें। स्क्रिप्ट को पलटने के लिए खुद को प्रशिक्षित करें। ए॰ट्रेस की इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं अबतक इसे हजारों फैंस लाइक कर चुके हैं। साथ ही इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि हाल ही में मान्यता द॰ा ने अपना एक वर्कआउट वीडियो शेयर किया था। वीडियो को देखकर साफ पता चल रहा है वह इन दिनों अपनी फिटनेस को लेकर काफी अर्लट मोड़ में हैं। हाल ही में मुंबई में कोरोना लॉकडाउन के नियमों में छुट दी गई जिसके बाद दुकानें और जिम दोबारा शुरू हुए। वहीं जिम खुलने के साथ ही मान्यता भी अब अपनी फिजिक को लेकर कड़ी मेहनत करती हुई नजर आई। इस दौरान वह व्हाइट टॉप और ॰लैक एंड वाइट ट्रैक पेंट्स पहनकर जिम में हार्ड वर्कआउट करती हुई नजर आ रही हैं।

फेड के बयान के बाद लुढ़का शेयर बाजार

मुंबई वार्ता। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों बढ़ोतरी की संभावना से घरेलू शेयर बाजारों में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 178.65 अंक यानी 0.34 प्रतिशत लुढ़ककर 52,323.33 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,691.40 अंक पर बंद हुआ।

फेड ने वर्ष 2023 तक नीतिगत ब्याज दरों में 0.6 प्रतिशत वृद्धि की संभावना व्यक्त की है। उसने कहा है कि आने वाले समय में श्रम बाजार में सुधार और बेरोजगारी कम होने की उम्मीद है।आईटी, टेक और एफएमसीजी को छोड़कर अन्य क्षेत्र की कंपनियों में बिकवाली हावी रही। इससे मझौली और छोटी कंपनियों पर भी दबाव बना। बीएसई का मिडकैप 1.29 फीसदी लुढ़ककर 22,396.07 अंक पर बंद हुआ। छोटी कंपनियों का सूचकांक स्मॉलकैप भी 0.58 प्रतिशत टूटकर 24,868.93 अंक पर रहा।

सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर लाल निशान में और शेष 10 के हरे निशान में रहे। इंडसइंड बैंक में सबसे अधिक 2.91 प्रतिशत की गिरावट रही। डॉ. रेड्डीज लैब का शेयर 2.17 फीसदी, एनटीपीसी का 2.13 फीसदी और मारुति सुजुकी का 2.02 प्रतिशत लुढ़क गया।

बजाज ऑटो का शेयर 1.52 प्रतिशत, एक्सिस बैंक का 1.51 प्रतिशत, भारती एयरटेल का 1.44 प्रतिशत, एचडीएफसी का 1.37 प्रतिशत, भारतीय स्टेट बैंक का 1.35 प्रतिशत और ओएनजीसी का 1.30 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक में 1.23 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक में 1.16 फीसदी और आईटीसी में 1.13 फीसदी की गिरावट रही।

अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 1.86 प्रतिशत, एशियन पेंट्स का 1.37 प्रतिशत, टीसीएस का 1.34 प्रतिशत, इंफोसिस का 1.13 प्रतिशत और टेक महिंद्रा का 1.04 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ।विदेशों में अधिकतर शेयर बाजार लाल निशान में रहे। जापान का निक्केई 0.93 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.42 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुआ। वहीं, हांगकांग का हैंगसेंग 0.43 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.21 प्रतिशत की बढ़त में रहा। यूरोप में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.49 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.13 प्रतिशत टूट गया।सेंसेक्स 379.73 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 52,122.25 अंक पर खुला। आईटी और टेक कंपनियों में लिवाली के दम पर दोपहर से पहले कुछ देर के लिए यह हरे निशान में आया और करीब 22 अंक चढ़कर 52,523.88 अंक पर पहुँच गया। चौतरफा बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स एक बार फिर लाल निशान में चला गया और पूरे दिन उबर नहीं सका। दोपहर बाद एक समय यह 52,040.51 अंक तक टूट गया था। अंत में बुधवार के मुकाबले 0.34 फीसदी नीचे 52,323.33 अंक पर बंद हुआ।

बीएसई में कुल 3,360 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,383 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ और 1,822 के गिरावट के साथ बंद हुये जबकि शेष 155 कंपनियों के शेयर अपरिवर्तित रहे।

निफ्टी की शुरुआत 119.25 अंक की गिरावट के साथ 15,648.30 अंक पर हुई। सेंसेक्स की तरह यह भी सुबह के समय कुछ देर के लिए हरे निशान में आया और 15,769.35 अंक तक पहुँच गया। हालाँकि कुछ देर बाद ही एक बार फिर गिरावट में चला गया। दोपहर बाद एक समय निफ्टी 15,616.75 अंक तक टूट गया था। अंत में यह 0.48 प्रतिशत लुढ़ककर 15,691.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 से 37 कंपनियों के शेयर टूट गये जबकि शेष 13 के मजबूती के साथ बंद हुये।

रुपया एक फीसदी लुढ़का

मुंबई वार्ता। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बयान के बाद आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपये में एक फीसदी से अधिक की भारी गिरावट रही और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 74.08 रुपये का बिका।भारतीय मुद्रा बुधवार को 73.32 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुई थी।अमेरिकी फेडरल रिजर्व के वर्ष 2023 तक ब्याज दरों में 0.06 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना जताये जाने से डॉलर में उछाल देखा गया जिससे रुपया दबाव में आ गया। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर का सूचकांक आज 0.75 प्रतिशत मजबूत हुआ।

डॉलर की मजबूती से रुपये पर शुरू से ही दबाव रहा। यह 33 पैसे लुढ़ककर 73.65 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और फिर उबर नहीं सका। इसका दिवस का उच्चतम स्तर सुबह के कारोबार में 73.57 रुपये प्रति डॉलर दर्ज किया गया। इसके बाद लगातार टूटता हुआ कारोबार की समाप्ति तक यह 76 पैसे की गिरावट के साथ 74.08 रुपये प्रति डॉलर तक उतरकर उसी स्तर पर बंद हुआ।

सोना डेढ़ हजार, चाँदी 2,800 रुपये के करीब लुढ़की

नयी दिल्ली वार्ता। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बयान के बाद विदेशों में दोनों कीमती धातुओं में रही जबरदस्त गिरावट के दबाव में घरेलू स्तर पर भी गुरुवार को सोने-चाँदी के भाव धराशायी हो गये।

एमसीएक्स वायदा बाजार में सोना 1,480 रुपये यानी 3.05 प्रतिशत लुढ़ककर 47,026 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। सोना मिनी भी 1,375 रुपये की गिरावट के साथ 46,904 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।चाँदी 2,795 रुपये यानी 3.91 प्रतिशत टूटकर 68,673 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिकी। चांदी मिनी भी 2,542 रुपये की कमजोर हुई और 68,964 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गई।

फेड के बयान में आने वाले समय में वर्ष 2023 तक नीतिगत ब्याज दरों में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना व्यक्त की गई है। इससे निवेशकों ने सुरक्षित निवेश माने जाने वाली सोने की पूँजी बाजार में पैसा लगाया जिससे पीली धातु दबाव में आ गई।अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 40.70 डॉलर लुढ़ककर 1,778.25 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इससे पहले बुधवार को भी इसमें भारी गिरावट रही थी। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी 81 डॉलर की बड़ी गिरावट के साथ 1,780.40 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चाँदी हाजिर 0.88 डॉलर चमककर 26.35 डॉलर प्रति औंस के भाव बिकी।

अलीबाबा के जैक मा एक बार फिर इन वजहों से चर्चा में, पिछले दिनों चीन सरकार की कार्रवाई से सुर्खियों में रहे

नयी दिल्ली वार्ता। चीन के अरबपति और दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा के संस्थापक जैक मा इन दिनों दूसरी वजह से खबरों में हैं। चीन सरकार की कार्रवाई के बाद काफी शांत बैठे मा आज कल शौकिया तौर पर पेंटिंग कर रहे हैं। उनके करीबी व्यापरिक सहयोगी जोसेफ त्साई ने इस बारे में जानकारी दी है। अलीबाबा के उपाध्यक्ष त्साई ने अमेरिकी मीडिया के साथ इंटरव्यू में कहा, 'जैक साधारण जीवन जी रहे हैं।' मैं उनसे रोज बात करता हूं और आंतरिक संदेश प्लेटफार्म के जरिये रोज मैसेज करता हूं। वह अपने जीवन में बहुत अच्छा कर रहे हैं और शौकिया तौर पर पेंटिंग करते हैं।'उल्लेखनीय है कि चीन के वित्त नियामकों ने पिछले वर्ष जैक मा को तलब करके उनकी कंपनी पर दबदबे की स्थिति का कथित दुरुपयोग करने के दोष में 2.8 डॉलर का जुर्माना लगाया था। जैक दो साल पहले ही अलीबाबा में अध्यक्षता और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की भूमिका से हट गए थे और वह अब शौक और परोपकार पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।जैक ने पिछले साल अक्टूबर में शंघाई में शिखर सम्मेलन के दौरान चीन की वित्तीय नियामक प्रणाली की आलोचना की थी। इस सम्मेलन में सैकड़ों बैंकों और नियामकों ने भाग लिया था। जैक के चीनी बैंकों की तुलना मोहरे की दुकानों से करने के बाद उन्हें राष्ट्रीय नियामकों द्वारा सम्मन किया गया। इस बयान से सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार नाराज हो गई। जिसके बाद सरकार ने उनकी कंपनी के खिलाफ जांच शुरू कर दी थी।

वर्ष 2023 तक ब्याज दर बढ़ा सकता है फेडरल रिजर्व

वॉशिंगटन वार्ता। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने कहा है कि उसे अगले दो साल में मुद्रास्फीति बढ़ने तथा श्रम बाजार में मजबूती की उम्मीद है और इसके बाद नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि की जायेगी।फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने फेड की मुक्त बाजार समिति की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुये कहा हमें इस गर्मी के मौसम में रोजगार में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। यह स्पष्ट है कि हम काफी मजबूत श्रम बाजार की ओर बढ़ रहे हैं। एक-साल में श्रम बाजार बेहद मजबूत हो जायेगा।फेड ने अपने बयान में वर्ष 2023 तक ब्याज दरों में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना व्यक्त की है, लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि दरें तभी बढ़ाई जायेंगी जब बेरोजगारी कम होगी और मुद्रास्फीति बढ़कर दो प्रतिशत से ऊपर पहुँच जायेगी। फिलहाल उसने नीतिगत ब्याज दरों को शून्य से 0.25 प्रतिशत के दायरे में अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है।फेड के बयान के बाद शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई।सोने और चाँदी के दाम भी लुढ़क गये।बयान में कहा गया है कि टीकाकरण के कारण कोविड-19 के संक्रमण में कमी आई है। इन सबके बीच केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था को समर्थन देना जारी रखेगा। वह सरकारी प्रतिभूतियों के माध्यम से 80 अरब डॉलर और रेहन समर्थित प्रतिभूतियों के माध्यम से 40 अरब डॉलर की तरलता हर महीने बढ़ाता रहेगा।

मित्रों ने लॉन्च किया वीडियो एडिटिंग ऐप

नयी दिल्ली वार्ता। अग्रणी शॉर्ट फॉर्मेट वीडियो ऐप में से एक, मित्रों टीवी के संस्थापकों ने एक एडवांस्ड वीडियो एडिटिंग ऐप्लिकेशन, 'मॉटाजप्रो' लॉन्च किया है।कंपनी ने आज कहा कि यह वीडियो एडिटिंग ऐप्लिकेशन मुख्य रुप से कंटेंट क्रिएटर्स के लिए तैयार किया गया है जो मुफ्त में सभी प्रीमियम वीडियो एडिटिंग सेवाएं पेश करता है।इस ऐप में 300 से अधिक प्रीमियम इफेक्ट्स और फिल्टर्स शामिल किए है, और इसकी सहायता से क्रिएटर्स 60 एफपीएस एचडी वीडियोज़ बिना किसी वाटरमार्क के एक्सपोर्ट कर सकते है।मॉटाजप्रो पूरे विश्व में गूगल प्ले पर उपलब्ध है और इसे 500,000 से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है।

खाद्य तेल, चीनी में टिकाव, चावल नरम, दालों में घटबढ़

नयी दिल्ली वार्ता। विदेशों में खाद्य तेलों में नरमी के बीच दिल्ली थोक जिंस बाजार में गुरुवार को इनके भाव स्थिर रहे। तेलों के साथ चीनी के दाम में भी टिकाव देखा गया। चावल का भाव टूट गया जबकि दालों में मिश्रित रुख रहा।

तेल-तिलहन ः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 35 रिंगिट लुढ़ककर 3,369 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.65 सेंट की नरमी के साथ 56.18 सेंट प्रति पाउंड बोला गया।

स्थानीय बाजार में आवक और उठाव में संतुलन रहने से सरसों तेल, मूँगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया तेल, पाम ऑयल और वनस्पति के भावों में कोई बदलाव नहीं हुआ।गुड़-चीनी ः मीठे के बाजार में चीनी की कीमतों में टिकाव रहा। गुड़ का भाव भी गत दिवस के स्तर पर पड़ा रहा।

अनाज ः गेहूँ के दाम कमोबेश गत दिवस पर ही बने रहे जबकि चावल 100 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गयासरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे ः-

दाल-दलहनः चना 4,600-4,700, दाल चना 5,700-5,850, मसूर काली 6,950-7,150, मूंग दाल 8,500-8,800, उड़द दाल 9,150-9,450, अरहर दाल 8,500-8,850 रुपये प्रति क्विंटल रही।चना दाल 6600 से 6900, तुअर दाल सवा नंबर 8800 से 8900, तुअर दाल फूल 9000 से 9200, तुअर दाल बोल्ड 9500 से 9700, आयातित तुअर दाल 8700 से 8800, मसूर दाल 7000 से 7300, मूंग दाल 8000 से 8300, मूंग मोगर 8400 से 8900, उड़द दाल 8800 से 9100, उड़द मोगर 10100 से 10500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 9000 से 9500, तिबार 7500 से 8000, दुबार 6500 से 7000, मिनी दुबार 5500 से 6000, मोगरा 3500 से 5500, बासमती सैला 5000 से 7000, कालीमूंछ 6800 से 7000, राजभोग 5900 से 6000, दूबराज 3500 से 4000, परमल 2700 से 2850, हंसा सैला 2600 से 2750, हंसा सफेद 2400 से 2500, पोहा 3200 से 3700 रुपये प्रति क्विंटल।

अनाज ः (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 1840-1940 रुपये और चावल ः 2400-2500 रुपये प्रति क्विंटल रहा।चीनी-गुड़ ः चीनी एस 3400-3500, चीनी एम. 3470-3570, मिल डिलीवरी 3240-3340 और गुड़ 3510-3610 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

मई में हवाई यात्रियों की संख्या 63 प्रतिशत घटी

नयी दिल्ली वार्ता। कोविड-19 से जुड़े प्रतिबंधों और संक्रमण के डर की वजह से मई में घरेलू मार्गों पर हवाई यात्रा करने वालों की संख्या में अप्रैल की तुलना में 63 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आज जारी आँकड़ों के अनुसार, मई में 21.15 लाख घरेलू यात्रियों ने सफर किया। यह आँकड़ा अप्रैल के 57.25 लाख यात्रियों की तुलना में 63.06 प्रतिशत कम है। साथ ही यह जुलाई 2020 के बाद का निचला स्तर भी है।

कोविड-19 की दूसरी लहर ने मई में लगभग पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया था। एक समय नये संक्रमितों की दैनिक संख्या चार लाख के पार पहुँच गई थी। अधिकतर राज्यों ने संक्रमण रोकने के लिए आंशिक या पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया था। हालाँकि हवाई यात्रा पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया था, लेकिन दूसरे राज्यों से अपने यहाँ आने वाले यात्रियों के लिए कई राज्यों ने बेहद कड़ी शर्तें रखीं थी ताकि लोग सिर्फ बहुत आवश्यक होने पर ही हवाई सफर करें।

पिछले साल मई में पहले 24 दिन तक नियमित यात्री उड़ानें पूरी तरह बंद रही थीं। दो महीने के विराम के बाद 25 मई से घरेलू उड़ानों की अनुमति दी गई थी। मई 2020 से फरवरी 2021 तक यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती रही। इसके बाद अगले तीन महीने इसमें कमी आई है।

डीजीसीए के आँकड़ों से स्पष्ट है कि गत मई में लगभग सभी विमान सेवा कंपनियों का पैसेंजर लोड फैक्टर (पीएलएफ) यानी भरी सीटों का अनुपात कम हुआ है। किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइस जेट का पीएलएफ अप्रैल के 70.8 प्रतिशत से घटकर मई में 64 प्रतिशत रह गया। इसके बावजूद वह इस मामले में दूसरी एयरलाइंस से आगे रही। इसके बाद क्रमशः गोएयर का पीएलएफ 63.3 प्रतिशत, इंडिगो का 51.2 प्रतिशत, एयर एशिया इंडिया का 44.4 प्रतिशत, स्टार एयर का 41.2 प्रतिशत, विस्तारा का 40.9 प्रतिशत और एयर इंडिया का 39.3 प्रतिशत रहा।

यात्रियों की कम संख्या के कारण विमान सेवा कंपनियों ने कई उड़ानें रद्द भी कीं। मई रद्द होने वाली 67.9 प्रतिशत उड़ानों के पीछे कंपनियों ने वाणिज्यिक कारण बताया। इसके बाद 17 प्रतिशत उड़ानों के रद्द होने की वजह मौसम रहा।

एयर टैक्सी ने सबसे अधिक 61.29 प्रतिशत उड़ानें रद्द कीं। एयर इंडिया की 16.34 प्रतिशत, विस्तारा की 9.29 प्रतिशत, एयर एशिया इंडिया की 3.80 प्रतिशत, फ्लाईबिग की 3.57 प्रतिशत, इंडिगो की 3.51 प्रतिशत, स्पाइस जेट की 1.81 प्रतिशत और ट्रू जेट की 1.64 प्रतिशत उड़ानें रद्द हुईं।

स्थिर रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नयी दिल्ली वार्ता। पेट्रोल-डीजल के दाम गुरुवार को रिकॉर्ड स्तर पर अपरिवर्तित रहे। इससे पहले बुधवार को तेल विपणन कंपनियों ने इनके दाम बढ़ाये थे।अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 96.66 रुपये और डीजल 87.41 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा।

दिल्ली में जून में अब तक पेट्रोल की कीमत 2.43 रुपये और डीजल की कीमत 2.26 रुपये बढ़ चुकी है। इससे पहले मई में पेट्रोल 3.83 रुपये और डीजल 4.42 रुपये महँगा हुआ था।अन्य महानगरों में भी आज कीमतों में टिकाव रहा। मुंबई में एक लीटर पेट्रोल 102.82 रुपये का और डीजल 94.84 रुपये का हो गया है। चेन्नई में पेट्रोल 97.91 रुपये का और डीजल 92.04 रुपये का बिका। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 96.58 रुपये और डीजल की 90.25 रुपये प्रति लीटर पर है।

गौतम अडाणी ने तीन दिनों में गंवाएं नौ बिलियन डॉलर, सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में हैं इस पायदान पर

नयी दिल्ली वार्ता। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में और ऊपर जाने के भारत के दिग्गज उद्योगपति गौतम अडाणी के सपने को एक मीडिया रिपोर्ट की वजह से गहरा झटका लगा है। इस रिपोर्ट में की कंपनियों में निवेश करने वाली कुछ को लेकर कुछ सवाल उठाए गए थे। इसके बाद ग्रुप की छह लिस्टेड कंपनियों के शेयर बुरी तरह लुढ़क गए। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनियों के शेयरों में गिरावट की वजह से 58 वर्षीय उद्योगपति ने इस सप्ताह में नौ बिलियन डॉलर गंवाएं हैं।

ब्लूमबर्ग बिलियनर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी की कुल संपत्ति घटकर 67.6 बिलियन डॉलर पर रह गई। उनकी संपत्ति का यह आकलन बुधवार को शेयर बाजार बंद होने तक के आंकड़े पर आधारित है। हालांकि, गुरुवार को भी ग्रुप की कंपनियों के शेयर में गिरावट देखने को मिली।

कुछ दिनों पहले तक अडाणी सबसे अमीर लोगों की ब्लूमबर्ग की लिस्ट में एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी के बिल्कुल पास पहुंच गए थे। हालांकि, इस सप्ताह शेयरों के लगातार लुढ़कने से वह इस लिस्ट में फिसलकर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस रिपोर्ट के साथ शुरू हुआ था यह विवादइस सप्ताह के पहले दिन एक अंग्रेजी दैनिक की एक रिपोर्ट सामने आई कि नेशनल सिक्योरिटीज डिपोजिटरी लिमिटेड ने अडाणी ग्रुप में निवेश करने वाले तीन फॉरेन फंड्स के अकाउंट्स फ्रीज कर दिए हैं। इसके बाद ही निवेशकों ने बड़े पैमाने पर ग्रुप की कंपनियों के शेयरों की बिकवाली की और अधिकतर शेयरों में लोअर सर्किट लग गया। उसके बाद अडाणी समूह और फिर हस्तक्षेप ने यह स्पष्टीकरण दिया कि डिपोजिटरी ने अकाउंट फ्रीज नहीं किए हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन धनकुबेरों की लिस्ट में 12वें स्थान पर हैं। उनकी कुल संपत्ति 84.5 बिलियन डॉलर आंकी गई है।

अपने ट्वीट की वजह से सुर्खियों में रहने वाले अमेरिका के श्र्श्र्श्र की कुल संपत्ति 167 बिलियन डॉलर है। वह इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। 144 बिलियन डॉलर की अनुमानित संपत्ति के साथ चौथे और ख्रड्ढ्रड्ढश्र्श्र के मार्क जुकरबर्ग पांचवें स्थान पर हैं।

खादी आयोग का रिकॉर्ड कारोबार

नयी दिल्ली वार्ता। कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से पूरी तरह से प्रभावित वित्त वर्ष 2020-21 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अपना अब तक का सबसे अधिक कारोबार दर्ज किया है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि वित्त वर्ष 2020-21 में आयोग ने 95,741.74 करोड़ रुपये का सकल वार्षिक कारोबार दर्ज किया। पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में हुए 88,887 करोड़ रुपए के कारोबार में इस वर्ष करीब 7.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि वित्त 2020-21 में खादी आयोग का रिकॉर्ड प्रदर्शन बहुत महत्व रखता है क्योंकि पिछले वर्ष 25 मार्च को पूरे देश में लॉकडाउन की घोषणा के कारण उत्पादन गतिविधियाँ तीन महीने से अधिक समय तक निलंबित रहीं थी। इस अवधि के दौरान सभी खादी उत्पादन इकाइयाँ और बिक्री केंद्र बंद रहे जिससे उत्पादन और बिक्री बुरी तरह प्रभावित हुई।

उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान लोगों ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को पूरे जोश से पूरा किया है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान केवीआईसी का खास ध्यान कारीगरों और बेरोजगार युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सृजित करना था। आर्थिक संकट का सामना करते हुए, बड़ी संख्या में युवाओं ने पीएमईजीपी के तहत स्वरोजगार और विनिर्माण गतिविधियों को अपनाया जिससे ग्रामोद्योग क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि हुई। साथ ही, स्वदेशी उत्पादों को खरीदने की प्रधानमंत्री की अपील के बाद खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।श्री सक्सेना ने कहा कि खादी ई-पोर्टल, खादी मास्क, खादी फुटवियर, खादी प्राकृतिक पेंट और खादी हैंड सैनिटाइज़र आदि का शुभारंभ, नई प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) इकाइयों की रिकॉर्ड संख्या की स्थापना, नए स्फूर्ति क्लस्टर, स्वदेशी के लिए सरकार की पहल और खादी आयोग का अर्धसैनिक बलों के सामग्री की आपूर्ति करने के ऐतिहासिक समझौते से महामारी के इस दौर में केवीआईसी के कारोबार में वृद्धि हुई ग्रामोद्योग ने वित्त वर्ष 2019-20 में 65,393.40 करोड़ रुपए के खादी उत्पादन की तुलना में 2020-21 में 70,329.67 करोड़ रुपए का खादी उत्पादन किया। इसी तरह से वित्त वर्ष 2020-21 में ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री 92,214.03 करोड़ रुपए की हुई जबकि 2019-20 में यह आंकड़ा 84,675.29 करोड़ का था।

उन्होंने कहा कि खादी वस्त्र क्षेत्र में उत्पादन और बिक्री में थोड़ी गिरावट आई क्योंकि देश भर में कताई और बुनाई गतिविधियां महामारी के चलते बंद रहीं।

अलायंस एयर का मानसून सेल शनिवार से

नयी दिल्ली वार्ता। सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई अलायंस एयर ने आज मानसून बोनांजा सेल की घोषणा की जिसके तहत चुनिंदा मार्गों पर किराया 999 रुपये से शुरू होगा।

एयरलाइन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सेल 19 जून से 21 जून तक रहेगा। इसके तहत 01 अगस्त से 31 अक्टूबर तक की यात्रा के लिए टिकट बुक कराये जा सकेंगे। बेंगलुरु-मैसुरु, मैसुरु बेंगलुरु, मैसुरु-कोच्चि, कोच्चि-मैसुरु, हैदराबाद-बेलगाम, बेलगाम-हैदराबाद, दिल्ली-चंडीगढ़, चंडीगढ़-दिल्ली, कोलकाता-भुवनेश्वर और रायपुर-कोलकाता जैसे मार्गों को ऑफर में शामिल किया गया है।सेल के तहत किराया 999 रुपये से शुरू होगा। इसके अलावा यात्री एक बार यात्रा की तारीख में निःशुल्क परिवर्तन करा सकेंगे। अलायंस एयर ने बताया कि इन मार्गों पर वह 70 सीटों वाले एटीआर72 विमानों का परिचालन करेगी।

एंजेल ब्रोकिंग का ग्राहक आधार पहली बार 50 लाख के पार

नयी दिल्ली वार्ता। फिनटेक ब्रोकर एंजेल ब्रोकिंग ने पिछले महीने रिकॉर्ड मंथली ग्रॉस क्लाइंट जोड़ने के बाद जून 2021 में ग्राहक जोड़ने का सिलसिला जारी रखा है।

भारत में शेयर बाजार में ट्रेडिंग करने वालों की संख्या बढ़ी है और एंजेल ब्रोकिंग ने भी बाजार के जोश को प्रतिध्वनित किया है। इसने बढ़े हुए मंथली क्लाइंट एडिशन रेट में सफलतापूर्वक 50लाख ग्राहक% का मील का पत्थर पार कर लिया है।

एंजेल ब्रोकिंग ने मई 2021 में अपना अब तक का सबसे अधिक मासिक सकल ग्राहक अधिग्रहण किया। इसकी ग्राहक वृद्धि दर तिमाही दर तिमाही लगातार बढ़ी है, वित्त वर्ष 2021 की चौथी तिमाही में 14 गुना से अधिक बढ़कर 9.6लाख हो गई है, जो वित्त वर्ष 2020 की पहली तिमाही में एक लाख से कम थी।

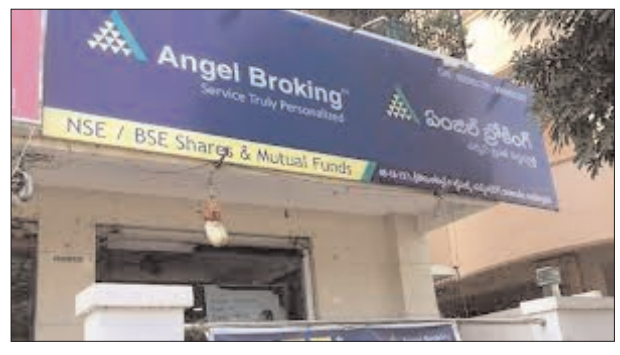

कंपनी ने सभी प्रक्रियाओं के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया और इसका ही परिणाम शानदार विकास के तौर पर सामने आया है। फिनटेक ब्रोकर ने बेहतर और निर्बाध ग्राहक अनुभव सुनिश्चित किया है, जिससे टियर 2, टियर 3 बाजारों और उससे आगे के बाजारों में गहरी पैठ बनाई है। इसने मोबाइल ऐप, वेब प्लेटफॉर्म और विशेष सॉफ्टवेयर सूट सहित डिजिटल चैनलों के व्यापक स्पेक्ट्रम में सेवा उपलब्धता के साथ उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस विकसित किया है। एंजेल ब्रोकिंग के बेहतर तकनीकी बुनियादी ढांचे ने भी अपने औसत ग्राहक ऑनबोर्डिंग समय को घटाकर 5 मिनट कर दिया है।

web: www.sindhutimes.in

Email: sindhutimes99@gmail.com

8 सिन्धु टाइम्स

देश -दुनिया

लखनऊ, शुक्रवार, 18 जून 2021

कोरोना के करीब 67 हजार नये मामले, रिकवरी दर बढ़कर 95.93 फीसदी

देश में अब तक 26 करोड़ 55 लाख 19 हजार 251 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है

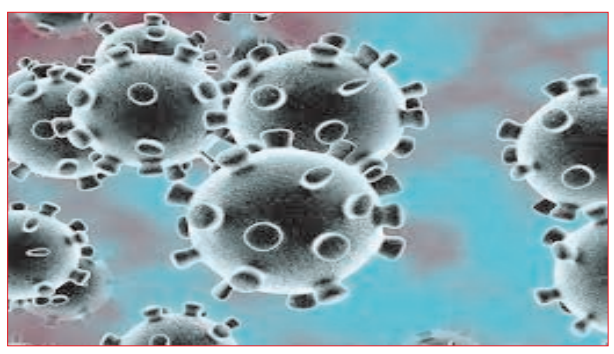

नयी दिल्ली वार्ता। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) की रफ्तार धीमी पड़ने के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के करीब 67 हजार नये मामले सामने आये हैं और इस महामारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या अधिक रहने से रिकवरी दर बढ़कर 95.93 फीसदी हो गई है।इस बीच बुधवार को 34 लाख 63 हजार 961 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 26 करोड़ 55 लाख 19 हजार 251 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरूवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 67,208 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 2,97,00,313 हो गया। इस दौरान एक लाख 03 हजार 570 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर देश में अब तक दो करोड़ 84 लाख 91 हजार 670 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। सक्रिय मामले 38 हजार 692 कम होकर आठ लाख 26 हजार 740 रह गये हैं। देश में पिछले 71 दिनों में सक्रिय मामलों की यह न्यूनतम संख्या है।

पिछले 24 घंटों के दौरान 2,330 मरीज अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन लाख 81 हजार 903 हो गयी है।

देश में सक्रिय मामलों की दर कम होकर 2.78 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 95.93 फीसदी और मृत्यु दर 1.29 फीसदी हो गई है।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 1696 घटकर 139744 हो गये हैं। इसी दौरान राज्य में 10567 और मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5679746 हो गयी है जबकि 1236 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 115390 हो गया है।

केरल में इस दौरान सक्रिय मामले 2566 कम हुए हैं और इनकी संख्या अब 110226 रह गयी है तथा 15689 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 2639593 हो गयी है जबकि 147 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 11655 हो गयी है।कर्नाटक में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 10716 घटे हैं जिससे इनकी संख्या 151587 रह गयी है। वहीं 148 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 33296 हो गया है। राज्य में अब तक 2599472 मरीज स्वस्थ हुए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मामले 329 कम हुए हैं और अब इनकी संख्या 2749 रह गयी है। यहां 25 और मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 24876 हो गयी है। वहीं 1404085 मरीज कोरोना को मात दे चुके हैं।

तेलंगाना में सक्रिय मामले 42 बढ़कर 19975 रह गये हैं, जबकि अब तक 3521 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 584429 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं।

आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 3668 रह गये हैं। राज्य में कोरोना को मात देने वालों की तादाद 1743176 हो गयी है जबकि 12109 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 10880 घटकर 114335 रह गयी है तथा 270 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 30338 हो गयी है। वहीं 2244073 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं।

आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 725 सक्रिय मामले कम हुए हैं और इनकी संख्या अब 6496 रह गयी है। राज्य में इस महामारी से 49 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 21963 हो गयी है तथा 1674999 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के सक्रिय मामले 591 घटकर 11126 रह गये हैं। वहीं 13354 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं जबकि 12 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 13354 हो गयी है। मध्य प्रदेश में सक्रिय मामले 337 घटकर 3273 रह गये हैं तथा अब तक 776887 लोग स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 8649 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है। पंजाब में सक्रिय मामले 756 घटकर 10046 रह गये हैं तथा संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या 562701 हो गयी है जबकि 15,650 मरीजों की जान जा चुकी है।

गुजरात में सक्रिय मामले 658 घटकर 8884 रह गये हैं तथा अब तक 15698 लोगों की मौत हुई है। वहीं 564084 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं।

हरियाणा में सक्रिय मामले 124 घटकर 3579 हो गये हैं। राज्य में इस महामारी से 9109 लोगों की मौत हो चुकी है तथा अब तक 753918 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 1106 बढ़कर 21152 हो गये हैं और इस महामारी के संक्रमण से कुल 17118 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक 1432961 स्वस्थ हुए हैं।

बिहार में सक्रिय मामले कम 369 घटकर 3991 हो गए हैं। राज्य में कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटों के दौरान नौ लोगों की मौत हुई है जिसके साथ ही मृतकों का कुल आंकड़ा 9523 पर पहुंच गया है। राज्य में 704805 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।

कोरोना महामारी से अब तक राजस्थान में 8865, उत्तराखंड में 6997, झारखंड में 5092, जम्मू-कश्मीर में 4217, असम में 4064, हिमाचल प्रदेश में 3414, ओडिशा में 3432, गोवा में 2960, पुडुचेरी में 1702, मणिपुर में 1008, चंडीगढ़ में 799, मेघालय में 758, त्रिपुरा में 634, नागालैंड में 461, सिक्किम में 285, लद्दाख में 199, अरुणाचल प्रदेश में 155, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 127, मिजोरम में 74, लक्षद्वीप में 45 तथा दादर-नागर हवेली एवं दमन-दीव में चार लोगों की मौत हुई है।

सिसोदिया ने गैर-जरूरी सरकारी खर्च को कम करने का जारी किया आदेश

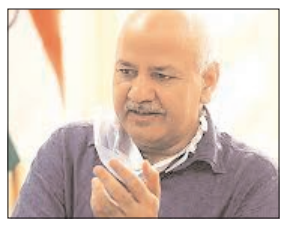

नयी दिल्ली वार्ता। दिल्ली सरकार ने कोरोना काल में खर्चों के बढ़ने के कारण दैनिक कार्यों में होने वाले कार्यों(आवश्यक कार्यों को छोड़ कर) व अन्य व्यय में कटौती करने का आदेश जारी किया गया है।दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री मनीष सिसोदिया ने यह जानकारी दी। दिल्ली सरकार ने खर्चों के प्रबंधन और इन्हें तर्कसंगत बनाने के लिए आदेश जारी किया है ताकि युक्तिसंगत तरीकों को अपनाकर खर्च को तर्कसंगत किया जा सके।

श्री सिसोदिया ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 के पहले दो महीनों के दौरान दिल्ली सरकार के खर्च में पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 80त्न की वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों के दौरान दिल्ली की राजस्व प्राप्तियां 5,273.26 करोड़ रुपये रही हैं, जबकि खर्च 8,511.09 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इन दो महीनों में दिल्ली ने अपनी प्राप्तियों से 3,237.83 करोड़ रुपये अधिक खर्च किए हैं जो पिछले साल की बचत से मिले थे। उपमुख्यमंत्री ने साझा किया कि वित्तवर्ष 2019-20 के दौरान पहले 2 महीनों के खर्च 4705.14 करोड़ था, वित्तवर्ष 2020-21 में ये 4965.5 करोड़ था। कोरोना महामारी के कारण खर्चे तेज़ी से बढ़कर चालू वित्तवर्ष में 8511.09 करोड़ पहुंच गया है।उपमुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर और लॉकडाउन के कारण कर संग्रह में गिरावट आई है जबकि कोरोना काल में विभिन्न राहत कार्यों के कारण पिछले वर्षों की तुलना में खर्च में वृद्धि हुई है।वित्तमंत्री ने जानकारी दी कि खर्चों के बढ़ने के कारण दैनिक कार्यों में होने कार्यों(आवश्यक कार्यों को छोड़ कर) व अन्य व्यय में कटौती करने का आदेश जारी किया गया है।

गंगवार ने युवाओं के रोजगार की प्रतिबद्धता दोहराई

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री संतोष गंगवार ने कहा है कि सरकार महिलाओं और कमजोर वर्ग सहित देश के सभी युवाओं के लिए रोजगार में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।श्री गंगवार ने कहा कि सरकार शिक्षा और रोजगार के बीच सेतु को बेहतर बनाने और युवाओं को काम के भविष्य के लिए तैयार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कौशल विकास, रोजगार सृजन और उद्यमिता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं के उत्थान के लिए कई नीतियां और योजनाएं शुरू की गई हैं।श्री गंगवार ने गुरुवार को केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय और यूनिसेफ के बीच एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

इस अवसर पर श्रम और रोजगार सचिव अपूर्व चंद्रा और यूनिसेफ के देश प्रतिनिधि डॉ. यास्मीन अली हक मौजूद थे।

श्री गंगवार ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। भारत में हर पांचवां व्यक्ति युवा है। उन्होंने कहा कि 2015 में शुरू की गई राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) युवाओं के रोजगार और करियर की जरूरतों को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि एनसीएस ने कोविड-19 के कारण श्रम बाजार में चुनौतियों को कम करने और अर्थव्यवस्था के परिणामी लॉकडाउन के लिए कई पहल की हैं।

नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं के बीच की खाई को पाटने के लिए ऑनलाइन नौकरी मेलों का आयोजन किया जा रहा है।केन्द्रीय मंत्री ने आशा व्यक्त की कि अगले तीन वर्षों में, यूनिसेफ और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, दोनों भारतीय युवाओं के सहयोग और सशक्तिकरण के क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धि हासिल करेंगे ताकि भविष्य का आत्मविश्वास से सामना किया जा सके।

उच्चतम न्यायालय प्रधानमंत्री नियुक्त नहीं कर सकता: ओली

काठमांडू, वार्ता। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि न्यायपालिका प्रधानमंत्री को नियुक्त नहीं कर सकती और वह विधायिका तथा कार्यपालिका के उत्तरदायित्व नहीं संभाल सकती।

श्री ओली ने प्रतिनिधि सभा को भंग किये जाने के बारे में उच्चतम न्यायालय के मांगे गये स्पष्टीकरण के लिखित जवाब में यह बात कही।श्री ओली ने अपने जवाब में कहा, न्यायालय का दायित्व संविधान और वर्तमान कानून की व्याख्या करना है, यह विधायिका या कार्यकारी इकाइयों की भूमिका नहीं अदा कर सकता। प्रधानमंत्री की नियुक्ति सर्वथा राजनीतिक और कार्यकारी प्रक्रिया है।

राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने 22 मई को पांच महीने के भीतर दूसरी बार प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिया था और 12 तथा 19 नवंबर को चुनाव कराने की घोषणा की थी।श्री ओली ने पूरे मसले पर राष्ट्रपति की भूमिका का बचाव करते हुए कहा, संविधान का अनुच्छेद 76 केवल राष्ट्रपति को एक प्रधानमंत्री की नियुक्ति का पूरा अधिकार देता है।

उच्चतम न्यायालय ने नौ जून को प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनसे सात दिनों के भीतर जवाब मांगा था। न्यायालय ने प्रतिनिधि सभा भंग किये जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ये नोटिस जारी किये थे। याचिकाकर्ताओं ने प्रतिनिधि सभा भंग किये जाने को 'असंवैधानिक' करार दिया था।

गौरतलब है कि श्री ओली की सिफारिश पर सुश्री भंडारी के प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिये जाने और 30 अप्रैल एवं 10 मई को नये चुनावों की घोषणा किये जाने के बाद नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर ही 20 दिसंबर को सत्ता संघर्ष ने जोर पकड़ लिया था।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखे श्रीलंका

नयी दिल्ली वार्ता। भारत ने श्रीलंका को आज आगाह किया कि उसे कोलंबो पोर्ट सिटी परियोजना को लेकर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखना होगा।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां वीडियो लिंक के माध्यम से एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोलंबो पोर्ट सिटी परियोजना को लेकर हाल की घटनाओं को हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से बहुत सावधानी से देख रहे हैं। हमने यह भी देखा है कि श्रीलंका में भी इस परियोजना को लेकर कई पहलुओं पर चिंताएं व्यक्त की गयीं हैं।श्री बागची ने कहा, हमें श्रीलंका से अपेक्षा है कि वह हमारे बेहतरीन द्विपक्षीय रिश्तों को लेकर सावधान रहेगा जिसमें हमारे एक समान वातावरण में साझी सुरक्षा का पहलू शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की श्रीलंका के साथ विभिन्न विकास परियोजनाओं में साझीदारी है और हम उनके कार्यान्वयन में श्रीलंका के अधिकारियों के नियमित संपर्क में हैं।

अमेरिका और रूस राजनयिक मिशनों की चुनौतियों की जांच पर सहमत

वाशिंगटन, वार्ता। अमेरिका और रूस राजनयिक मिशनों के काम में आने वाली चुनौतियों की जांच करने पर सहमत हो गये हैं।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके अमेरिकी समकक्ष जो बिडेन ने जिनेवा में बुधवार को एक बैठक में दोनों देशों के राजदूतों की वापसी पर सहमति व्यक्त की है और फिलहाल अपनी राजधानियों के संपर्क में हैं।अधिकारी ने कहा, हम अपने राजदूतों के उनकी संबंधित राजधानियों में लौटने के महत्व पर सहमत हुए हैं। उम्मीद है कि फिलहाल यहां मौजूद राजदूत जॉन सुलिवान ने भी अपनी तैयारी कर ली है और वह मॉस्को वापस जाने के लिए तैयार हो रहे होंगे वहीं राजदूत अनातोली एंटोनोव वापस वाशिंगटन आएंगे। यह समझौता और अधिक व्यापक रूप से यह देखने के लिए किया गया है कि क्या हम अपने राजनयिक मिशनों को बनाये रखने में आने वाली चुनौतियों के बीच काम जारी रख सकते हैं।

तालिबान आतंकवादियों के साथ संघर्ष में 23 जवान मारे गये

काबुल, वार्ता। अफगानिस्तान के उत्तरी फारयाब प्रांत में तालिबान आतंकवादियों के साथ संघर्ष में कम से कम 23 सुरक्षा बलों के जवान मारे गये और छह घायल हो गये।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दॉलात आबाद जिले में बुधवार को अफगान सुरक्षा बलों के सफाई अभियान के दौरान संघर्ष हुआ। इसमें मारे जाने वालों में सेवानिवृत्त जनरल सोहराब आजिमी और रक्षा मंत्रालय के पूर्व प्रवक्ता का पुत्र शामिल है।

हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक अखबार पर छापा मारा

बीजिंग, वार्ता। हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक अखबार एप्पल डेली के कार्यालयों पर गुरुवार को करीब 500 पुलिसकर्मियों ने छापा मारा क्योंकि इस तरह के आरोप लगाए गए हैं कि अखबार की रिपोर्टों ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का उल्लंघन किया है।

बीबीसी रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने मुख्य संपादक (एडिटर-इन-चीफ) और चार अन्य अधिकारियों को उनके घरों से गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने तीन कंपनियों एप्पल डेली लिमिटेड, एप्पल डेली प्रिंटिंग लिमिटेड और एडी इंटरनेट लिमिटेड की स्वामित्व वाली 180 लाख हांगकांग डालर की सम्पति को जब्त कर लिया है।

अखबार के मालिक और जाने-माने मीडिया उद्योगपति जिमी लाई पहले से ही कई आरोपों में जेल में बंद हैं। एप्पल डेली को मुख्यतौर पर चीनी नेतृत्व के आलोचक के रूप में जाना जाता है।पुलिस के अनुसार 2019 से एप्पल डेली विभिन्न देशों से हांगकांग और चीन पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान करने वाले लेखों को प्रकाशित करता आ रहा है।

अखबार ने अपने यहां छापेमारी की सीधे फुटेज अपने फेसबुक अकाउंट पर प्रसारित की हैं। एप्पल डेली द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित तस्वीरों में पुलिस को पत्रकारों के कंप्यूटरों को खंगालते दिखाया गया है।

पुलिस ने अलग से एडिटर-इन-चीफ रयान लॉ, मूल कंपनी नेक्स्ट डिजिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चेउंग किम-हंग, सीओओ चाउ टाट-कुएन, एप्पल डेली के प्रकाशक चान पुई-मैन और निदेशक चेउंग ची-वाई को उनके घरों से गिरफ्तार किया है।

किम जोंग ने माना, उत्तर कोरिया गंभीर खाद्य संकट की चपेट में

प्योंगयांग, वार्ता। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने गुरुवार को स्वीकार किया कि उनका देश खाद्य पदार्थों की गंभीर कमी का सामना कर रहा है।श्री किम जोंग ने प्योंगयांग में वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति के वरिष्ठ नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, लोगों के भोजन की स्थिति अब तनावपूर्ण होती जा रही है।उन्होंने कहा कि देश में पिछले साल कई बार आंधी-तूफान आने के कारण भीषण बाढ़ आयी जिसकी वजह से फसलों का नुकसान हुआ और कृषि क्षेत्र अनाज के अपने लक्षित उत्पादन को पूरा करने में विफल रहा। देश के कृषि क्षेत्र में भले ही उत्पादन कम रहा हो लेकिन राष्ट्रीय औद्योगिक उत्पादन में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में एक चौथाई की वृद्धि हुई है।

सीबीएसई के फॉर्मूले से सुप्रीम कोर्ट सहमत

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा के परिणाम जारी करने के लिए एक फॉर्मूला गुरुवार को उच्चतम न्यायालय के समक्ष रखा, जिसे उसने स्वीकार कर लिया।सीबीएसई ने न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की खंडपीठ को परीक्षा परिणाम के लिए एक फॉर्मूला बताया जिसके तहत 12वीं के परिणाम के लिए 10वीं और 11वीं में प्राप्त अंकों पर भी विचार किया जाएगा।सीबीएसई ने कहा कि 12वीं के लिए यूनिट टेस्ट / मिड-टर्म / प्री-बोर्ड परीक्षा के आधार पर 40 प्रतिशत अंकों का आकलन किया जाएगा।

देश में मंहगाई से मोदी सरकार को कोई लेना देना नहीं- नरेश कुमार

नयी दिल्ली वार्ता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक डॉ. नरेश कुमार ने कहा है कि देश में पेट्रोल डीज़ल के दामों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी से मंहगाई में भी इजाफा हो रहा है लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार को इससे कोई लेना देना नहीं है और वह अगले साल उत्तर प्रदेश में सत्ता में आने की योजना बना रहे हैं।

डा .कुमार ने गुरूवार को यहां पत्रकारों को बताया कि आज के दिन का क्रूड ऑयल का भाव अंतराष्ट्रीय बाज़ार में 72.12 डॉलर प्रति बैरल है और एक लीटर पेट्रोल जो तेल कम्पनियों तक पहुँचता है उसकी क़ीमत 37.29 रूपए प्रति लीटर लगभग तक होती है जबकि उपभोक्ताओं को 96.66 रूपए प्रति लीटर के रेट से मिल रहा है। इस हिसाब से क़रीब साठ रुपए प्रति लीटर देश की जनता से कौन लूट रहा है।

उन्होंने बताया कि 32.90 रूपए केन्द्र सरकार एक्साइज ड्यूटी प्रति लीटर चार्ज कर रही है। वहीं दिल्ली की राज्य सरकार वैट के नाम पर 22.31 रूपए प्रति लीटर लेती है और 3.80 रूपए डीलर का कमीशन होता है। इस तरह कुल मिलाकर उपभोक्ताओं को तीन गुना भाव पर पेट्रोल मिलता है।

उन्होंने बताया कि एक लीटर डीज़ल जो पेट्रोल पम्प तक पहुँचता है उसकी क़ीमत 39.90 रूपए तक होती है जबकि उपभोक्ताओं को 86.41 रूपए प्रति लीटर के रेट से मिल रहा है। 31.80 रूपए केन्द्र सरकार एक्साइज ड्यूटी प्रति लीटर चार्ज कर रही है। वहीं दिल्ली की राज्य सरकार वैट के नाम पर 12.79 रूपए प्रति लीटर लेती है और 2.59 रूपए डीलर का कमीशन होता है। उस हिसाब से 47 रुपए का मुनाफ़ा कमाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 2014 में एक लीटर पेट्रोल की क़ीमत 61.37 रूपए थी जबकि आज दिल्ली में यही भाव 96.66 रूपए प्रति लीटर है। इस हिसाब से पिछले सात सालों में 35.29 रूपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी पेट्रोल के दाम में हुई है। उन्होंने बताया कि सात साल पहले क्रूड आयल का भाव 105.60 डॉलर प्रति बैरल था जबकि आज का रेट 72.12 डॉलर प्रति बैरल है। इसके बावजूद भी बढ़ोतरी पर सरकार की मंशा स्पष्ट हो जाती है।

उन्होंने बताया कि पेट्रोल-डीज़ल के बढ़ते भाव से महंगाई का सीधा संबंध है और उसी का नतीजा है कि मुद्रा स्फीति दर बढ़कर 6.3 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने बताया कि खाने के तेल और दालों की कीमतो में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। सरसों तेल 34 प्रतिशत, वनस्पति तेल-33 प्रतिशत, सोया तेल 36 प्रतिशत, सूरजमुखी का तेल 52 प्रतिशत, तूर दाल में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

राम मंदिर के लिए जमीन खरीद में भ्रष्टाचार हुआ : संजय सिंह

नयी दिल्ली वार्ता। आम आदमी पार्टी(आप) के वरिष्ठ नेता एवं पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा है कि राम मंदिर के लिए 12080 वर्ग मीटर जमीन 18.50 करोड़ रुपये में खरीदी गई, जबकि उसके बगल में 10370 वर्ग मीटर जमीन सिर्फ आठ करोड़ रुपये में खरीदी गई। इससे साफ पता चलता है कि जमीन की खरीद में भ्रष्टाचार किया गया है।

राज्य सभा सांसद श्री सिंह ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि अगर आठ करोड़ में 10370 वर्ग मीटर जमीन खरीदने के रेट को सही मान लें तो भी 18.50 करोड रुपये में करीब 26000 वर्ग मीटर जमीन खरीदी जा सकती थी जबकि साढ़े अट्ठारह करोड़ में सिर्फ 12080 वर्ग मीटर जमीन ही खरीदी। राम जन्म भूमि ट्रस्ट, भाजपा और विश्व हिन्दू परिषद जिस एग्रीमेंट का बार-बार जिक्र कर रहे थे, वह 18 मार्च को निरस्त हो गया था, उसमें रवि मोहन तिवारी का नाम नहीं था तो फिर बैनामे में उसका नाम क्यों शामिल कराया गया? उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय और रवि मोहन तिवारी रिश्तेदार हैं। रवि मोहन तिवारी मेयर ऋषिकेश उपाध्याय के समधी का साला है। रवि मोहन तिवारी का नाम एग्रीमेंट में इसलिए डाला गया ताकि इनके खाते में रुपए डाल कर करोड़ों रुपए की बंदरबांट की जा सके।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय ने सात जून को भतीजे दीप नारायण उपाध्याय के नाम पर महेंद्र नाथ मिश्रा से 1.90 करोड़ रुपए की जमीन खरीदी। इसके आय के स्रोतों की जांच होनी चाहिए। सुल्तान अंसारी और रवि मोहन तिवारी के खातों की जांच होनी चाहिए कि उनके खाते में जो 17 करोड़ गए तो वह कहां गए। श्री सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 50 लाख रुपये से ज्यादा की कोई खरीद अगर रजिस्ट्री विभाग में होती है, आयकर विभाग को इसकी सूचना दी जाती है, जबकि 18.50 करोड़, आठ करोड़ और दो करोड़ की जमीन खरीदने के मामले में ऐसा क्यों नहीं हुआ? उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर इसलिए नहीं बन पा रहा है क्योंकि घोटाला और भ्रष्टाचार किया जा रहा है। भाजपा और राम जन्म भूमि ट्रस्ट के लोगों ने राम मंदिर के लिए एकत्र किये गये पैसे खा लिये हैं। गरीबों ने अपना पेट काटकर राम मंदिर के लिए चंदा दिया है। उस चंदे के एक-एक रुपए का सदुपयोग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जगदगुरू शंकराचार्य जी, स्वामी स्वरूपानंद जी, रामलला मंदिर के मुख्य पुजारी, सत्येंद्र दास, निर्मोही अखाड़े, स्वामी अवमुक्तेश्वानंद का बयान आया कि वे भी इस भ्रष्टाचार की घटना से आहत हैं, क्या ये सब प्रभु श्री राम के खिलाफ हैं?राज्यसभा सांसद ने कहा कि चंपत राय का झूठ नंबर एक... पहले दिन चंपत राय ने कहा, मैं इस मामले की स्टडी करूंगा जबकि कि वह तीन महीने से सुल्तान अंसारी से मिल रहे थे और जमीन का सौदा कर रहे थे। उनको घटना के बारे में जानकारी थी। चंपत राय का झूठ नंबर दो... सुल्तान अंसारी और रवि मोहन तिवारी के साथ पुराना एग्रीमेंट था, वह हमारे लिए बाध्यकारी था। इसलिए मैंने दो करोड़ रुपये में जमीन खरीदी, जिसे हमने उनसे 18.50 करोड़ रुपये में खरीदा। श्री सिंह ने कहा, सच यह है कि वह एग्रीमेंट 18 मार्च को ही निरस्त हो गया था। उन्होंने कहा कि चंपत राय का झूठ नंबर तीन....जमीन का रेट महंगा हो गया। भाजपा, विश्व हिंदू परिषद, राम जन्मभूमि ट्रस्ट के लोग मुझसे पूछ रहे थे कि आसपास की जमीन का रेट पता कर लो। जबकि उन लोगों को तो पता था कि बगल की जमीन का रेट आठ करोड़ रुपए है।

उन्होंने कहा,मैं आठ करोड़ रुपए की जमीन का रेट बताता हूं। यह गाटा संख्या 242, इसका मतलब कि बगल की जमीन है।

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी, प्रकाशक / मुद्रक-उरूषा इमरान द्वारा विशनू ऑफसेट,वैसी की मस्जिद,भानमती चौराहा हुसैनगंज,लखनऊ से मुद्रित कराकर 126/21/1, राना होटल, इस्लामिया कालेज के सामने, लालबाग लखनऊ (उ.प्र.)- 226001 से प्रकाशित।

*संपादक - इमरान हसन सिद्दीकी, RNI NO. UPHIN/39063, MOB.- 9935403111, प्रबंध संपादक- एस.वी.सिंह उजागर, मो- 9451988443, E-Mail : sindhutimes99@gmail.com फेम-0522-4029211 (नोट- किसी भी वाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)